दैनिक
भीम प्रज्ञा

PRGI No. RJHIN/25/A3844 डाक पंजीयन G/JJN/053/2024-26 Valid up to 31 dec. 2026

2009 से स्थापित

सम्यक, न्याय, स्वतंत्रता, समानता, बंधुता, एवं सामाजिक चेतना के लिए रचनात्मक पत्रकारिता

भीम प्रज्ञा अलर्ट

परिस्थितियां कभी स्थायी नहीं होती–लेकिन हमारा धैर्य और दृष्टिकोण ही तय करता है कि हम हार मानेंगे या इतिहास बनाएंगे।

गांव के गुवाड़ से निकलकर प्रकाशित होने वाले दैनिक अखबार भीम प्रज्ञा की मजबूती के लिए पाठक बनिए और बनाइए अपनी प्रतिक्रिया दीजिए

हेल्पलाइन - 9983040937

Bheem Pragya publication
A/C No: 61347330768
IFSC Code- SBIN0031880
Phone pe , G-pay
9983040937

www.bheempragya.in | वर्ष-1 | अंक-91 | झुंझुनू (राजस्थान) | शनिवार, 21 फरवरी, 2026 | Email.bheempragya@gmail.com | पृष्ठ-8 | मूल्य: 5.00

सम्पादकीय

एडवोकेट हरेश पंवार
Contact No. 9983040937

मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है

कलयुग में नैतिकता की चुनौती और मनुष्य की आंतरिक जीत

भारतीय परंपरा में 'कलयुग' को नैतिक पतन का काल माना गया है। यह वह समय है जब सत्य की राह कठिन और असत्य का मार्ग सरल प्रतीत होता है। आज के समाज में एक वाक्य अक्सर सुनने को मिलता है– 'बुरे के साथ बुरा हो न हो, पर अच्छे के साथ बुरा जरूर होता है।' यह धारणा केवल एक कथन नहीं, बल्कि वर्तमान मानसिकता का दर्पण बन चुकी है। जब व्यक्ति अपने आसपास छल, भ्रष्टाचार और स्वार्थ को फलते-फूलते देखता है, तो उसके मन में न्याय व्यवस्था, नैतिक मूल्यों और ईश्वर तक के प्रति संशय उत्पन्न होने लगता है। यह स्थिति चिंताजनक है, क्योंकि जब समाज अच्छाई पर से विश्वास खो देता है, तो उसका नैतिक आधार कमजोर होने लगता है। यहां मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है।

वास्तव में, यह समस्या बाहरी से अधिक आंतरिक है। अच्छे और बुरे की परिभाषा अक्सर हमारी दृष्टि से तय होती है। जो व्यक्ति ईमानदारी, संवेदनशीलता और करुणा के साथ जीवन जीता है, वह दूसरों के दुख और अन्याय को गहराई से महसूस करता है। उसकी संवेदनशीलता ही उसकी ताकत भी है और कमजोरी भी। जब उसके साथ अन्याय होता है, तो वह उसे भीतर तक प्रभावित करता है। इसके विपरीत, जो व्यक्ति स्वार्थ और संवेदनहीनता को अपना लेता है, वह दूसरों को नुकसान पहुंचाकर भी विचलित नहीं होता। उसकी प्रगति हमें तेज और प्रभावशाली दिखती है, क्योंकि वह किसी नैतिक द्वंद्व में नहीं उलझता। समस्या यह है कि हम सफलता को केवल बाहरी उपलब्धियों से मापते हैं–धन, पद, प्रतिष्ठा और प्रभाव से। यदि कोई व्यक्ति इन मानकों पर आगे दिखता है, तो हम उसे 'सफल' मान लेते हैं, चाहे उसने वह सफलता किस मार्ग से प्राप्त की हो। वहीं, जो व्यक्ति सिद्धांतों पर अडिग रहते हुए संघर्ष करता है, वह हमें 'पीड़ित' या 'अभागा' प्रतीत होता है। यह दृष्टिकोण अधूरा है। बाहरी सफलता तात्कालिक और भ्रामक हो सकती है, जबकि आंतरिक संतोष और आत्मसम्मान स्थायी होते हैं। इतिहास और साहित्य इस सत्य के अनेक उदाहरण प्रस्तुत करते हैं। भगवद्गीता में श्रीकृष्ण अर्जुन से कहते हैं कि कर्म करते रहो, फल की चिंता मत करो। इसका आशय यह है कि नैतिकता का मूल्य परिणाम से नहीं, बल्कि आचरण से तय होता है। यदि व्यक्ति सही मार्ग पर चलता है, तो उसका आत्मबल बढ़ता है। यही आत्मबल उसे कठिन परिस्थितियों में भी अडिग रहने की शक्ति देता है। दूसरी ओर, अनैतिक साधनों से प्राप्त उपलब्धियां मन में भय और असुरक्षा को जन्म देती हैं। ऐसा व्यक्ति बाहर से भले ही प्रभावशाली दिखे, भीतर से वह स्थिर नहीं होता।

आज के समय में सोशल मीडिया और प्रतिस्पर्धा ने तुलना की प्रवृत्ति को और बढ़ा दिया है। हम दूसरों की उपलब्धियों का चमकदार पक्ष देखते हैं, परंतु उनके संघर्ष या मानसिक स्थिति से अनजान रहते हैं। इससे यह भ्रम उत्पन्न होता है कि बुरा व्यक्ति आराम से आगे बढ़ रहा है और अच्छा व्यक्ति संघर्ष में फंसा है। परंतु जीवन केवल दृश्य उपलब्धियों का नाम नहीं है। जीवन एक व्यापक यात्रा है, जिसमें हर व्यक्ति अपने कर्मों का फल किसी न किसी रूप में प्राप्त करता है–चाहे वह सामाजिक रूप से दिखाई दे या न दे। यह भी सच है कि अच्छाई का मार्ग सरल नहीं है। सत्य बोलना, ईमानदारी से कार्य करना और दूसरों के अधिकारों का सम्मान करना कई बार हमें तात्कालिक लाभ से वंचित कर देता है। लेकिन यही गुण हमें दीर्घकालीन सम्मान और आत्मसंतोष प्रदान करते हैं। जब व्यक्ति रात को निश्चिंत होकर सो सकता है, जब उसे अपने कर्मों पर ग्लानि नहीं होती, तब वह वास्तविक अर्थों में सफल होता है। इसके विपरीत, अनैतिक मार्ग पर चलने वाला व्यक्ति निरंतर भय और असुरक्षा में जीता है–भले ही उसका बाहरी जीवन कितना ही भव्य क्यों न हो। समाज को भी इस दृष्टिकोण में परिवर्तन की आवश्यकता है। यदि हम केवल परिणाम को महत्व देंगे और साधनों की अनदेखी करेंगे, तो अनैतिकता को अप्रत्यक्ष प्रोत्साहन मिलेगा। हमें बच्चों और युवाओं को यह सिखाना होगा कि असली जीत चरित्र की होती है। नैतिकता का मूल्य तात्कालिक लाभ से कहीं अधिक है। जब समाज सामूहिक रूप से सत्य और ईमानदारी को सम्मान देगा, तभी यह धारणा कमजोर होगी कि 'अच्छे के साथ बुरा ही होता है।'

अंततः, यह जीवन दृष्टिकोण का प्रश्न है। बुराई के साथ मिलने वाली सफलता अक्सर खोखली और अस्थिर होती है, जबकि अच्छाई के मार्ग पर मिलने वाले कष्ट व्यक्ति को मजबूत बनाते हैं। संघर्ष चरित्र को गढ़ता है, आत्मबल को बढ़ाता है और व्यक्ति को भीतर से परिपक्व करता है। इसलिए परिस्थितियों को देखकर अपनी अच्छाई छोड़ देना बुद्धिमानी नहीं है। अच्छाई स्वयं में ही एक प्रतिफल है–एक ऐसा प्रतिफल जो आत्मिक शांति, सम्मान और दीर्घकालिक संतोष के रूप में मिलता है। कलयुग चाहे जितना भी कठिन क्यों न हो, सत्य और नैतिकता का प्रकाश कभी पूर्णतः बुझ नहीं सकता। आवश्यकता केवल इतनी है कि हम उस प्रकाश को अपने भीतर जलाए रखें। क्योंकि अंततः जीत उसी की होती है, जो परिस्थितियों से नहीं, अपने सिद्धांतों से संचालित होता है।

पायलट के नजदीकी विनोद जाखड़ बने एनएसयुआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष

आरएसएस के कार्यक्रम का विरोध करने पर पिछले साल 17 दिन जेल में रहे थे

भीम प्रज्ञा न्यूज

जयपुर । सचिन पायलट के नजदीकी युवा नेता विनोद जाखड़ को कांग्रेस के छात्र संगठन नेशनल स्टूडेंट यूनियन ऑफ इंडिया (NSUI) का राष्ट्रीय अध्यक्ष नियुक्त किया है। जाखड़ अभी NSUI के प्रदेशाध्यक्ष हैं। कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने जाखड़ की नियुक्ति के आदेश जारी किए हैं। जाखड़ वरूण चौधरी का स्थान लेंगे, जो अब तक संगठन के अध्यक्ष थे। विनोद जाखड़ की गिनती युवा दलित नेताओं में की जाती है। जाखड़ राजस्थान यूनिवर्सिटी छात्रसंघ के अध्यक्ष रह चुके हैं। एनएसयूआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष की नियुक्ति के लिए खुद राहुल गांधी ने पिछले दिनों इंटरव्यू लिए थे। राजस्थान से निर्मल चौधरी भी इंटरव्यू देने वालों में शामिल थे। जाखड़ की नियुक्ति को कांग्रेस के अंदरूनी सियासी समीकरणों के लिहाज से काफी अहम माना जा रहा है। विनोद जाखड़ को पिछले साल 30 सितंबर को राजस्थान यूनिवर्सिटी में आरएसएस के शस्त्र पूजन कार्यक्रम में तोड़फोड़ के आरोप में पुलिस ने अरेस्ट कर जेल भेज दिया था। जाखड़ को 17 दिन जेल में रहना पड़ा था। 17 अक्टूबर 2025 को जाखड़ को हाईकोर्ट से जमानत मिली थी। जाखड़ ने राजस्थान यूनिवर्सिटी में आरएसएस के कार्यक्रम के विरोध की अगुवाई की थी।

दलित युवा नेता को प्रमोट कर बड़े वोट बैंक को मैसेज देने की भी सियासत

राजस्थान में युवा दलित नेता को राष्ट्रीय स्तर पर बड़ी जिम्मेदारी देने के पीछे कांग्रेस के परंपरागत वोट बैंक माने जाने वाले वर्ग को मैसेज से भी जोड़कर देखा जा रहा है। इसके प्रदेश की राजनीति के अलावा राष्ट्रीय स्तर पर भी मैसेज देने का प्रयास माना जा रहा है।

अब राजस्थान NSUI के नए प्रदेशाध्यक्ष की तलाश

विनोद जाखड़ को राष्ट्रीय अध्यक्ष की जिम्मेदारी मिलने के बाद अब राजस्थान में हृस्द्ध प्रदेशाध्यक्ष के पद पर नए नेता की नियुक्ति होगी। नए प्रदेशाध्यक्ष के चेहरों को लेकर कई नेता दावेदार हैं।

सचिन पायलट समर्थक को NSUI अध्यक्ष बनाने के सियासी मायने

सचिन पायलट के समर्थक विनोद जाखड़ को कांग्रेस के राष्ट्रीय छात्र संगठन का चीफ बनाने को कांग्रेस के अंदरूनी सियासी समीकरणों के लिहाज से अहम माना जा रहा है। पायलट अपने समर्थक नेता को राष्ट्रीय स्तर पर पद दिलाने में कामयाब रहे हैं। इसे उनके समर्थकों के लिए भी मैसेज माना जा रहा है।

ट्रम्प ने दुनियाभर के देशों पर 10' ग्लोबल टैरिफ लगाया

जज देश के लिए कलंक हैं; 3 घंटे पहले सुप्रीम कोर्ट ने टैरिफ रद्द किए थे

भीम प्रज्ञा न्यूज

वॉशिंगटन डीसी । अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के टैरिफ रद्द करने के फैसले के 3 घंटे के अंदर डोनाल्ड ट्रम्प ने दुनियाभर पर 10' ग्लोबल टैरिफ लगाने का ऐलान कर दिया। उन्होंने अपने बयान में कहा कि वह आज एक आदेश पर हस्ताक्षर करेंगे, जिसके तहत 10' का ग्लोबल टैरिफ लगाया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह टैरिफ पहले से लगाए जा रहे बेसलाइन टैरिफ के ऊपर होगा। यानी जो टैरिफ अभी लिया जा रहा है, उसके अलावा यह नया 10' एक्स्ट्रा टैरिफ होगा। इससे पहले शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के ग्लोबल टैरिफ को अवैध बताते हुए रद्द कर दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने 6-3 के बहुमत से फैसला सुनाते हुए कहा कि संविधान के तहत टैक्स और टैरिफ लगाने का अधिकार राष्ट्रपति को नहीं, सिर्फ संसद को है।

मोबाइल टावर को 400 गुना, तो 765 केवी कॉरिडोर को क्यों नहीं? किसानों में रोष

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा

मंडावा विधानसभा क्षेत्र में विधायक रीटा चौधरी द्वारा मोबाइल टावर के लिए जमीन का मुआवजा डीएलसी रेट का 400 गुना देने पर सहमति जताए जाने के बाद अब किसानों ने बिजली लाइन और 765 केवी कॉरिडोर के मुआवजे को लेकर सवाल उठाए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि जहां मोबाइल टावर के लिए भारी मुआवजा तय किया जा रहा है, वहीं बिजली लाइन और बन रहे 765 केवी कॉरिडोर के लिए केवल डीएलसी का 30 प्रतिशत मुआवजा दिया जाना 'ऊंट के मुंह में जीरा' जैसा है। किसानों की मांग है कि जब जमीन का उपयोग बड़े प्रोजेक्ट और हाई वोल्टेज लाइन के लिए हो रहा है तो उसका मुआवजा भी डीएलसी रेट के 400 गुना के हिसाब से दिया जाए, ताकि प्रभावित परिवारों को न्याय मिल सके।

यमुना समझौता लागू करने से लेकर पिलानी की पेयजल समस्या तक, विधानसभा में उठीं जनहित की मांगें

भीम प्रज्ञा न्यूज.पिलानी।

क्षेत्र से जुड़े जनप्रतिनिधियों ने वर्ष 1994 के मूल यमुना समझौते को लागू करने की मांग उठाते हुए कहा कि नए समझौते में कृषि जल को हटाया जाना किसानों के हितों के खिलाफ है, इसलिए या तो मूल समझौता लागू किया जाए अथवा नए समझौते में कृषि जल को शामिल कर प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए। साथ ही कुंड निर्माण की स्वीकृति बिना किसी सीमा के देने, डिग्गी निर्माण पर 90 प्रतिशत अनुदान राशि सभी पात्र किसानों को उपलब्ध कराने तथा इसे सीमित नहीं रखने की मांग रखी गई। निराश्रित गोवंश द्वारा फसलों को हो रहे नुकसान पर चिंता जताते हुए गोशालाओं को पाबंद करने, कम से कम 5 प्रतिशत निराश्रित पशुओं को रखने की अनिवार्यता तय करने और किसानों को मुआवजा देने की व्यवस्था मजबूत करने की बात कही गई। इसके अतिरिक्त कंपनियों के मुनाफे का प्रतिशत फिक्स कर पारदर्शिता सुनिश्चित करने की मांग भी उठाई गई। वहीं पिलानी में लगातार गहराती पेयजल समस्या को क्षेत्र की सबसे बड़ी समस्या बताते हुए स्थायी समाधान की आवश्यकता पर जोर दिया गया।

जिला प्रशासन और क्षेत्रीय खेलकूद प्रशिक्षण केंद्र के संयुक्त तत्वावधान में विशेष पैरा एथलेटिक्स प्रतियोगिता आयोजित

जिला कलेक्टर नम्रता वृष्णि ने किया शुभारंभ

भीम प्रज्ञा न्यूज.बीकानेर।

सोहनलाल परिहार । जिला प्रशासन एवं क्षेत्रीय खेलकूद प्रशिक्षण केंद्र के संयुक्त तत्वावधान में दिव्यांग खिलाड़ियों के उत्साहवर्धन और खेलों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शुक्रवार को विशेष पैरा एथलेटिक्स प्रतियोगिता का आयोजन डॉ. करणी सिंह स्टेडियम में किया गया। जिला कलेक्टर नम्रता वृष्णि ने इसका उद्घाटन किया।इस अवसर पर कोषाधिकारी धीरज जोशी, जिला खेल अधिकारी सुरेंद्र हर्ष , उपजिला शिक्षा अधिकारी (शा. शि.) श्री अनिल बोड़ा, एसएमएस दिव्यांग संस्थान की मंजू गुलगुलिया तथा पैरा ओलंपिक खिलाड़ी श्री श्याम सुंदर स्वामी उपस्थित रहे।

जिला कलेक्टर ने खिलाड़ियों की हौसला अफजाई की और कहा कि यह प्रतियोगिता उनके लिए बड़ा अवसर साबित होगा। उन्होंने सकारात्मक प्रतिस्पर्धा के साथ आगे बढ़ने का आह्वान किया। प्रतियोगिता में कुल 77 दिव्यांग खिलाड़ियों ने भाग लिया।प्रतियोगिता के स्टैंडिंग वर्ग में 6 स्पर्धाएं तथा सिटिंग वर्ग में 4 स्पर्धाएं आयोजित की गईं। इनमें 100 मीटर दौड़, 200 मीटर दौड़, डिस्कस थ्रो, शॉट पुट थ्रो, लंबी कूद एवं जैवलिन थ्रो जैसी स्पर्धाएं शामिल रहीं। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को मैडल प्रदान कर सम्मानित किया गया। पुरस्कार वितरण समारोह में भामाशाह चम्पकमल सुराणा, सीआई सुरेंद्र, अंतरराष्ट्रीय पैरा खिलाड़ी श्री देवेंद्र गहलोत एवं श्री गजानंद शर्मा उपस्थित रहेजिला खेल अधिकारी सुरेंद्र हर्ष ने सभी खिलाड़ियों, अधिकारियों, स्टाफ एवं स्पोर्ट्स काउंसिल के सदस्यों का आभार किया। उन्होंने भविष्य में ऐसे आयोजन निरंतर आयोजित करने की आवश्यकता पर बल दिया। यह प्रतियोगिता दिव्यांग खिलाड़ियों के आत्मविश्वास और खेल भावना को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक सराहनीय पहल सिद्ध हुई। इस दौरान खिलाड़ियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां दी।

यूजीसी बिल के समर्थन में विभिन्न संगठनों ने किया प्रदर्शन- राष्ट्रपति को भेजा ज्ञापन

उच्च शिक्षा में समानता, समावेशन और भेदभाव मुक्त करने वाले यूजीसी बिल के समर्थन का है मामला

भीम प्रज्ञा न्यूज.नारनौल।

विभिन्न संगठनों के तत्वाधान में उच्च शिक्षा में समानता, समावेशन और भेदभाव मुक्त करने वाले यूजीसी बिल के समर्थन के मामले में पूर्व सांसद राजकुमार सैनी की अध्यक्षता में बाबासाहेब डॉ भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा स्थल पर एक बैठक का आयोजन किया गया । बैठक का संचालन समिति के महासचिव एवं कबीर सामाजिक उत्थान संस्था दिल्ली के वाइस चेयरमैन बिरदी चंद गोठवाल द्वारा किया गया। बैठक को संबोधित करते हुए पूर्व सांसद राजकुमार सैनी ने यूजीसी बिल पर विस्तार से प्रकाश डाला और शांति पूर्वक प्रदर्शन करते हुए उपायुक्त कार्यालय पहुंचकर उनकी अनुपस्थिति में सीटीएम डॉ मंगल सेन को ज़ापन की प्रति राष्ट्रपति के नाम सौंपी गई । पूर्व सांसद राजकुमार सैनी ने बताया कि 13 जनवरी, 2026 को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने क्षमता के संवर्धन से संबंधित विनियम 2026 लागू किया । यह नियम भारत के सभी विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों पर लागू होता है और इसका मुख्य उद्देश्य उच्च शिक्षण संस्थानों में जाति आधारित और अन्य प्रकार के भेदभाव को रोकना है, परंतु यह दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि यूजीसी कानून कमेटी को लेकर सवर्ण समाज के कुछ स्वार्थी लोग इस कानून का विरोध कर रहे हैं जो न्याय संगत नहीं है । यह कमेटी एससी ओबीसी समाज के अभ्यर्थियों के लिए नौकरी व प्रमोशन में भेदभाव रोकने के लिए बनाई जा रही है । इसको लेकर सवर्ण समाज के कुछ स्वार्थी लोग मिथ्या प्रचार कर रहे हैं कि इस कमेटी से ओबीसी के लोग और सवर्ण समाज के लोगों के विरुद्ध एससी एक्ट की तरह इस्तेमाल करेंगे, जबकि अभी यूजीसी कमेटी में निजी शिकायतों का कोई प्रावधान ही नहीं है । इसलिए ये लोग यूजीसी कमेटी रद्द करवाने का प्रयास कर रहे हैं, जो न्याय संगत नहीं है । सर्व अनसुचित जाति संघर्ष समिति के प्रधान चन्दन सिंह जलवान व परिवर्तनकारी साहित्य मंच के अध्यक्ष एवं पूर्व प्राचार्य डॉ शिवताज सिंह ने कहा कि हाल ही में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक वर्ग के लिए जो नियम एवं प्रावधान बनाए गए हैं, वह उच्च शिक्षा में समान अवसर प्रतिनिधित्व एवं सामाजिक न्याय को सुनिश्चित करने से संबंधित हैं । ज्ञापन में मांग की गई कि इस कमेटी में समानता व न्याय संगत के आधार पर आधे से ज्यादा एससी, एसटी, ओबीसी, अल्पसंख्यक और दिव्यांग वर्ग के सदस्य शामिल किए जाएं क्योंकि विश्वविद्यालय में सवर्ण वर्ग के लोगों का वर्चस्व और नेटवर्क पहले से ही ज्यादा है तो फिर सामान्य वर्ग के साथ अन्याय कैसे हो सकता है, जबकि इन नियमों का उद्देश्य संस्थानों में भेदभावमुक्त और जवाबदेह शैक्षणिक वातावरण सुनिश्चित करना है । यूजीसी द्वारा बनाए गए शोषित हितैषी इन नियमों को बिना किसी विलंब के पूर्ण रूप से लागू किया जाए और इन नियमों के विरुद्ध फैलाए जा रहे भ्रम और विरोध को अविलंब रोका जाए, सामाजिक न्याय एवं समानता के संवैधानिक संकल्प को और अधिक सुदृढ़ किया जाए तथा सुप्रीम कोर्ट में लंबित याचिका की सही पैरवी करके इन नियमों को तुरंत लागू किया जाए । इस अवसर पर अखिल भारतीय आरक्षण बताओ संघर्ष समिति के उपाध्यक्ष लालाराम नाहर, लोकतंत्र सुरक्षा पार्टी के प्रदेश प्रभारी राजेश आर्य, गुरु रविदास सभा के पूर्व प्रधान बलबीर सिंह बबेरवाल, कुम्हार सभा के राष्ट्रीय संगठन सचिव किशन लाल लुहानीवाल, डॉ भीमराव अंबेडकर स्मारक समिति के पूर्व प्रधान सुंदरलाल जोरासिया, वाल्मीकि सभा के राजेश चांवरिया, कोली सभा के प्रधान तोताराम, धानक समाज के शिवनारायण मोरवाल, जांगिड़ समाज के सुरेश चेयरमैन, मानव समाजसेवा फाउंडेशन के प्रधान जयपाल सिंह, अचीवर्स फाउंडेशन के प्रधान अमर सिंह निम्होरिया, बौद्ध महासभा की उपाध्यक्ष आशा पूनिया, प्रमुख समाजसेविका रोशनी देवी, अंबेडकर सेवा समिति के प्रधान विक्रम मांडैया, बार एसोसिएशन के एडवोकेट भीम सिंह दहिया व गजानंद दोचानिया, रिटायर्ड कर्मचारी संघ के डा. ओमप्रकाश दायमा, बलबीर हुडीना, जिले सिंह, हरिसिंह कलोरिया प्रधान डा भीमराव अम्बेडकर सभा खातौद, हरिसिंह सांवरिया प्रदेश अध्यक्ष डॉ अम्बेडकर राष्ट्रीय एकता मंच, राजेन्द्र सिंह जलवान,सूबे सिंह गोठवाल, हरि सिंह आकोली, जगदीश सागरपुर, रामनिवास लमोरिया, ज्ञानचंद बागोतिया, एम एल ग्रोवर, हरि सिंह बड़कोदिया, रामचंद्र गोठवाल, रामकिशन, बाबूलाल यादव, राजेश सरपंच, रघुवीर, सुगन, सूबेदार सेढ़ाराम, नेहा कुमारी, प्रियंका, शिवानी, प्राची, सोनी, आत्म प्रकाश, चेतराम सैनी , सुभाष कश्यप, रतीभान, ईश्वर सैनी, दिनेश वर्मा, शेर सिंह चौहान थानेदार जोनावास, जगदीश प्रसाद पल्ह, संतलाल खिंची महेंद्रगढ़,डा विजय चोपड़ा, शिम्भुदयाल, इंद्र सिंह, जगराम प्रजापत, मोहनलाल प्रजापत, राम सिंह जोया, बंशीधर बायला, पवन वर्मा, अमरनाथ सिरोहा, हजारीलाल खटावला, हरिराम सिरोहा, शेर सिंह सरपंच, ऋषिराज यादव, सचिव भारत सैनी, सूबे सैनी, बनी सिंह यादव, भगत सिंह, कै. महावीर सिंह, पूर्ण चंद , राम चन्द्र गोठवाल आदि अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहें।

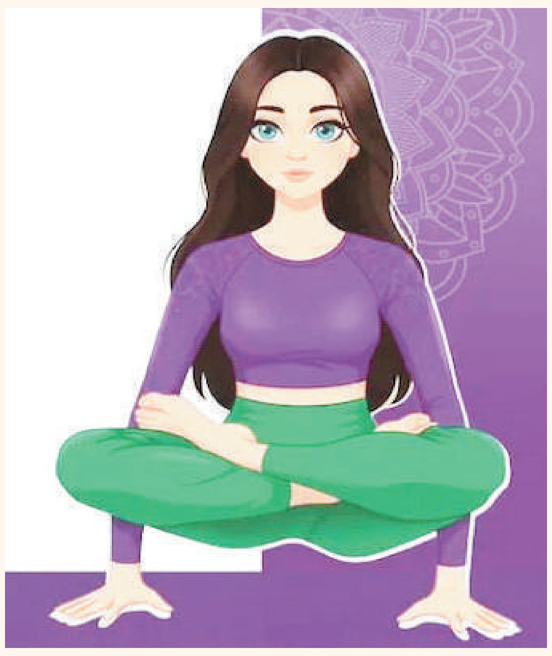

हाथ, कंधे और कोर मसल्स को मजबूत बनाने के लिए करें ये पावरफुल योगासन

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में स्वस्थ रहने का आसान उपाय योगासन में छुपा है. योग न केवल शरीर बल्कि मन को भी संतुलित और स्वस्थ रखता है. इन्हीं में से एक है उत्थित पद्मासन, जिसका रोजाना थोड़ा अभ्यास भी कई स्वास्थ्य लाभ दे सकता है. भारत सरकार के आयुष मंत्रालय ने उत्थित पद्मासन के बारे में विस्तार से जानकारी दी है. मंत्रालय के अनुसार, योग अनुशासन और शारीरिक-मानसिक सामर्थ्य का श्रेष्ठ मार्ग है. उत्थित पद्मासन का नियमित अभ्यास शरीर का संतुलन बेहतर करता है, एकाग्रता बढ़ाता है और आंतरिक ऊर्जा को जागृत करता है.

क्या है उत्थित पद्मासन?

यह आसन पद्मासन की स्थिति में हाथों के बल पूरे शरीर को जमीन से ऊपर उठाने वाली एक शक्तिशाली योग मुद्रा है. यह हाथों, कंधों, कोर और शरीर की समग्र ताकत को बढ़ाता है.

उत्थित पद्मासन करने की विधि

सबसे पहले पद्मासन में बैठें.

एक पैर दूसरी जांघ पर और दूसरा पैर पहली जांघ पर रखें.

दोनों हाथों को शरीर के पास जमीन पर रखें, हथेलियां नीचे की ओर.

गहरी सांस लेकर हाथों पर पूरा भार डालें और शरीर को धीरे-धीरे ऊपर उठाएं.

गर्दन और सिर सीधा रखें, नजर सामने या थोड़ा नीचे की ओर.

जितना संभव हो उतने समय तक मुद्रा में बने रहें और सांस सामान्य रखें.

धीरे-धीरे वापस सामान्य स्थिति में आ जाएं.

उत्थित पद्मासन करने से शरीर को क्या फायदे मिलते हैं?

1. मांसपेशियों को मजबूती

यह हाथों, कलाइयों, कंधों और कोर मसल्स को बेहद मजबूत बनाता है.

पेट की मांसपेशियां टोन होती हैं, जिससे पाचन प्रक्रिया बेहतर होती है और कब्ज से राहत मिलती है.

2. मानसिक स्वास्थ्य पर सकारात्मक प्रभाव

संतुलन की क्षमता बढ़ती है.

दिमाग में एकाग्रता आती है और तनाव कम होता है.

3. रक्त संचार व ऊर्जा प्रवाह में सुधार

नियमित अभ्यास से छाती, कंधों और हाथों में रक्त संचार बेहतर होता है.

मेटाबॉलिज्म तेज होता है और शरीर में प्राण ऊर्जा का प्रवाह सुचारू रहता है.

4. छात्रों के लिए लाभकारी

लगातार अभ्यास से एकाग्रता बढ़ती है, जो पढ़ाई में विशेष रूप से सहायक है.

उत्थित पद्मासन से जुड़ी सावधानियां

घुटने, कूल्हे या कलाई में दर्द या चोट होने पर आसन करने से पहले डॉक्टर या योग गुरु से सलाह लें.

रात में पैरों में खुजली क्यों होने लगती है?

नारी डेस्क : कई लोगों को यह समस्या होती है कि दिनभर सब ठीक रहता है, लेकिन जैसे ही रात होती है, पैरों में तेज खुजली शुरू हो जाती है। कभी-कभी खुजली इतनी ज्यादा बढ़ जाती है कि नींद तक उड़ जाती है। तेल लगाने, दवा लगाने के बाद भी आराम नहीं मिलता और शरीर में बेचैनी बनी रहती है। ऐसे में लोगों के मन में सवाल आता है कि आखिर रात में ही पैरों में खुजली क्यों बढ़ जाती है? एक्सपर्ट्स के अनुसार, इसके पीछे सिर्फ एक नहीं बल्कि कई कारण हो सकते हैं। यह व्यक्ति की स्किन, लाइफस्टाइल और सेहत पर भी निर्भर करता है।

रात में पैरों में खुजली बढ़ने के मुख्य कारण

स्किन का ड्राई होना

रात के समय शरीर का तापमान थोड़ा बढ़ जाता है। इससे स्किन रूखी (ड्राई) हो सकती है। जब स्किन में नमी कम हो जाती है, तो खुजली की समस्या बढ़ने लगती है।

ब्लड सर्कुलेशन का बढ़ना

रात में आराम की स्थिति में पैरों की ओर ब्लड फ्लो बढ़ जाता है। इससे नसें ज्यादा एक्टिव हो जाती हैं और खुजली महसूस हो सकती है।

फंगल इंफेक्शन

अगर पैरों में लालपन, छाले, जलन या स्किन छिलने जैसी परेशानी है, तो यह फंगल इंफेक्शन का संकेत हो सकता है। फंगल इंफेक्शन में रात के समय खुजली ज्यादा बढ़ जाती है।

दिनभर जूते-मोजे पहनना

पूरा दिन टाइट जूते, सिंथेटिक मोजे पहनने से पैरों में पसीना और नमी जमा हो जाती है। इससे स्किन इरिटेट होती है और रात में खुजली बढ़ सकती है।

साबुन या डिटर्जेंट से एलर्जी

कभी-कभी नया साबुन, डिटर्जेंट या केमिकल युक्त प्रोडक्ट भी स्किन में एलर्जी पैदा कर सकते हैं, जिससे रात में खुजली की समस्या होती है।

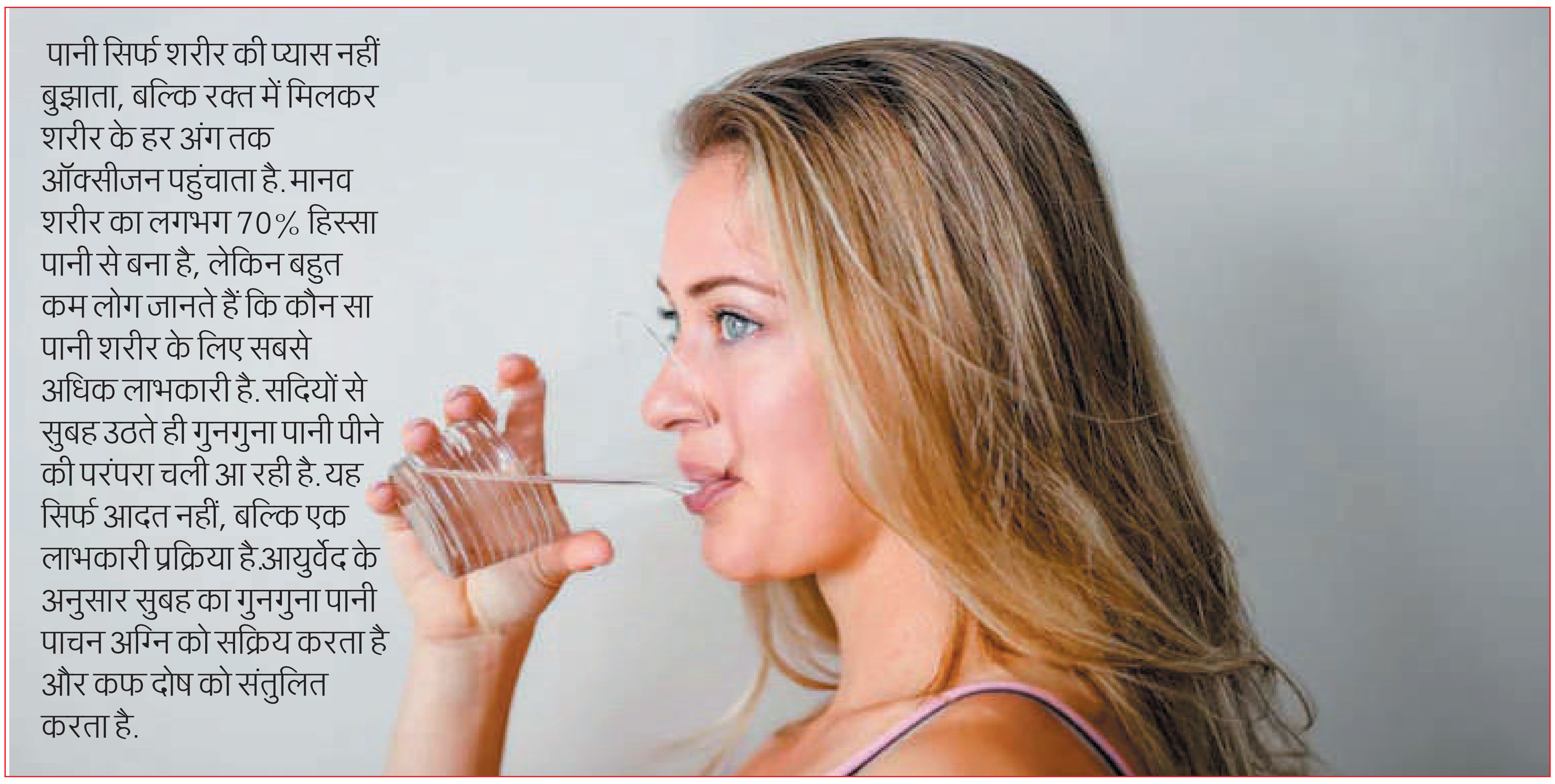

पानी सिर्फ शरीर की प्यास नहीं बुझाता, बल्कि रक्त में मिलकर शरीर के हर अंग तक ऑक्सीजन पहुंचाता है. मानव शरीर का लगभग 70% हिस्सा पानी से बना है, लेकिन बहुत कम लोग जानते हैं कि कौन सा पानी शरीर के लिए सबसे अधिक लाभकारी है. सदियों से सुबह उठते ही गुनगुना पानी पीने की परंपरा चली आ रही है. यह सिर्फ आदत नहीं, बल्कि एक लाभकारी प्रक्रिया है.आयुर्वेद के अनुसार सुबह का गुनगुना पानी पाचन अग्नि को सक्रिय करता है और कफ दोष को संतुलित करता है.

क्या पूरे दिन गुनगुना पानी पीना सही है?

सवाल यह है कि क्या हर मौसम में और पूरे दिन गुनगुना पानी पीना सही है? आयुर्वेद मानता है कि हां, आप पूरे दिन गुनगुना पानी पी सकते हैं, लेकिन सही समय और स्थिति का ध्यान रखना जरूरी है.

गुनगुना पानी कब पिएं?

सुबह खाली पेट- यह पाचन को तेज कर शरीर को ऊर्जावान बनाता है.

भोजन से 30 मिनट पहले- यह पाचन शक्ति को बेहतर बनाकर वजन नियंत्रित करने में मदद करता है.

भोजन के 1 घंटे बाद- यह भोजन को बेहतर तरीके से पचाने में सहायक है.

आयुर्वेद के अनुसार इन स्थितियों में सावधानी रखें :

1. ज्यादा प्यास या डिहाइड्रेशन में

ऐसी स्थिति में गुनगुना पानी डिहाइड्रेशन को और बढ़ा सकता है.

2. अत्यधिक गर्मी के मौसम में

गर्म या गुनगुना पानी शरीर में अतिरिक्त गर्मी पैदा कर बेचैनी बढ़ा सकता है.

3. पित्त की समस्या या पेट में जलन होने पर

गर्मियों में पित्त बढ़ने पर गुनगुना पानी जलन को और बढ़ा सकता है.

पाचन तंत्र को पहुंचाता है फायदा फाइबर से भरपूर हरा चना, अपच और कब्ज से दिलाता है राहत

आज की तेज रफ्तार जिंदगी में सबसे ज्यादा असर हमारे पाचन तंत्र पर पड़ता है. गलत समय पर खाना, तला-भुना भोजन, फाइबर की कमी और तनाव की वजह से गैस, अपच, कब्ज और पेट भारी होने जैसी समस्याएं आम हो गई हैं. इसका समाधान हमारी रसोई में ही मौजूद है. हरा चना पाचन के लिए बेहद लाभकारी है. आयुर्वेद के अनुसार, हरा चना त्रिदोष संतुलन में सहायक माना जाता है. खासतौर पर यह पित्त और कफ दोष को नियंत्रित करने में मदद करता है.

यह पेट में जमी अतिरिक्त नमी और चिपचिपेपन को कम करता है. यही कारण है कि हरा चना खाने से पेट साफ रहता है और आंतों की गतिविधि बेहतर होती है.आयुर्वेद मानता है कि हरा चना अग्नि यानी पाचन शक्ति को धीरे-धीरे मजबूत करता है, जिससे भोजन सही तरह से पचता है और शरीर को पूरा पोषण मिलता है.

वैज्ञानिक ने इसे माना फाइबर का खजाना

वैज्ञानिकों की मानें तो हरा चना डाइटरी फाइबर का बेहतरीन स्रोत है. फाइबर पाचन प्रक्रिया के लिए बेहद अहम है. यह आंतों में भोजन को आगे बढ़ाने में मदद करता है और मल को नरम बनाता है, जिससे कब्ज की समस्या दूर रहती है. हरे चने में मौजूद घुलनशील और अघुलनशील दोनों तरह के फाइबर पाचन को दुरुस्त रखते हैं और गैस व सूजन जैसी परेशानियों को कम करते हैं.

वजन घटाने में करता है मदद

हरा चना धीरे-धीरे पचने वाला भोजन है, इसलिए यह पेट को लंबे समय तक भरा हुआ महसूस कराता है. इससे बार-बार भूख नहीं लगती और ओवरईटिंग से बचाव होता है. यही वजह है कि वजन नियंत्रित रखने वालों के लिए हरा चना फायदेमंद है.

पाचन तंत्र को पहुंचाता है फायदा फाइबर से भरपूर हरा चना, अपच और कब्ज से दिलाता है राहत हारा चना खाने के फायदे : गलत समय पर खाना, तला-भुना भोजन, फाइबर की कमी और तनाव की वजह से गैस, अपच, कब्ज और पेट भारी होने जैसी समस्याएं आम हो गई हैं. इन समस्याओं को दूर करने में हरा चना बेहद फायदेमंद माना जाता है.

आज की तेज रफ्तार जिंदगी में सबसे ज्यादा असर हमारे पाचन तंत्र पर पड़ता है. गलत समय पर खाना, तला-भुना भोजन, फाइबर की कमी और तनाव की वजह से गैस, अपच, कब्ज और पेट भारी होने जैसी समस्याएं आम हो गई हैं. इसका समाधान हमारी रसोई में ही मौजूद है. हरा चना पाचन के लिए बेहद लाभकारी है. आयुर्वेद के अनुसार, हरा चना त्रिदोष संतुलन में सहायक माना जाता है. खासतौर पर यह पित्त और कफ दोष को नियंत्रित करने में मदद करता है.

यह पेट में जमी अतिरिक्त नमी और चिपचिपेपन को कम करता है. यही कारण है कि हरा चनाखाने से पेट साफ रहता है और आंतों की गतिविधि बेहतर होती है.आयुर्वेद मानता है कि हरा चना अग्नि यानी पाचन शक्ति को धीरे-धीरे मजबूत करता है, जिससे भोजन सही तरह से पचता है और शरीर को पूरा पोषण मिलता है.

वैज्ञानिक ने इसे माना फाइबर का खजाना

वैज्ञानिकों की मानें तो हरा चना डाइटरी फाइबर का बेहतरीन स्रोत है. फाइबर पाचन प्रक्रिया के लिए बेहद अहम है. यह आंतों में भोजन को आगे बढ़ाने में मदद करता है और मल को नरम बनाता है, जिससे कब्ज की समस्या दूर रहती है. हरे चने में मौजूद घुलनशील और अघुलनशील दोनों तरह के फाइबर पाचन को दुरुस्त रखते हैं और गैस व सूजन जैसी परेशानियों को कम करते हैं.

वजन घटाने में करता है मदद

हरा चना धीरे-धीरे पचने वाला भोजन है, इसलिए यह पेट को लंबे समय तक भरा हुआ महसूस कराता है. इससे बार-बार भूख नहीं लगती और ओवरईटिंग से बचाव होता है. यही वजह है कि वजन नियंत्रित रखने वालों के लिए हरा चना फायदेमंद है.

ब्लड शुगर और मेटाबॉलिज्म पर करता है असर

वैज्ञानिक शोध बताते हैं कि फाइबर और प्रोटीन से भरपूर भोजन इंसुलिन के स्तर को संतुलित रखने में मदद करता है. इससे पाचन के साथ-साथ ब्लड शुगर कंट्रोल में भी सहायता मिलती है.

पोषक तत्वों से होता है भरपूर

हरे चने में आयरन, मैग्नीशियम , पोटैशियम , विटामिन बी-कॉम्प्लेक्स और एंटीऑक्सीडेंट्स पाए जाते हैं. ये तत्व आंतों की अंदरूनी परत को मजबूत बनाते हैं और सूजन को कम करते हैं. जिन लोगों को अक्सर एसिडिटी या जलन की शिकायत रहती है, उनके लिए हरा चना पेट को ठंडक देने वाला हो सकता है.

हरा चना कई दूसरी समस्याओं में भी राहत देता है. इसमें मौजूद प्रोटीन मांसपेशियों को ताकत देता है और कमजोरी को दूर करता है. आयरन (द्बह्म्श्व्) की अच्छी मात्रा खून की कमी में सहायक होती है. फाइबर और एंटीऑक्सीडेंट्स दिल की सेहत के लिए लाभकारी माने जाते हैं और कोलेस्ट्रॉल को नियंत्रित करने में मदद करते हैं. इसके अलावा, हरा चना शरीर की रोग-प्रतिरोधक क्षमता को भी मजबूत बनाता है.

कैसे करें सेवन?

हरे चने को सब्जी, सूप, सलाद, पुलाव या हल्के स्नैक के रूप में खाया जा सकता है.

तन ही नहीं, मन के लिए भी आराम है जरूरी!

यूनानी सिद्धांतों में 'हरकत-ओ-सुकून नफसानी' यानी मानसिक गतिविधि और मानसिक विश्राम को स्वस्थ जीवन का अहम आधार माना गया है. जिस तरह हमारा शरीर लगातार काम करता रहे और उसे आराम न मिले तो वह थककर बीमार पड़ जाता है, ठीक उसी तरह हमारा मन भी अगर लगातार तनाव, चिंता , डर या गुस्से में उलझा रहे तो उसका संतुलन बिगड़ जाता है. यूनानी चिकित्सा सिद्धांतों के अनुसार, हमारे भीतर एक जीवन शक्ति होती है जिसे रूह कहा जाता है. यही रूह हमारे मानसिक और शारीरिक संतुलन को बनाए रखने में अहम भूमिका निभाती है. जब हमारी भावनाएं संतुलित रहती हैं, सोच सकारात्मक होती है और हम जरूरत के मुताबिक मानसिक आराम लेते हैं, तो रूह भी संतुलन में रहती है और सेहत बेहतर बनी रहती है.

भागदौड़ भरी जिंदगी में मानसिक थकान का बढ़ता खतरा

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में हम अक्सर शरीर की थकान को तो समझ लेते हैं, लेकिन मन की थकान को नजरअंदाज कर देते हैं. देर रात तक काम करना, मोबाइल और स्क्रीन पर लगातार समय बिताना, हर समय किसी न किसी चिंता में डूबे रहना या भविष्य की फिक्र में घुले रहना, ये सब मानसिक बोझ को बढ़ाते हैं.

मानसिक गतिविधि और विश्राम में संतुलन आवश्यक

यूनानी चिकित्सा कहती है कि मानसिक गतिविधि जरूरी है, क्योंकि सोच-विचार, सीखना और काम करना, ये सब जीवन का हिस्सा हैं. लेकिन हर चीज की तरह इसमें भी संतुलन होना चाहिए. अगर हरकत ज्यादा होगी और सुकून कम, तो बेचैनी, चिड़चिड़ापन, अनिद्रा और मानसिक थकान जैसी समस्याएं शुरू हो सकती हैं. वहीं, अगर व्यक्ति बिल्कुल निष्क्रिय हो जाए और कोई मानसिक गतिविधि न करे, तो भी उदासी और सुस्ती बढ़ सकती है. इसलिए संतुलन ही असली कुंजी है.

मन को सुकून देने वाले छोटे-

छोटे कदम

मानसिक सुकून पाने के लिए बहुत बड़े बदलाव की जरूरत नहीं होती. दिन में थोड़ा समय खुद के लिए निकालना, गहरी सांस लेना, प्रकृति के बीच कुछ पल बिताना, नमाज, ध्यान या प्रार्थना करना और सकारात्मक लोगों के साथ समय बिताना, ये छोटे-छोटे कदम मन को राहत देते हैं. साथ ही, अपनी सीमाओं को समझना भी जरूरी है. हर काम अपने ऊपर ले लेना और हर समय परफेक्ट बनने की कोशिश करना भी मानसिक दबाव बढ़ाता है.

यूनानी सिद्धांत हमें सिखाता है कि संयम अपनाएं, सकारात्मक सोच रखें और जरूरत पड़ने पर मन को विश्राम दें. जब मन शांत और संतुलित रहता है, तो उसका असर पूरे शरीर पर दिखाई देता है.

विधानसभा में गूंजा किसानों का मुद्दा, केवल चर्चा नहीं ठोस कार्यवाही की मांग

भीम प्रज्ञा न्यूज.सूरजगढ़।

सूरजगढ़ विधायक श्रवण कुमार ने राजस्थान विधानसभा में किसानों से जुड़ी विभिन्न समस्याओं और मांगों को जोरदार तरीके से उठाया। उन्होंने कहा कि किसानों के हितों पर केवल चर्चा करने से काम नहीं चलेगा, बल्कि उनके उत्थान के लिए ठोस योजनाओं और प्रभावी क्रियान्वयन की आवश्यकता है। विधायक ने कृषि ऋण, सिंचाई व्यवस्था, फसल बीमा, समर्थन मूल्य और बिजली आपूर्ति जैसी प्रमुख समस्याओं पर सरकार का ध्यान आकर्षित करते हुए मांग की कि किसानों को राहत और मजबूती देने के लिए व्यावहारिक कदम उठाए जाएं, ताकि अन्नदाता को वास्तविक लाभ मिल सके।

लोहिया स्कूल के विद्यार्थियों ने जीते गोल्ड मेडल

भीम प्रज्ञा न्यूज.चिड़ावा।

आई आई टी बॉम्बे सौजन्य से आयोजित इंटरनेशनल जनरल नॉलेज ओलंपियाड परीक्षा में लोहिया पब्लिक स्कूल, चिड़ावा के विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विद्यालय को गोर्बान्वित किया। कक्षा 1 से 5 तक के कुल 65 विद्यार्थियों ने इस प्रतिष्ठित परीक्षा में भाग लिया, जिनमें से 49 विद्यार्थियों ने गोल्ड मेडल तथा 15 विद्यार्थियों ने गोल्ड मेडल ऑफ एक्सीलेंस प्राप्त कर

उत्कृष्ट सफलता अर्जित की। तनु ,अमायरा ,अजय, जयंत, मुस्तफा, यमन, दिव्यांशी, अवनी, अयान्शी, मिस्टी ,भावी, तन्मय, प्रांजल, अंशु, जीविका, अनुष्का, पार्थ ,अयान, हरीश, मयंक , हिमांशी, दिव्या, आराध्या, मिटोन्श, सुशील, नक्श, मोहित इन परीक्षार्थियों ने 19 000 रुपए के गिफ्ट चेक प्राप्त करके अपनी प्रतिभा का परिचय दिया।निदेशक रामसिंह नेहरा,जगपाल यादव,अभय सिंह बडेसरा,सचिव प्रदीप नेहरा ,चेयरपर्सन ममता नेहरा प्रधानाचार्य प्रमिला झाझरिया,पूर्णमल गजराज ने सभी मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। प्रधानाचार्या प्रमोदिनी दुबे ने कहा कि विद्यार्थियों की यह उपलब्धि उनकी मेहनत, अभिभावकों के सहयोग एवं शिक्षकों के मार्गदर्शन का परिणाम है। ओलंपियाड परीक्षा प्रभारी नीतूका के सहयोग से यह कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस अवसर पर विद्यालय के सभी विद्यार्थी एवं शिक्षक मौजूद थे।विद्यालय परिवार ने सभी विजेताओं को हार्दिक बधाई देते हुए भविष्य में और भी ऊँचाइयाँ छूने की शुभकामनाएँ दीं।

चिड़ावा थाने में गूँजी सामाजिक न्याय की गूंज: पुलिस और न्यायपालिका ने मिलाया हाथ

भीम प्रज्ञा न्यूज.चिड़ावा।

विश्व सामाजिक न्याय दिवस के अवसर पर शुक्रवार को चिड़ावा थाने में एक अनूठी संगोष्ठी का आयोजन किया गया। तालुका विधिक सेवा समिति द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में पहली बार विधिक जागरूकता को सीधे पुलिस प्रशासन के साथ जोड़कर चर्चा की गई। एसीजेएम मोहनलाल बेदी की प्रेरणा और थानाधिकारी आशाराम गुर्जर की अध्यक्षता में आयोजित इस सत्र का मुख्य उद्देश्य सामाजिक समानता को सुरक्षा व्यवस्था का अभिन्न हिस्सा बनाना था। मुख्य अतिथि मोहनलाल बेदी ने संविधान प्रदत्त अधिकारों और नागरिक कर्तव्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि न्याय व्यवस्था तभी सफल है जब वह समाज के अंतिम व्यक्ति तक सुलभ हो। बार अध्यक्ष विजय गोरावा और अधिवक्ता अभिषेक महमिया ने स्पष्ट किया कि आमतौर पर शिक्षण संस्थानों में होने वाले इन आयोजनों को इस बार थाने में इसलिए रखा गया ताकि पुलिस और जनता के बीच न्याय की अवधारणा और अधिक सुदृढ़ हो सके। अधिवक्ता लोकेश शर्मा ने कमजोर वर्गों के अधिकारों की रक्षा पर जोर दिया। कार्यक्रम में एसआई कैलाश चन्द्र, एएसआई ओमप्रकाश नरूका सहित समस्त थाना स्टाफ और अनेक अधिवक्ताओं ने सामाजिक न्याय के संकल्प को जन-जन तक पहुँचाने की शपथ ली।

चौपाल में कलेक्टर डॉ. अरुण गर्ग ने सुनी ग्रामीणों की समस्याएं, मौके पर दिए समाधान के निर्देश

भीम प्रज्ञा न्यूज.झुंझुनूं।

ग्राम पंचायत घोड़ीवारा में शुक्रवार को आयोजित रात्रि चौपाल में जिला कलेक्टर डॉ अरुण गर्ग ने ग्रामीणों की जनसुनवाई करते हुए विभिन्न समस्याओं के त्वरित समाधान के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। चौपाल में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लेकर पेयजल, सड़क, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, चिकित्सा सुविधाओं एवं अन्य स्थानीय मुद्दों को उठाया। कलेक्टर डॉ. गर्ग ने प्रत्येक परिवाद को गंभीरता से सुनते हुए अधिकारियों को मौके पर ही आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रशासन का उद्देश्य ग्रामीणों की समस्याओं का त्वरित एवं पारदर्शी समाधान करना है, ताकि आमजन को राहत मिल सकें। इस अवसर पर जिला परिषद के एसीईओ रामनिवास, जलदाय विभाग के एसई राजपाल सिंह, आयुर्वेद विभाग के उपनिदेशक डॉ. जितेंद्र स्वामी, रोडवेज मुख्य प्रबंधक गिरीराज स्वामी, सीडीईओ अशोक शर्मा, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के उपनिदेशक डॉ. पवन पूनिया तथा जिला जनसंपर्क अधिकारी हिमांशु सिंह सहित विभिन्न जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने विभागीय योजनाओं की जानकारी देते हुए पात्र व्यक्तियों को लाभान्वित करने का आश्वासन भी दिया।

शहर के मुख्य मार्गों से निकली मातृ शक्ति शौर्य वाहन रैली, आज होगा विराट हिन्दू सम्मेलन

(शेखावाटी के पूज्य संतों का मिलेगा सानिध्य)

भव्य कलश यात्रा से होगा कार्यक्रम का आगाज

भीम प्रज्ञा न्यूज.नवलगढ़।

कमल किशोर पंवार । नवलगढ़ में पहली बार हुई मातृशक्ति शौर्य वाहन रैली का शुभारंभ शुक्रवार को घेर का मंदिर से हुआ ।रैली मुख्य मार्गों से होती हुई सूर्यमंडल रामलीला मैदान में पहुंची जहां पर हिंदू सम्मेलन कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर चर्चा हुई। रैली में सैकड़ों की संख्या में मातृशक्ति ने दुपहिया वाहनों पर सवार होकर भाग लिया। रैली की व्यवस्थाओं में सहयोग करने वाले कार्यकर्ताओं में समिति के अध्यक्ष शिवरतन मुरारका,संयोजक रामकुमार सिंह राठौड़, सह संयोजक राममोहन सेकसरिया, नगर कार्यवाह कमल किशोर पंवार,श्रीकांत मुरारका,विश्वनाथ जोशी, दीनानाथ रूंथला, रामस्वरूप घुघरवाल, मोहनलाल चूड़ीवाल, हरिराम सैनी, पवन शर्मा, श्याम सुंदर सेकसरीया, अजय चिरानिया, सूर्यप्रकाश पीपलवा, अशोक शर्मा, शंकर गुर्जर, पंकज सैनी,खंड प्रचारक अभिषेक कुमार यश मिश्रा सहित काफी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद थे। सर्व हिंदू समाज की आज दोपहर सवा दो बजे से सूर्यमण्डल में विराट हिन्दू सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में धर्म सभा, संत प्रवचन एवं प्रसिद्ध भजन सम्राट प्रकाश माली द्वारा देशभक्ति गीत होंगे। आयोजन समिति के अध्यक्ष शिवरतन मुरारका ने बताया कि कार्यक्रम में महंत दिनेश गिरी महाराज, महंत योगी चेतननाथ महाराज, महंत योगी जीतनाथ महाराज, महंत ओमनाथ महाराज, अवधेशाचार्य महाराज, योगी मोहननाथ महाराज, महंत महावीर जती महाराज, साध्वी डॉ योगश्रीनाथ महाराज सहित शेखावाटी के अनेक साधु संत पधारेंगे। इस अवसर पर समाज में विशिष्ट कार्य करने वाले लोगों को सम्मानित किया जाएगा। कार्यक्रम का संचालन प्रसिद्ध हास्य कवि हरीश हिंदुस्तानी करेंगे।आज होने वाली भव्य कलश यात्रा ठीक सवा 1 बजे गणेश मंदिर, गायत्री मंदिर व महर्षि मंगलदत्त स्मारक भवन से कलश यात्रा व शोभायात्रा शुरू होगी। जिनका त्रिवेणी संगम होकर सूर्य मण्डल पहुंचेगी। कलश यात्रा सम्पन्न होने के पश्चात लक्की ड्रा निकाला जाएगा।आयोजन समिति के संयोजक रामकुमार राठौड़ ने बताया कि कार्यक्रम की तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं और सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई है। बस्ती बस्ती में युवा कार्यकर्ताओं की टोली लगी हुई है। हिन्दू सम्मेलन को लेकर पूरे नगर में उत्साह का वातावरण बना हुआ है।

मृत कर्मचारी के वारिसों से 10 लाख की वसूली का आदेश निरस्त

दादिया सहकारी समिति के व्यवस्थापक का था मामला

राजस्थान उच्च न्यायालय के अधिवक्ता प्रमोद सैनी पौंख ने की पैरवी

भीम प्रज्ञा न्यूज.जयपुर।

सुमेर मीणा । रजिस्ट्रार, सहकारी समितियां, राजस्थान, जयपुर द्वारा पारित एक महत्वपूर्ण निर्णय में मृत कर्मचारी के वारिसों से लगभग 10 लाख तीन हजार नौ सौ पैंतालीस रूपए की वसूली का आदेश निरस्त कर दिया गया।मामला दादिया ग्राम सेवा सहकारी समिति से संबंधित था, जिसमें स्वर्गीय श्री बजरंग लाल शर्मा, पूर्व व्यवस्थापक, के विरुद्ध वर्ष 2014-15 एवं 2015-16 की ऑडिट रिपोर्ट के आधार पर कथित अनियमितताओं को लेकर वसूली आदेश पारित किया गया था। जबकि तथ्य यह था कि स्व. शर्मा वर्ष 2006 में सेवानिवृत्त हो चुके थे तथा उनका निधन 11 जून 2016 को हो चुका था। अपीलार्थी की ओर से राजस्थान उच्च न्यायालय के अधिवक्ता प्रमोद सैनी पौंख ने प्रभावी पैरवी करते हुए तर्क प्रस्तुत किया कि किसी मृत व्यक्ति के कथित कृत्यों के लिए उसके वारिसों को उत्तरदायी नहीं ठहराया जा सकता, विशेषकर जब उनके विरुद्ध कोई प्रत्यक्ष प्रमाण उपलब्ध न हो। मृत व्यक्ति के व्यक्तिगत दायित्व को उसके उत्तराधिकारियों पर थोपना विधि सिद्धांतों के विपरीत है। प्राधिकारी ने अभिलेखों, ऑडिट रिपोर्ट एवं पक्षकारों की दलीलों पर विचार करते हुए पूर्व में पारित वसूली आदेश को निरस्त कर दिया। यह निर्णय सहकारी संस्थाओं से जुड़े मामलों में एक महत्वपूर्ण विधिक सिद्धांत को पुष्ट करता है कि मृत कर्मचारी के वारिसों से बिना स्पष्ट विधिक आधार के वित्तीय वसूली नहीं की जा सकती। पूनिया तथा जिला जनसंपर्क अधिकारी हिमांशु सिंह सहित विभिन्न जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने विभागीय योजनाओं की जानकारी देते हुए पात्र व्यक्तियों को लाभान्वित करने का आश्वासन भी दिया।

राजस्थान पीजी कॉलेज चिड़ावा की आकांक्षा पूनिया ने जीते दो गोल्ड मेडल, अब नेशनल थ्रोज़ में दिखाएंगी दम

भीम प्रज्ञा न्यूज.चिड़ावा।

राजस्थान पीजी कॉलेज चिड़ावा की बीए सेमेस्टर 5वीं की छात्रा आकांक्षा पूनिया ने श्रीगंगानगर में 19-20 फरवरी को आयोजित राज्य स्तरीय ओपन थ्रोज़ प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए डिस्कस थ्रो और शॉट पुट दोनों स्पर्धाओं में स्वर्ण पदक जीतकर क्षेत्र का नाम रोशन किया। कड़े मुकाबले के बीच आकांक्षा ने संतुलित तकनीक, मजबूत फिटनेस और आत्मविश्वास के साथ खेलते हुए दो गोल्ड मेडल अपने नाम किए तथा नेशनल थ्रोज़ प्रतियोगिता के लिए क्वालीफाई किया। उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर उनका चयन 7-8 मार्च को पटियाला में आयोजित राष्ट्रीय थ्रोज़ प्रतियोगिता के लिए हुआ है। कॉलेज पहुंचने पर चेयरपर्सन नितिका थालौर के नेतृत्व में उनका माल्यार्पण कर व केक काटकर स्वागत किया गया। निदेशक श्रीराम थालौर ने इसे कॉलेज व प्रदेश के लिए गौरव बताया, वहीं संस्था सचिव संजय थालौर, प्रबंध निदेशक गोपीचंद जांगिड़, प्राचार्य डॉ. सुभाष बोला सहित शिक्षकों ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। आकांक्षा की इस उपलब्धि से चिड़ावा, सूरजगढ़ एवं आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में खेलों के प्रति नया उत्साह देखने को मिल रहा है और अब राष्ट्रीय प्रतियोगिता में उनके प्रदर्शन पर सबकी निगाहें टिकी हैं।

घायल मोर का रेस्क्यू: वन विभाग को सौंपा गया, उपचार के बाद मिली राहत

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना।

रमेशचंद । मुंडावर उपखंड के गांव सरूप सराय (करणीकोट) में शुक्रवार को एक दर्दनाक घटना घटी, जहां श्वानों ने एक मोर को घायल कर दिया। गाँव के युवा मनोज पुरोहित ने तुरंत कार्रवाई करते हुए राष्ट्रीय पक्षी मोर को सरपंच कैलाश चंद शर्मा के निवास पर लेकर आए और वहां सरकारी पशु चिकित्सक से उपचार कराया। मोर को इलाज के बाद आराम मिला, जिसके बाद सरपंच करणीकोट कैलाश शर्मा ने वन विभाग की टीम को सूचित किया। टीम मौके पर पहुंचकर राष्ट्रीय पक्षी मोर का रेस्क्यू किया और उसे अपने कब्जे में ले लिया। इस पुनीत कार्य में जतिन तिवाड़ी, संदीप गुरु, कैलाश चंद शर्मा सरपंच, और मनोज पुरोहित राजस्थान बेरोजगार यूनियन जिला प्रभारी खैरथल तिजारा मौजूद रहे। इस घटना के बाद मोर की देखभाल और सुरक्षा के लिए वन विभाग की टीम ने आवश्यक कदम उठाए हैं। स्थानीय लोगों ने भी इस पुनीत कार्य में सहयोग किया और मोर की सुरक्षा के लिए अपनी जिम्मेदारी निभाई।

तालुका विधिक समिति ने विश्व सामाजिक न्याय दिवस पर आयोजित किया विधिक सेवा शिविर

न्यायिक मजिस्ट्रेट लक्ष्मणगढ़ सुश्री शर्मा ने छात्राओं को अधिकारों के प्रति किया जागरूक

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

विश्व सामाजिक न्याय दिवस पर शुक्रवार को शेखावाटी महिला शिक्षण प्रशिक्षण महाविद्यालय में तालुका विधिक सेवा समिति की ओर से विधिक जागरूकता शिविर आयोजित किया गया। न्यायिक मजिस्ट्रेट लक्ष्मणगढ़ सुश्री अंशुल शर्मा ने विधिक जागरूकता शिविर में छात्राओं को नालसा की विभिन्न योजनाओं की जानकारी देते हुए कानूनी रूप से सभी को सम्मानजनक जीवन जीने के लिए उनके अधिकारों के प्रति सजग किया।पैनल अधिवक्ता बाबूलाल ढाका ने राष्ट्रीय लोक अदालत की महता बताते हुए त्वरित न्याय की जानकारी दी।इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य ने सभी का आभार व्यक्त किया।

'मातृभाषा में विचारों की अभिव्यक्ति सर्वाधिक सहज, स्पष्ट व प्रभावशाली'

राजस्थानी भाषा अकादमी तथा राजकीय मंडल पुस्तकालय द्वारा 'मायड़ भासा री महिमा' व्याख्यान आयोजित

भीम प्रज्ञा न्यूज.बीकानेर।

सोहनलाल परिहार । विश्व मातृभाषा दिवस की पूर्व संध्या पर राजस्थानी भाषा, साहित्य एवं संस्कृति अकादमी तथा राजकीय सार्वजनिक मंडल पुस्तकालय के संयुक्त तत्त्वावधान में शुक्रवार को पुस्तकालय सभागार में 'मायड़ भासा री महिमा' विषयक व्याख्यान कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर उपस्थित युवाओं को मायड़ भाषा का महत्त्व बताते हुए राजस्थानी लिखने-बोलने हेतु प्रेरित-प्रोत्साहित किया गया। मुख्य वक्ता के रूप में श्री नेहरू शारदापीठ महाविद्यालय के राजस्थानी विभागाध्यक्ष डॉ. गौरीशंकर प्रजापत ने कहा कि मातृभाषा में विचारों की अभिव्यक्ति सर्वाधिक सहज, स्पष्ट व प्रभावशाली होती है। नई शिक्षा नीति के तहत बच्चों को प्राथमिक शिक्षा उनकी मातृभाषा या स्थानीय भाषा में देने से वे बेहतर रूप से समझ सकेंगे तथा सीखने में उनकी रुचि बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि राजस्थानी का साहित्य भंडार अत्यंत समृद्ध है व इसका शब्दकोश अत्यंत विशाल है। राजस्थानी को मान्यता मिलने से प्रदेश को युवाओं को रोजगार के नये अवसर मिलेंगे। उन्होंने उपस्थित युवाओं से राजस्थानी में साहित्य-सृजन करने का आह्वान किया। अकादमी सचिव शरद केवलिया ने कहा कि मायड़ भाषा मानसिक विकास व व्यक्तित्व को आकार देने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती है। मातृभाषा व्यक्ति की सांस्कृतिक-सामाजिक पहचान की सूचक है, गौरव का प्रतीक है व यह हमें एकसूत्र में बांधती है। कार्यक्रम का संचालन करते हुए पुस्तकालयाध्यक्ष विमल शर्मा ने कहा कि वर्ष 2000 से संपूर्ण विश्व में विश्व मातृभाषा दिवस मनाया जा रहा है। भारत की 22 भाषाएं संविधान की 8वीं अनुसूची में शामिल हैं। पुस्तकालय परामर्शदाता रश्मि लाटा ने आभार व्यक्त किया। इस दौरान केसरीसिंह भाटी, भंवरलाल, मोईनुदीन, रामदेव स्वामी, रोहित कुमार स्वामी, रामभरोस सहित बड़ी संख्या में युवा उपस्थित थे।

लक्ष्मणगढ़ सेवा परिषद का महिला फागोत्सव आज दोपहर 2 बजें श्री रघुनाथ जी के मंदिर में

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

लक्ष्मणगढ़ सेवा परिषद की ओर से आयोजित होने वाला महिला फागोत्सव शनिवार 21 फरवरी को दोपहर 2 बजें श्री रघुनाथ जी के बड़े मंदिर में आयोजित होगा।कार्यक्रम संयोजक श्रीमती अलका शर्मा ने फागोत्सव में मुम्बई की मुख्य कलाकार श्याम भक्त सुषमा जोशी, शेखावाटी अंचल के प्रसिद्ध गायक कलाकार पवन शर्मा निर्मल व स्थानीय कलाकारों की ओर से प्रस्तुति दी जाएगी। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण फूलों की होली व राधा कृष्ण की झांकी रहेंगी।

24 फरवरी को जींद में होगी कांग्रेस एससी डिपार्टमेंट की अहम बैठक

भीम प्रज्ञा न्यूज.रेवाड़ी।

हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अनुसूचित जाति विभाग की प्रदेश स्तरीय महत्वपूर्ण बैठक 24 फरवरी को जींद स्थित संत रविदास धर्मशाला में सुबह 11 बजे आयोजित की जाएगी। इस बैठक में प्रदेश कार्यकारिणी के पदाधिकारी और सभी जिला अध्यक्ष भाग लेंगे। यह जानकारी देते हुए एससी डिपार्टमेंट रेवाड़ी के जिला अध्यक्ष रमेश ठेकेदार ने बताया कि अनुसूचित जाति विभाग के प्रदेश अध्यक्ष मनोज बागड़ी की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के अनुसूचित जाति विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष सहित अनेक वरिष्ठ नेता विशेष रूप से पहुंचेंगे और कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों को मार्गदर्शन प्रदान करेंगे। रमेश ठेकेदार ने बताया कि बैठक में अनुसूचित जाति समाज से जुड़े ज्वलंत मुद्दों सहित सभी जिलों के कामकाज और आगामी कार्य योजना पर विस्तार से चर्चा की जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश अध्यक्ष मनोज बागड़ी के नेतृत्व में अनुसूचित जाति विभाग निरंतर सक्रिय रूप से कार्य कर रहा है और पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने का अभियान चला रहा है। बैठक में जिला स्तर पर संगठनात्मक ढांचे की समीक्षा की जाएगी तथा भविष्य की कार्ययोजना तय की जाएगी, ताकि समाज के अंतिम व्यक्ति तक कांग्रेस की विचारधारा और योजनाएं पहुंच सकें। उन्होंने सभी जिलाध्यक्षों और पदाधिकारियों से समय पर पहुंचकर बैठक को सफल बनाने की अपील की।

विनोद जाखड़ के NSUI राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने पर बीकानेर में जश्न, कार्यकर्ताओं ने की आतिशबाजी

भीम प्रज्ञा न्यूज.बीकानेर।

सोहनलाल परिहार । बीकानेर में भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन (हृस्ढ्ढ) के नवनियुक्त राष्ट्रीय अध्यक्ष विनोद जाखड़ की घोषणा के बाद शहर में उत्साह और खुशी का माहौल देखने को मिला इस अवसर पर हृस्ढ्ढ बीकानेर शहर इकाई की ओर से भव्य जश्न मनाया गया।शहर जिलाध्यक्ष हरिराम गोदारा और पूर्व जिलाध्यक्ष कृष्णकुमार गोदारा के नेतृत्व में बड़ी संख्या में छात्र कार्यकर्ता और युवा नेता एकत्रित हुए कार्यकर्ताओं ने जमकर आतिशबाजी की और एक दूसरे को मिठाई खिलाकर बधाई दी साथ ही संगठन के समर्थन में जोरदार नारे लगाए पूरे कार्यक्रम के दौरान उत्साह का वातावरण बना रहा।कार्यकर्ताओं ने कहा कि विनोद जाखड़ का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनना न केवल संगठन के लिए बल्कि बीकानेर और राजस्थान के युवाओं के लिए भी गौरव की बात है इस नियुक्ति को छात्र राजनीति में राजस्थान के बढ़ते प्रभाव के रूप में देखा जा रहा है। इस अवसर पर हरिराम गोदारा ने कहा कि यह आम छात्र कार्यकर्ता की जीत है और विनोद जाखड़ के नेतृत्व में संगठन देशभर में छात्रों की समस्याओं को मजबूती से उठाएगा वहीं कृष्णकुमार गोदारा ने इसे युवाओं के परिश्रम और समर्पण का परिणाम बताया। एक कार्यकर्ता ने कहा कि विनोद जाखड़ का जमीनी स्तर से राष्ट्रीय अध्यक्ष पद तक पहुंचना यह साबित करता है कि संगठन में मेहनत और समर्पण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाती है। कार्यक्रम के अंत में सभी कार्यकर्ताओं ने संगठन को और अधिक मजबूत बनाने तथा छात्र हितों की रक्षा के लिए मिलकर कार्य करने का संकल्प लिया

नीमराना में बेटियों को बड़ी सौगात: 581 छात्राओं को मिलेंगी साइकिलें

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना।

रमेशचंद्र । राज्य सरकार की छात्रा प्रोत्साहन योजना के तहत नीमराना उपखंड क्षेत्र की 53 राजकीय विद्यालयों में अध्ययनरत कक्षा 9 की 581 छात्राओं को साइकिल वितरित की जाएगी। इस पहल से दूरदराज क्षेत्रों की छात्राओं को विद्यालय आने-जाने में सुविधा मिलेगी और बालिका शिक्षा को बढ़ावा मिलेगा। नीमराना मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी कमलेश यादव ने जानकारी देते हुए बताया कि उपखंड क्षेत्र के 53 विद्यालयों की नामांकित 581 छात्राओं के लिए साइकिलें नोडल केंद्र पर पहुंच चुकी हैं। संस्था प्रधान नोडल केंद्र से साइकिलें प्राप्त कर अपने-अपने विद्यालयों में छात्राओं को वितरण करेंगे। उन्होंने बताया कि कक्षा 9 में प्रवेश लेने वाली छात्राओं को सरकार की योजना के अंतर्गत साइकिल प्रदान की जाती है, जिससे उन्हें विद्यालय तक सुरक्षित और समय पर पहुंचने में सहायता मिलती है। यह योजना विशेष रूप से ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों की बालिकाओं के लिए लाभकारी साबित हो रही है। साइकिल वितरण से छात्राओं की उपस्थिति में वृद्धि होने के साथ-साथ अभिभावकों में भी शिक्षा के प्रति सकारात्मक संदेश जाएगा। शिक्षा विभाग द्वारा शीघ्र ही सभी विद्यालयों में वितरण प्रक्रिया पूर्ण कर ली जाएगी।

नीमराना में श्रीमद् भागवत कथा भक्ति ज्ञान यज्ञ का शुभारंभ 21 फरवरी से

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना।

रमेशचंद । नीमराना में शनिवार, 21 फरवरी से श्रीमद् भागवत कथा भक्ति ज्ञान यज्ञ का शुभारंभ होने जा रहा है। इस धार्मिक आयोजन का संयोजन गणेशम ग्रुप द्वारा किया जा रहा है, जिसे लेकर क्षेत्र में श्रद्धालुओं में उत्साह का माहौल है। गणेशम ग्रुप के सेठ राजेंद्र खंडेलवाल, नरेंद्र प्रसाद खंडेलवाल एवं महेंद्र खंडेलवाल ने बताया कि कथा का शुभारंभ 21 फरवरी को प्रातः 9:15 बजे महावर धर्मशाला से भव्य कलश यात्रा के साथ होगा। कलश यात्रा महावर धर्मशाला से प्रारंभ होकर शनि महाराज मंदिर, ऐतिहासिक बड़ गरवान सिद्ध मंदिर, महल चौक, होली टीबा, मोतीझील, कृष्णा टावर होते हुए बाईपास स्थित ग्रीन आशियाना के पास कुंज बिहारी इंडस्ट्रीज कार्यक्रम स्थल तक पहुंचेगी। कथा वाचन का दायित्व सुप्रसिद्ध कथावाचक कृष्ण प्रिय महाराज निभाएंगे। वे कथा के माध्यम से श्रद्धालुओं को भक्ति, ज्ञान और धर्म के महत्व से अवगत कराएंगे। यह सात दिवसीय धार्मिक आयोजन 21 फरवरी से प्रारंभ होकर 27 फरवरी तक चलेगा। प्रतिदिन प्रातः 11:15 बजे से दोपहर 2:15 बजे तक कथा का आयोजन किया जाएगा। आयोजकों ने क्षेत्रवासियों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर धर्मलाभ प्राप्त करने और कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की है।

इराक में कार्यरत इंजीनियर के घर में चोरी, 60-70 हजार नकद और साइन किए चेक ले गए चोर

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना।

रमेशचंद । गण्डाला गांव में उस समय हड़कंप मच गया जब इराक में कार्यरत इंजीनियर अनिल यादव के बंद पड़े मकान में अज्ञात चोरों ने सेंध लगा दी। घटना की जानकारी गुरुवार को मिली, जिसके बाद इंजीनियर स्वयं मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। अनिल यादव पुत्र रामवतार यादव पिछले आठ वर्षों से इराक में इंजीनियर के पद पर कार्यरत हैं। 11 तारीख को वे भारत लौटे थे। उनका परिवार जयपुर में निवास करता है। घटना के समय वे जयपुर से फरीदाबाद जा रहे थे, तभी रास्ते में फोन पर घर में चोरी की सूचना मिली। सूचना मिलते ही वे फरीदाबाद न जाकर सीधे गण्डाला स्थित अपने मकान पहुंचे। मौके पर

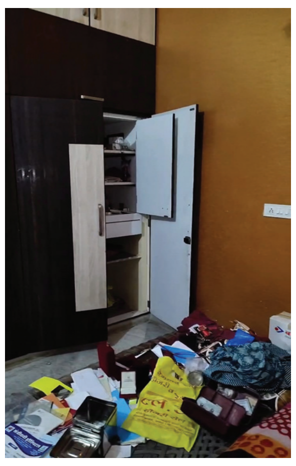

पहुंचने पर तीन कमरों के ताले टूटे हुए मिले और सामान बिखरा पड़ा था। सूचना पर नीमराना थाना पुलिस ने पहुंचकर मौका मुआयना किया। पीड़ित के अनुसार चोर लगभग 60-70 हजार रुपये नकद, 8-10 चांदी के सिक्के, विभिन्न बैंकों के साइन किए हुए 9 ब्लैंक चेक, एटीएम कार्ड तथा अन्य कीमती सामान चोरी कर ले गए। उन्होंने बताया कि केनरा बैंक के 9-9 लाख रुपये के चेक 28 अक्टूबर को पास हो चुके थे। 5 दिसंबर को तीन लाख रुपये के चेक संबंधी मैसेज मिलने पर उन्होंने तुरंत बैंक को मना किया, जिससे तीन लाख रुपये की राशि बच गई। फिलहाल संबंधित एटीएम और चेक बंद करवा दिए गए हैं। मकान की साफ-सफाई के लिए रखे स्वीपर के माध्यम से ही चोरी की सूचना मिली थी। पुलिस मामले की जांच में जुटी है और आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है।

लक्ष्मणगढ़ के श्याम भक्त पैदल निशान लेकर हुए रवाना,22 फरवरी को अर्पित करेंगे निशान

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

क्षेत्र के श्याम भक्त शुक्रवार को पैदल यात्रा पर रवाना हुए तथा 22 फरवरी को खाटूश्यामजी पहुंच कर बाबा श्याम को निशान अर्पित करेंगे।यह जानकारी देते हुए अनिल सोमानी ने बताया कि गुरुवार को गणेश जी के मंदिर में बाबा शाम के निशानों की पूजा अर्चना की गई व रात्रि में श्याम बाबा का जागरण किया गया तथा शुक्रवार को प्रातः लक्ष्मणगढ़ से खाटू के लिए नगर के मुख्य मार्गो से भजन गाते हुए पदयात्रा प्रारंभ हुई । उन्होंने बताया कि निशान पदयात्रा में पवन बनाईवाला, अनिल सोमानी, पवन खाटूवाला, राकेश नाऊ वाला , रामप्रसाद बनाईवाला, राहुल बादुरसरिया,अरविंद गोटेवाला, विक्की बजाज, हरीश सराफ, अभिषेक बदुसरिया, अंकित बजाज राजकुमार भास्कर , सुनील जांगिड़, श्यामसुंदर खाटूवाला, मुकेश बदुसरिया, घनश्याम जोशी, जगबीर कुमार, सुरेश बजाज सहित श्याम भक्त निशान शोभायात्रा में शामिल हुए तथा निशान पदयात्रा के लिए रवाना हुए भक्त 22 फरवरी को खाटूश्यामजी पहुंच कर बाबा श्याम को निशान अर्पण करेंगे।

डेढ़ साल बाद परिवार से मिला लापता युवक, संस्थान की पहल से हुआ भावुक मिलन

भीम प्रज्ञा न्यूज.बुहाना।

मानव सेवा का प्रेरक उदाहरण सामने आया है। गाँव चौराडी(सूरजगढ़) में मानसिक रूप से असहाय अवस्था में मिले एक व्यक्ति को संस्थान के प्रयासों से उसके परिवार से मिलाया गया। करीब डेढ़ वर्ष से लापता युवक के परिजनों के लिए यह मिलन किसी चमत्कार से कम नहीं रहा। जानकारी के अनुसार, कुछ समय पूर्व चौराडी में एक व्यक्ति अत्यंत दयनीय हालत में मिला था। वह उस स्थान पर पानी पी रहा था, जहाँ पशु-पक्षी पानी पीते हैं। मानसिक रूप से असमर्थ होने के कारण वह अपना नाम और पता स्पष्ट रूप से नहीं बता पा रहा था। मानवीय संवेदनाओं को ध्यान में रखते हुए संस्थान ने उसे अपने संरक्षण में लिया।संस्थान के सुरक्षित वातावरण, नियमित देखभाल और उपचार से उसकी मानसिक स्थिति में धीरे-धीरे सुधार हुआ। प्रारंभ में पहचान के लिए उसे 'राम लाल' नाम दिया गया। समय के साथ जब उसकी स्मरण शक्ति लौटी तो उसने अपने घर और परिवार से जुड़ी कुछ जानकारियाँ साझा कीं। इन्हीं संकेतों के आधार पर संस्थान ने खोजबीन शुरू की।

जांच में सामने आया कि युवक का वास्तविक नाम अकबर अली है। वह बड़ा बोधा, थाना सुगौली, जिला चंपारण (बिहार) का निवासी है और लगभग डेढ़ वर्ष पहले घर से लापता हो गया था। सूचना मिलते ही परिजन भावुक

हो उठे। सुरक्षा की दृष्टि से पुलिस सत्यापन की प्रक्रिया पूरी की गई। औपचारिकताएं पूर्ण होने के बाद अकबर अली का मिलन उसके बेटे अमन अली और छोटे भाई अब्दुल अजीम से कराया गया, जो उसे लेने बिहार से पहुंचे थे। परिवारजनों की आंखों में खुशी के आंसू थे। उन्होंने संस्थान का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके प्रियजन को वापस मिलना उनके लिए सबसे बड़ी खुशी है। इस अवसर पर संस्थान निदेशक डॉ. संदीप कुमार, समाजसेवी योगेंद्र पाल यादव साक्षी के रूप में तथा संस्थान सदस्य सरोज कुमारी, सविता कुमारी, राजेश सिंह, दिनेश यादव सहित अन्य लोग उपस्थित रहे। सभी ने इस कार्य की सराहना करते हुए इसे मानवता की सच्ची सेवा बताया। यह घटना साबित करती है कि समर्पण, संवेदना और सतत प्रयास से किसी बिछड़े व्यक्ति को उसके परिवार तक पहुंचाया जा सकता है।

बुहाना में आशा कार्यकर्ताओं का तीन दिवसीय रिफ्रेशर प्रशिक्षण सम्पन्न, 35 को प्रमाण पत्र वितरित

भीम प्रज्ञा न्यूज.बुहाना।

कार्यालय खण्ड मुख्य चिकित्सा अधिकारी बुहाना में आशा कार्यकर्ताओं का तीन दिवसीय रिफ्रेशर प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। प्रशिक्षण का उद्देश्य ग्रामीण स्तर पर स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक प्रभावी बनाना तथा आशा कार्यकर्ताओं की कार्यकुशलता में वृद्धि करना रहा। प्रशिक्षण के दौरान आशाओं को मातृ स्वास्थ्य सेवाएं, प्रसव पूर्व एवं प्रसव पश्चात देखभाल, पीसीटीएस ऐप एवं आशा सॉफ्ट के उपयोग, बाल स्वास्थ्य सेवाएं, परिवार नियोजन उपाय, राष्ट्रीय अंधता नियंत्रण कार्यक्रम, आयुष्मान भारत योजना, मधुमेह (डायबिटीज) नियंत्रण सहित विभिन्न राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही क्षेत्र में स्वास्थ्य संबंधी आंकड़ों के सही संधारण, टीकाकरण की निगरानी तथा जोखिमग्रस्त मरीजों की पहचान पर विशेष जोर दिया गया।प्रशिक्षकों द्वारा बताया गया कि आशा कार्यकर्ता ग्रामीण स्वास्थ्य व्यवस्था की आधारशिला हैं और उनके माध्यम से ही सरकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचता है। प्रशिक्षण के जरिए उन्हें डिजिटल माध्यमों के उपयोग, समयबद्ध रिपोर्टिंग और समुदाय में जागरूकता फैलाने के प्रभावी तरीकों से अवगत कराया गया।कार्यक्रम के समापन अवसर पर उपनिदेशक एवं

खण्ड मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. जयवीर सिंह भगासरा ने 35 आशा कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण प्रमाण पत्र वितरित किए। उन्होंने कहा कि आशा कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी से ही मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में कमी लाने, संक्रामक व असंक्रामक रोगों की रोकथाम तथा जनस्वास्थ्य सुधार के लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है। उन्होंने आशाओं से अपील की कि वे प्रशिक्षण में प्राप्त ज्ञान का उपयोग अपने-अपने कार्यक्षेत्र में करें और समाज को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक बनाएं। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों ने स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सुदृढ़ बनाने का संकल्प लिया।

स्पेशल केशर दूध के साथ लालकुआं चौंक पर होगी चार दिवसीय फागोत्सव की 28 फरवरी से फागणिया मस्ती के आनंद की शुरुआत

नई कार्यकारिणी का हुआ गठन युवा सामाजिक कार्यकर्ता वरिष्ठ पार्षद अमित जोशी बनें अध्यक्ष

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

फागण को मजों मतलब लाल कुओं जहां चार दिवसीय फागोत्सव 28 फरवरी से शुरू होगा जिसकी शुरुआत स्पेशल केशर के दूध से होगी तथा फागणिया मस्ती के आनंद का सैलाब का नजारा होगा।

आयोजन में फागणिया मस्ती के लिए गठित नविन कार्यकारिणी ने कार्यभार संभालकर तैयारी शुरू कर दी है। कार्यक्रम संयोजक जयशंकर पुजारी ने बताया कि चार दिन का फागोत्सव कार्यक्रम 28, फरवरी से शुरू होकर 3 मार्च तक रहेगा जिसमें गैर जुलूस के साथ कार्यक्रम का

समापन होगा । उन्होंने बताया कि होली की ऐतिहासिक मस्ती लक्ष्मणगढ़ के कलाकारों द्वारा घंटाघर लाल कुआं चौक में चार दिन तक आनंद का सैलाब बहेगा जिसकी स्पेशल शुरुआत केसर के दूध से होगी। कार्यक्रम की शुरुआत होगी। नवगठित कार्यकारिणी में अध्यक्ष अमित जोशी महामंत्री ताराचंद ठेकेदार नवीन बोचीवाल मंत्री मनोज जालान उपाध्यक्ष अंकित काबरा अमित मंगलूनेवाला राहुल सोनी संगठन मंत्री विष्णु शर्मा पार्षद नवीन काछवाल अंकित खाटू वाला प्रवीण ढंड कोषाध्यक्ष विनोद जैन महेंद्र सैनी कलाकार विनोद पाराशर अंकित पाराशर चंदन जोशी रमन लाटा हिमांशु जोशी राधा किशन पाराशर रवि जोशी दिलीप सैनी निखिल पुजारी कार्यकारिणी सदस्य विनोद डीडवानिया विकास जोशी सज्जन सैनी विक्की जोशी मोनू दायमा विकास डीडवानिया समीर दाधीच विष्णु सैनी अभिषेक जोशी योगेश मिश्रा मोहित मारोठवाला सत्यनारायण सैनी सुरेश बीबीपुरिया मोहित सहल फौजी पाराशर मुरारी डीडवानिया चिराग पुजारी आयुष जोशी महेश चोटिया उमेश पाराशर संरक्षक बजरंग गोटे वाले सुरेश जाजोदिया शंभू दयाल बिल ललित भूत प्रमोद मंगलुनेवाले अनिल मिश्रा सुबोध शर्मा विश्वनाथ सूंठवाल सुरेश चिरानिया मधु शर्मा मनोज ग्वाल सूर्य प्रकाश महर्षि कमल सुरोलिया आदि चुनें गये जिन्हें अलग-अलग जिम्मेदारियां दी गई ।

बाबा श्याम के लक्खी मेले में स्थानीय संघ के स्काउट देंगे सेवा

भीम प्रज्ञा न्यूज.पलसाना।

बाबा श्याम का वार्षिक लक्खी मेला 21 फरवरी से 28 फरवरी तक भरेगा । स्थानीय संघ पलसाना के सचिव एवं शिविर संचालक पवन कुमार शर्मा ने बताया कि राज्य स्तरीय समाज सेवा शिविर में राज्य के विभिन्न जिलों के स्काउट रोवर सेवा देंगे। शनिवार से खाटू श्याम जी के अध्यक्ष एडवोकेट जनार्दन शर्मा के निर्देशन में खाटू श्याम जी और पलसाना के स्काउट गाइड रोवर रेंजर सेवा शिविर का शुभारंभ करेंगे।प्राप्त जानकारी के अनुसार बाबा श्याम के लक्खी मेले में राजस्थान राज्य भारत स्काउट गाइड जिला मुख्यालय के तत्वाधान में स्काउट गाइड्स 8 दिन तक बाबा श्याम के भक्तों की सेवा के लिए तत्पर रहेंगे। श्याम भक्तों के लिए सेवा शिविर की शुरुआत रींगस से की गई है। जहां रींगस क्षेत्र के स्काउट गाइड सरगोठ बस स्टैंड, गणपति धाम , भेरूजी मंदिर,श्याम जी मंदिर, सिटी बस स्टैंड, रींगस रेलवे स्टेशन, रींगस खाटू मोड़ चौराहा, बांदीकुई वाली धर्मशाला,लांपुवा बस स्टैंड, संतोषपुरा एवं चोमू पुरोहितान में रींगस के स्काउट गाइड के द्वारा सेवा कार्य को अंजाम दिया जाएगा। स्काउट गाइड स्थानीय संघ पलसाना एवं खाटू श्याम जी का सेवा शिविर 21 फरवरी से बाकी शेष स्थानीय संघ सीकर, लक्ष्मणगढ़, फतेहपुर, धोद, नीमकाथाना, दांतारामगढ़, , खंडेला, श्रीमाधोपुर, रींगस, , खुड, शिव सिंहपुरा, थोई ,पाटन ,अजीतगढ़, ,रानोली के स्काउट व रोवर 24 फरवरी से चार पारियों में लगातार 24 घंटे श्याम भक्तों के बीच में सेवा कार्य को अंजाम देंगे। खाटूश्यामजी तोरण द्वार से लामिया रोड , जिक जैक, मोदी ग्राउंड , लखदातार ग्राउंड ,श्याम चौक ,श्याम कुंड ,मंदिर परिसर, मंदिर के सामने एवं मेला परिक्षेत्र में अपने ड्यूटी पॉइंट पर सेवा का मोर्चा संभालेंगे। इसके साथ ही स्काउट गाइड द्वारा मेला परिसर में प्रसाद वितरण , मंदिर दर्शन , जल सेवा ,श्याम कुंड स्नान, खोया पाया, प्राथमिक सहायता , कतारें बनवाना, दिव्यांग सहायता ,भीड़ नियंत्रण ,आपदा प्रबंधन, स्वच्छता, जन जागृति, वृद्ध जनसेवा, सड़क सुरक्षा सहित विभिन्न सेवा कार्यों को बाबा श्याम के जयकारे के साथ करते रहेंगे। स्काउट गाइड सीकर जिला मुख्यालय सर्किल ऑर्गेनाइजर सीओ बसंत कुमार लाटा के सानिध्य में जिले के स्काउटर गाइडर की देखरेख में तैनात रहेंगे।

श्याम संकीर्तन में भजनों पर झूमें श्रद्धालु; सजा बाबा का दरबार, भोग की झांकी रही आकर्षण का केंद्र

भीम प्रज्ञा न्यूज.मण्डावा।

पवन कुमार शर्मा । श्रीश्याम सखी महिला मंडल की ओर से फतेहपुर मार्ग स्थित वार्ड एक में श्री श्याम संकीर्तन का आयोजन हुआ । इस दौरान खाटू श्याम बाबा का भव्य दरबार सजाया गया। भोग की झांकी आकर्षण का केंद्र रही। इत्र वर्षा की गई। श्रीश्याम सखी महिला मण्डल की प्रमुख उमा हेमाणी ने बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ श्याम महिला मंडल की पदाधिकारियों व सदस्यों ने ज्योत प्रज्वलन व पूजा-अर्चना के साथ किया। मुख्य यजमान रामस्वरूप चौपदार व सुलोचना देवी आदि ने विशेष पूजा - अर्चना की। आरम्भ में गणेश वंदना , हनुमान वंदना गुरु वंदना के साथ संकीर्तन की शुरुआत की गई। वही भजन सम्राट सरोज सिधांनिया ने तू नीले चढ़ कर आजा, सांवरिया सेठ है तो सेठानी कौन है, हम बिक गए खाटू के बाजार में आदि भजन गाकर भक्तों को भाव विभोर कर दिया, मन की बात सांवरिया से आज सुना के देख ले आदि भजन गायक भक्ति को देर रात तक झूमने को मजबूर कर दिया । वही उमा हेमाणी ने नाम मेरे खाटू वाले का जिस जिस ने गाया है, कीर्तन की है रात बाबा आज थाने आना है आदि भजन प्रस्तुत कर भक्तों

को नाचने से मजबूर कर दिया। भजन सुनने के लिए देर रात तक खाटू श्यामजी के दरबार में भक्तों का तांता लगा रहा। कार्यक्रम के दौरान भक्तों पर चंदन के इत्र मिश्रित जल का छिड़काव किया गया और गुलाब की पंखुड़ियों की वर्षा से पूरा पंडाल भक्तिमय माहौल में रंग गया। इस धार्मिक कार्यक्रम में उमा हेमाणी, सरोज मोदी, संगीता टेलर, मन्जू सैनी, दिव्या अग्रवाल, कमला देवी, दिव्या हेमाणी, सन्जू सैनी, विद्या , ज्योति, सीमा सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहें।

वायु सेना उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पालम दिल्ली कैंट का प्रो. मनोज कुमार कैन ने किया शैक्षणिक दौरा

विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास पर हुई चर्चा।

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नई दिल्ली।

दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रतिष्ठित प्रोफेसर मनोज कुमार कैन ने हाल ही में पालम, दिल्ली कैंट स्थित वायु सेना उच्चतर माध्यमिक विद्यालय का दौरा किया। इस यात्रा के दौरान उन्होंने विद्यालय के प्राचार्य श्री अशोक कुमार और शिक्षकगणों के साथ विभिन्न महत्वपूर्ण शैक्षणिक विषयों पर गहन विचार-विमर्श किया। ऐतिहासिक विरासत और प्राकृतिक सौंदर्य वाले विद्यालय के परिसर में पहुँचने पर प्राचार्य श्री अशोक कुमार ने प्रो. कैन का गर्मजोशी से स्वागत किया। चर्चा के दौरान प्राचार्य ने विद्यालय के गौरवशाली इतिहास को साझा करते हुए बताया कि इस संस्थान की स्थापना आजादी के पांच वर्ष बाद, 1952 में हुई थी। विद्यालय की ऐतिहासिक महत्ता का प्रमाण इस बात से मिलता है कि 10 फरवरी 1959 को देश के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने यहाँ का दौरा किया था। विद्यालय की डायरी में आज भी उनके द्वारा लिखे गए शब्द 'प्रसन्न हुआ' और उनके हस्ताक्षर सुरक्षित हैं।प्राकृतिक रूप से संपन्न यह विद्यालय अपने शांत वातावरण और दशकों पुराने विशाल वृक्षों के लिए जाना जाता है, जो विद्यार्थियों को शिक्षा के लिए एक आदर्श परिवेश प्रदान करते हैं। शैक्षणिक विमर्श और सर्वांगीण विकास को महत्वपूर्ण मानते हुए प्रो. मनोज कुमार कैन ने शिक्षकों के साथ संवाद के दौरान नई शिक्षा नीति (NEP) और समकालीन शिक्षा पद्धतियों पर विस्तार से बातचीत की। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि शिक्षा का स्वरूप ऐसा होना चाहिए जो विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास मे सहायक हो। संवाद सत्र में शिक्षक मनीषा राय, राखी कुमार और हामिदा ने भी सक्रिय रूप से भाग लिया और विद्यालय की हालिया उपलब्धियों व शैक्षणिक गतिविधियों के बारे में प्रो. कैन को अवगत कराया। विकसित भारत के संकल्प की चर्चा करते हुए प्राचार्य अशोक कुमार ने विद्यालय के विजन को स्पष्ट करते हुए कहा, 'हमारा मुख्य उद्देश्य बच्चों का सर्वांगीण विकास करना है ताकि यहाँ का प्रत्येक विद्यार्थी एक जिम्मेदार नागरिक बनकर 'विकसित भारत' के निर्माण में अपना बहुमूल्य योगदान दे सके।' वर्तमान में विद्यालय कला, वाणिज्य और विज्ञान तीनों संकायों में शिक्षा प्रदान कर रहा है।यह भेंट न केवल विचारों के आदान-प्रदान का माध्यम बनी,बल्कि अकादमिक जगत और स्कूली शिक्षा के बीच समन्वय को भी मजबूती प्रदान की।

बजट 2026-27 में सूरजगढ़ क्षेत्र को रू4.20 करोड़ की नई सड़कों की सौगात, 16 किमी कार्य स्वीकृत

भीम प्रज्ञा न्यूज.सूरजगढ़।

राज्य सरकार की बजट घोषणा 2026-27 के अंतर्गत सूरजगढ़ विधानसभा क्षेत्र को रू4 करोड़ 20 लाख की लागत से विभिन्न मिसिंग लिंक सड़कों एवं सीसी रोड/नाला निर्माण कार्यों की स्वीकृति मिली है। इन कार्यों के तहत करीब 16 किलोमीटर नई सड़कों का निर्माण कराया जाएगा, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों की कनेक्टिविटी मजबूत होगी और आमजन को आवागमन में बड़ी राहत मिलेगी। यह स्वीकृति श्रवण कुमार विधायक के प्रयासों का परिणाम मानी जा रही है। विधायक द्वारा क्षेत्र की आवश्यकताओं को राज्य सरकार के

समक्ष प्रमुखता से उठाया गया था, जिस पर सकारात्मक निर्णय लेते हुए विभिन्न गांवों और ढाणियों में सड़क व नाला निर्माण को मंजूरी दी गई है। घसेड़ा से क्याम खानियों की ढाणी (नरपाल के घर के पास तक) 3 किमी - रू50 लाख, बॉर्डर से चूड़ीणा (पं.स. बुहाना) 1 किमी सड़क व नाला - रू50 लाख, कीढ़वाणा से बडसरी का बास 2 किमी - ?50 लाख, नावता की हरिजन बस्ती में सीसी रोड व नाला 0.50 किमी - रू80 लाख, गादली से नरात बॉर्डर तक 2 किमी - रू50 लाख, लोटिया से कालूराम की ढाणी 2 किमी - रू50 लाख, डूमोली खुर्द से दौचाना की ढाणी (मेन रोड शहीद की मूर्ति तक) 3 किमी - रू50 लाख, नाथ जी कुआं से गोकल द्वार होते हुए टीलाणा जोहड़ तक (पं.स. सूरजगढ़) 2.5 किमी - रू40 लाख आदि सड़कों की स्वीकृति दी गई है। विधायक श्रवण कुमार ने बताया कि सभी कार्यों की प्रशासनिक स्वीकृति मिल चुकी है और शीघ्र ही टेंडर प्रक्रिया पूर्ण कर निर्माण कार्य प्रारंभ कराए जाएंगे। उन्होंने विश्वास जताया कि ये परियोजनाएं क्षेत्र के समग्र विकास में मील का पत्थर साबित होंगी। गौरतलब है कि विधायक ने ये मांगें राज्य की वित्त मंत्री दिया कुमारी के समक्ष रखी थीं। बजट पूर्व आयोजित प्रेस वार्ता में प्रस्तावित कार्यों की जानकारी भी आमजन को दी गई थी। स्वीकृति जारी होने पर विधायक ने क्षेत्रवासियों की ओर से वित्त मंत्री का आभार व्यक्त किया है।

अतिरिक्त रू10.62 करोड़ की सड़कों की स्वीकृति संभावित

विधायक ने बताया कि इसके अतिरिक्त रू10 करोड़ 62 लाख की लागत से 7 किमी नई सड़कों की स्वीकृति भी शीघ्र मिलने की संभावना है, जिनमें डूमोली खुर्द बस स्टैंड से सिहोड़ियों की ढाणी (रोजड़ा बॉर्डर तक) 6 किमी तथा डूमोली कलां से दोचाना की ढाणी 1 किमी सड़क शामिल है। इसके साथ ही नगरपालिका सिंघाना में ट्रॉमा सेंटर की स्थापना तथा सूरजगढ़ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र को 100 बेड क्षमता में क्रमोन्नत किए जाने की घोषणा भी की गई है। इन विकास कार्यों से क्षेत्र की संपर्क व्यवस्था सुदृढ़ होगी, स्थानीय अर्थव्यवस्था को गति मिलेगी और नागरिक सुविधाओं में उल्लेखनीय सुधार होगा।

टोहाना बस स्टैंड का स्थान बदलने से हर आमजन परेशान, शहर से दो किलोमीटर दूर, विद्यार्थियों में भारी रोष

प्रशासन से दोनों नए पुराने बस स्टैंड से हर पंद्रह मिनट या आधा घंटा में मिनी बस सेवा चलाने की मांग

भीम प्रज्ञा न्यूज़.टोहाना।

रजत विजय रंगा । टोहाना बस स्टैंड को शहर से बाहर हिसार रोड़ के नजदीक स्थांतरित कर दिया गया है जिससे आस पास क्षैत्रों से आने जाने वाले छात्र छात्राओं के साथ साथ दैनिक यात्रियों को हर रोज अपने गंतव्य स्थान तक पहुंचने के लिए नये बस स्टैंड से शहर तक आने के लिए 20रूपये से पचास रूपये एकतरफा खर्च करने पड़ रहे हैं जो इस महंगाई को देखते हुए आम तौर पर प्रति व्यक्ति 3000रूपये के लगभग बेवजह का बोझ पड़ रहा है जिससे हर रोज आने वाले विधार्थियो में तो भारी रोष व्याप्त है ही साथ ही कामकाजी महिलाओं व छात्राओं को अंधेरा होने पर सुरक्षा को लेकर डर व भय की स्थिति बनी हुई साफ़ दिखती है।विदित रहे हर रोज शहर टोहाना से आसपास के शहरों या कस्बों में आम लोगों का अपने रोजगार के लिए आना जाना रहता है इसी तरह बाहर क्षैत्र से टोहाना आने-जाने वाले भी हैं परंतु अब हर आगंतुक के लिए ने बस स्टैंड से शहर में आने वाले ई-रिक्शा,ओटो चालकों की मनमानी से प्रति सवारी 20से 50रूपये वसूले जा रहे हैं परंतु स्थानीय प्रशासन मौन है रोडवेज विभाग ने खाना पूर्ति करते हुए केवल दो बस चला रखीं है जो पर्याप्त प्रतीत नहीं होती दिख रही है। स्कूल व कॉलेज के विधार्थियो का कहना है कि पुराने बस अड्डे से ने बस अड्डा के बीच मिनी बस सेवा हर आधा घंटा या पंद्रह मिनट में संचालित हो जिससे आम जन की परेशानियां खत्म हो।

मंडी अटेली में पूर्व मुख्यमंत्री राव वीरेंद्र सिंह की जयंती श्रद्धा व सम्मान के साथ मनाई गई

भीम प्रज्ञा न्यूज़.मंडी अटेली।

मनोज बुलाण । हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री राव वीरेंद्र सिंह की जयंती शनिवार को मंडी अटेली में पूरे सम्मान और गरिमा के साथ मनाई गई। इस अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री आरती राव के अटेली स्थित कार्यालय में एक श्रद्धांजलि समारोह आयोजित किया गया, जिसमें उनके समर्थकों, भाजपा कार्यकर्ताओं और क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों ने भाग लिया। समारोह के दौरान उपस्थित लोगों ने पूर्व मुख्यमंत्री राव वीरेंद्र सिंह के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी और प्रदेश व क्षेत्र के विकास में उनके योगदान को स्मरण किया। वक्ताओं ने कहा कि राव वीरेंद्र सिंह सादगी, दूरदर्शिता और जनसेवा के प्रतीक थे। उनके कार्यकाल में जनहित से जुड़े अनेक निर्णय लिए गए, जिनका लाभ आज भी प्रदेश की जनता को मिल रहा है। कार्यक्रम का नेतृत्व स्वास्थ्य मंत्री आरती राव के निजी सहायक विकास यादव ने किया। इस अवसर पर अटेली क्षेत्र के अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे। प्रमुख रूप से मार्केट कमेटी के चेयरमैन दिनेश जैलदार, पूर्व वाइस चेयरमैन विकास यादव, चेयरमैन जयप्रकाश, पूर्व चेयरमैन जसवंत यादव, भाजपा नेता एवं मंडल महामंत्री इंद्रजीत यादव, विक्रम सरपंच,विनोद कटकई, अनिल दूघडिया, मुकेश, अशोक चेयरमैन, वाइस चेयरमैन राधेश्याम, कृष्ण शर्मा, हरपाल, रामकिशन जांगिड़, जयप्रकाश (मिर्जापुर), मामन सिंह दौगडा सहित अनेक वरिष्ठ कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

निवेशकों को झांसा देकर 14 करोड़ हड़पने वाली महिला अधिकारी गिरफ्तार

लखनऊ (एजेंसी)। आर्थिक अपराध अनुसंधान संगठन (ईओडब्ल्यू) ने निवेशकों के 14 करोड़ रुपये हड़पने के आरोप में पियर्स एलाइड कारपोरेशन लिमिटेड कंपनी की अतिरिक्त निदेशक मंजू दुबे उर्फ मंजू उपाध्याय को गिरफ्तार किया है। इस संदर्भ में निवेशकों की शिकायत पर लखनऊ के आलमबाग थाने में 2017 में मामला दर्ज किया गया था। शासन के निर्देश पर मामले की जांच ईओडब्ल्यू को सौंपी गई थी। जांच में सामने आया कि दिल्ली व हरियाणा में पंजीकृत कंपनी के निदेशकों ने आरबीआइ में पंजीकरण के बिना ही कंपनी के सीएमडी दुर्गा प्रसाद दुबे ने अन्य निदेशकों के साथ मिलकर बिजनौर समेत यूपी के कई जिलों में बैंकिंग कार्यालय खोले थे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कंपनी के निदेशकों ने निवेशकों को आरडी व एफडी योजना में निवेश पर लालच देकर 14 करोड़ रुपये निवेश कराए थे। कुछ समय बाद कंपनी के निदेशक, निवेशकों को कूटरचित बांड देकर फरार हो गए। निवेशकों को जब यह बात पता चली कि उन्हें दिए गए बांड व अन्य दस्तावेज कूटरचित हैं तो उन्होंने मुकदमा दर्ज कराया था। ईओडब्ल्यू की जांच में कुल 13 अभियुक्त दोषी पाए गए थे। इनमें से छह आरोपितों की गिरफ्तारी की जा चुकी है। शेष सात आरोपी की गिरफ्तारी के क्रम में मंजू दुबे लखनऊ से गिरफ्तार किया गया है। मंजू ने पुलिस को गुमराह करने के लिए कानपुर के कर्नलगंज थाना क्षेत्र का पता दिया था, जबकि उनका स्थायी निवास ग्राम डोल छपरा, देवरिया है।

जम्मू-कश्मीर में पंचायत और नगर निकाय चुनाव की तैयारी तेज, ओबीसी रिपोर्ट का इंतजार

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर सरकार ने बताया कि प्रदेश में पंचायत और नगर निकाय के चुनाव जल्द कराने के लिए आवश्यक तैयारियाँ हो रही हैं। इसके साथ ही, अन्य पिछड़ा वर्ग आयोग की रिपोर्ट, जिसके आधार पर पंचायतों और नगर निकायों में आरक्षण होना है, सक्षम प्राधिकारी के विचाराधीन है। विधायक मीर मोहम्मद फैयाज के प्रश्न पर निर्वाचन विभाग ने बताया कि जम्मू-कश्मीर पंचायती राज अधिनियम, 1989 और जम्मू-कश्मीर म्युनिसिपल अधिनियम, 2000 के तहत मतदाता सूची की तैयारी और चुनाव का संचालन प्रदेश चुनाव आयोग के द्वारा किया जाएगा। पंचायतों और बीडीसी का कार्यकाल नौ जनवरी 2024 को समाप्त हो गया, जबकि डीडीसी का कार्यकाल 24 फरवरी 2026 को समाप्त होगा। श्रीनगर नगर निगम का कार्यकाल पांच नवंबर 2023 को और जम्मू नगर निगम का कार्यकाल 14 नवंबर 2023 को समाप्त हो चुका है। अन्य नगर परिषदों और समितियों का कार्यकाल अक्टूबर से नवंबर 2023 के बीच समाप्त हो गया है। उमर सरकार ने बताया कि 77 यूएलबी के लिए परिसीमन प्रक्रिया शुरू की गई थी, जिसमें से 72 का सीमांकन पूरा हो चुका है। पंचायतों में सरपंच और पंच वार्डों का आरक्षण केवल ओबीसी आयोग की रिपोर्ट की स्वीकृति के बाद किया जाएगा।

कांग्रेस सांसद सैलजा ने पीयूसी नहीं होने पर 10,000 के चालान को गलत बताया

नई दिल्ली (एजेंसी)। हरियाणा के सिरसा से कांग्रेस सांसद कुमारी सैलजा ने राज्य में दोपहिया वाहनों के लिए प्रदूषण प्रमाण पत्र (पीयूसी) नहीं होने पर 10,000 रुपये तक के चालान को तर्कसंगत बनाने की मांग उठाई है। उन्होंने केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी को पत्र लिखकर उच्च जुर्माने पर आपत्ति दर्ज करा दी है। कांग्रेस सांसद सैलजा ने कहा कि मोटर वाहन अधिनियम के तहत यह अधिकतम जुर्माना चार पहिया या भारी वाहनों के लिए उचित हो सकता है, लेकिन स्कूटी और बाइक जैसी छोटी दोपहिया गाड़ियों के लिए यह आम और मध्यम वर्ग के लिए आर्थिक रूप से भारी है। केंद्रीय मंत्री गडकरी ने जवाब में बताया कि 10,000 रुपये की अधिकतम सीमा अधिनियम में निर्धारित है, लेकिन राज्य सरकारें मोटर वाहन अधिनियम की धारा 200 के तहत अपराध को कंपाउंड कर जुर्माने की राशि तय कर सकती हैं। इस पर सैलजा ने हरियाणा सरकार से आग्रह किया कि वह जुर्माने की राशि वाहन की इंजन क्षमता (सीसी) के अनुसार निर्धारित करे। उन्होंने सुझाव दिया कि 100-150 सीसी तक की स्कूटी और मोटरसाइकिल के लिए जुर्माना 500 से 1,000 रुपये के बीच सीमित होना चाहिए। सैलजा ने कहा कि प्रदूषण नियंत्रण का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण और जनहित होना चाहिए, न कि आम नागरिकों पर अनावश्यक आर्थिक बोझ डालना। उन्होंने मुख्यमंत्री से अपील की कि आम लोगों के हित में इस विषय पर शीघ्र सकारात्मक निर्णय लिया जाए, जिससे नियम भी लागू हों और जनता पर अनावश्यक दंड न पड़े।

अरुणाचल प्रदेश में पुलिस ने एक बड़ी आतंकवादी साजिश को नाकाम किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। अरुणाचल प्रदेश के लोंगडिंग जिले में सुरक्षा बलों ने एक बड़ी आतंकवादी साजिश को नाकाम कर एनएससीएन-आईएम के उग्रवादी को गिरफ्तार किया। इस कार्रवाई में असम राइफल्स, स्पेशल टास्क फोर्स और लोंगडिंग पुलिस की संयुक्त टीम शामिल थी। जानकारी के आधार पर, सुरक्षा बलों ने टिसिंग क्षेत्र में अभियान चलाया और 35 वर्षीय स्वघोषित कैप्टन पोंगलेन वांगपान को हिरासत में लिया। वह नेशनल सोशलिस्ट काउंसिल ऑफ नागालिम के इसाक-मुइवा गुट का सदस्य और चार सदस्यीय समूह का नेतृत्व कर रहा था, जिसने कथित तौर पर किसी अज्ञात लक्ष्य का अपहरण या हत्या करने की योजना बनाई थी। तलाशी के दौरान उसके पास 5.56 मिमी इंसास राइफल के साथ एक मैगजीन, 9 मिमी पिस्टल के साथ एक मैगजीन, 18 राउंड 5.56 मिमी कारतूस और दो राउंड 9 मिमी पिस्टल बरामद किए। संयुक्त सुरक्षा बलों की त्वरित कार्रवाई ने नियोजित आतंकवादी घटना को सफलतापूर्वक टाल दिया। पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज की गई है और अन्य संदिग्ध स्थानों पर तलाशी अभियान जारी है, ताकि शेष आतंकवादियों का पता लगाया जा सके। इसी बीच, नामसाई जिले में पुलिस ने करीब सात लाख रुपये मूल्य की 133 ग्राम संदिग्ध हेरोइन जब्त कर एक महिला को गिरफ्तार किया। यह मामला एनडीपीएस अधिनियम के तहत दर्ज किया है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि यह कार्रवाई मादक पदार्थों की तस्करी को रोकने और नशामुक्त समाज सुनिश्चित करने के प्रयासों का हिस्सा है। अरुणाचल प्रदेश पुलिस ने सीमा सुरक्षा और कानून-व्यवस्था बनाए रखने में अपनी तत्परता और प्रतिबद्धता का प्रदर्शित किया। इस अभियान से यह स्पष्ट हुआ कि राज्य में सुरक्षा बल लगातार आतंकी गतिविधियों और मादक पदार्थों की तस्करी दोनों के खिलाफ सक्रिय हैं। लोंगडिंग और नामसाई की ये कार्रवाइयां ने संभावित आतंकवादी हमले और नशे की आपूर्ति को रोककर क्षेत्र की सुरक्षा सुनिश्चित की है।

थाना शहर टोहाना पुलिस की कार्रवाई : मोबाइल छीनने व धमकी देने के मामले में आरोपी काबू

छीना-झपटी कर मोबाइल ले जाने व फिरौती मांगने के आरोप में कार्रवाई, माननीय न्यायालय में किया जाएगा पेश

भीम प्रज्ञा न्यूज़.टोहाना।

रजत विजय रंगा । पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन, आईपीएस के दिशा-निर्देशन में अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना शहर टोहाना पुलिस ने मोबाइल छीनने व जान से मारने की धमकी देने के मामले में एक आरोपी को काबू करने में सफलता हासिल की है।थाना शहर टोहाना प्रभारी निरीक्षक कुलदीप सिंह ने बताया कि शिकायतकर्ता रमन पुत्र रघुवीर सिंह निवासी वार्ड नं. 01, कल्याण नगर, मनियाना रोड, टोहाना ने शिकायत दी थी कि दिनांक 28.01.2026 को शाम करीब 4:30 बजे वह अपने घर से

मोटरसाइकिल पर पाल कार एजेंसी, रतिया रोड, टोहाना की ओर जा रहा था। मौनी वाली जोहड़ी के पास कुछ युवकों ने उसका रास्ता रोककर उसके व उसके भाई लक्की के साथ मारपीट की और उससे दो मोबाइल फोन छीन लिए। छीना-झपटी के दौरान उसकी जेब से लगभग 5,000 रुपये भी गिरकर खो गए। शिकायतकर्ता ने बताया कि बाद में आरोपियों द्वारा फोन कर उसे धमकाया गया तथा मोबाइल वापस करने के बदले पैसों की मांग की गई। शिकायतकर्ता ने आशंका जताई कि उसके मोबाइल में मौजूद निजी डाटा, फोटो, वीडियो व बैंकिंग संबंधी जानकारी का दुरुपयोग किया जा सकता है। शिकायत के आधार पर थाना शहर टोहाना में अभियोग संख्या 36 दिनांक 31.01.2026 के तहत धारा 304(2), 308(2), 3(5) भारतीय न्याय संहिता के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया। मामले में कार्रवाई करते हुए पुलिस ने आरोपी की पहचान अजय पुत्र विजय गोस्वामी निवासी गुरु रविदास मोहल्ला, टोहाना के रूप में की तथा उसे काबू किया। आरोपी को नियमानुसार माननीय न्यायालय में पेश किया। मामले की जांच जारी है तथा अन्य संलिप्त आरोपियों की तलाश की जा रही है। दोषियों के विरुद्ध नियमानुसार सख्त कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

प्रियंका गांधी वाड्रा ने असम के खिलाफ जारी किया 20 सूत्री आरोपपत्र

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम की राजधानी गुवाहाटी में गुरुवार को कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली असम सरकार के खिलाफ 20 सूत्री आरोपपत्र जारी किया, जिसमें राज्य प्रशासन पर भ्रष्टाचार में लिप्त रहने और अल्पसंख्यकों को डरने के लिए सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग का आरोप लगाया गया है। कांग्रेस ने अमस में विधानसभा चुनावों से पहले यह आरोपपत्र जारी किया। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि एक दशक के शासनकाल के बावजूद भाजपा सरकार 6 आदिवासी समुदायों को अनुसूचित जनजाति का दर्जा दिलवाने और चाय बागान श्रमिकों की दैनिक मजदूरी बढ़ाकर 351 रुपये करने के अपने वादे को पूरे करने में विफल रही। असम विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी की उम्मीदवार चयन समिति की अध्यक्ष प्रियंका गांधी वाड्रा की दो दिवसीय असम दौरे पर हैं। कांग्रेस ने भाजपा के नेतृत्व वाली राज्य सरकार पर व्यापक भ्रष्टाचार का भी आरोप लगाया। कांग्रेस ने मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा और उनके करीबी मंत्रियों एवं उनके परिवार के सदस्यों पर अवैध रूप से संपत्ति जमा करने का आरोप लगाया।

जिस वंदे भारत एक्सप्रेस में सवार थे भागवत... उस पर हरदोई में हुई पत्थरबाजी

हरदोई, (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के हरदोई जिले में गुरुवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत की यात्रा के दौरान वंदे भारत एक्सप्रेस पर कथित पत्थरबाजी की घटना सामने आई। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, यह घटना कौधा गांव के पास दोपहर करीब 3~20 बजे हुई, जिसमें ट्रेन के सी4 कोच की एक खिड़की का शीशा टूट गया। भागवत पूरी तरह सुरक्षित रहे और उनके साथ यात्रा कर रहे अन्य लोग भी घायल नहीं हुए। वे लखनऊ-दिल्ली वंदे भारत एक्सप्रेस से मेरठ लौट रहे थे। इस घटना के बाद रेलवे सुरक्षा बल ने जांच शुरू कर दी है। मेरठ में विशेष जांच दल पहुंचने की उम्मीद है, जो पत्थरबाजी की परिस्थितियों और आरोपियों की पहचान करेगी। भागवत को भारी सुरक्षा के बीच रात 9 बजे मेरठ रेलवे स्टेशन पर उतारा गया और वे शताब्दी नगर स्थित माधव कुंज पहुंच गए। उन्होंने 20 और 21 फरवरी को आयोजित दो दिवसीय संवाद कार्यक्रम में भाग लेना है, जिसमें खिलाड़ी और बुद्धिजीवी शामिल होने वाले है। इसके पहले, 9 फरवरी को महाराष्ट्र में कोंकण रेलवे लाइन पर वंदे भारत ट्रेन का एक और हादसा हुआ था। मुंबई से गोवा जा रही ट्रेन मवेशियों से टकरा गई, जिससे ट्रेन के ओवरहेड बिजली उपकरण क्षतिग्रस्त हो गए और रेल सेवाएं कई घंटों तक बाधित रहीं। दोनों घटनाओं ने वंदे भारत एक्सप्रेस की सुरक्षा और संचालन पर चिंता बढ़ा दी है। रेलवे प्रशासन ने इन घटनाओं के मद्देनजर सुरक्षा और निगरानी को बढ़ाने का निर्णय लिया है। हरदोई की घटना में किसी के हताहत न होने और भागवत की सुरक्षा बनाए रखने के बावजूद, पत्थरबाजी ने यात्रियों और अधिकारियों में डर और चिंता पैदा कर दी है। अब मामले की गहन छानबीन की जा रही है ताकि जिम्मेदारों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा सके और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए सुरक्षा व्यवस्था कड़ी की जा सके।

थाना जाखल पुलिस की कार्रवाई: नाबालिग से दुष्कर्म व अश्लील वीडियो वायरल करने के मामले में आरोपी काबू

आरोपी से मोबाइल फोन बरामद, गंभीर धाराओं के तहत अभियोग दर्ज

भीम प्रज्ञा न्यूज़.टोहाना/जाखल।

रजत विजय रंगा । पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन, आईपीएस के दिशा-निर्देशन में महिला एवं बाल अपराधों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना जाखल पुलिस ने नाबालिग बालिका से दुष्कर्म करने तथा उसकी अश्लील फोटो/वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित करने के मामले में आरोपी को काबू करने में सफलता प्राप्त की है। थाना जाखल प्रभारी उपनिरीक्षक सुरेश ने बताया कि पीड़िता ने अपनी माता की उपस्थिति में शिकायत दर्ज करवाई कि आरोपी मोनू सिंह पुत्र गोबिंद

निवासी चांदपुरा ने उसे बहला-फुसलाकर एक स्थान पर ले जाकर उसके साथ जबरदस्ती दुष्कर्म किया तथा उसकी अश्लील फोटो व वीडियो बना ली। आरोप है कि बाद में आरोपी ने उक्त सामग्री को सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया, जिससे पीड़िता की सामाजिक प्रतिष्ठा को ठेस पहुंची। शिकायत के आधार पर थाना जाखल में अभियोग संख्या 20 दिनांक 17.02.2026 के तहत धारा 64(1), 137(2) भारतीय न्याय संहिता, धारा 4 पॉक्सो एक्ट, धारा 66E, 67 आईटी एक्ट एवं धारा 3(2)(V) एससी/एसटी एक्ट के अंतर्गत मामला दर्ज कर जांच प्रारंभ की गई। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी मोनू सिंह पुत्र गोबिंद निवासी चांदपुरा को काबू कर लिया है। आरोपी के कब्जे से एक मोबाइल फोन बरामद किया गया है। आरोपी को नियमानुसार माननीय न्यायालय में पेश किया जाएगा। मामले की जांच जारी है तथा डिजिटल साक्ष्यों का विश्लेषण किया जा रहा है। दोषी पाए जाने पर आरोपी के विरुद्ध नियमानुसार सख्त कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

रणवीर सिंह से हैरी बॉक्सर ने मांगी 10 करोड़ की रंगदारी, स्टार की सुरक्षा बढ़ाई

मुंबई (एजेंसी)। बॉलीवुड अभिनेता रणवीर सिंह को हाल ही में बिश्नोई गैंग से मिली धमकी और रंगदारी के मामले में पुलिस को जांच में आए दिन नई-नई जानकारी मिल रही है। जानकारी के मुताबिक लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़े हैरी बॉक्सर ने व्हाट्सएप पर वॉयस नोट भेजकर रणवीर सिंह से 10 करोड़ रुपए की फिरौती मांगी थी। यह धमकी रोहित शेट्टी के घर पर फायरिंग की घटना के ठीक बाद भेजी गई थी। मुंबई क्राइम ब्रांच की शुरुआती जांच में पुष्टि हुई है कि वॉयस नोट में हैरी बॉक्सर की आवाज है। यह मैसेज अमेरिकी नंबर से भेजा गया था, जिसके लिए पुलिस अमेरिकी एजेंसियों से संपर्क कर रही है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जांच में पता चला कि वॉयस नोट वीपीएन का इस्तेमाल करके विदेश से भेजा गया था। धमकी के बाद रणवीर की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। क्राइम ब्रांच रणवीर के मैनेजर का भी बयान दर्ज कर चुकी है और मामले की गहराई से जांच कर रही है। पुलिस ने अभी तक इस मामले में कोई एआईआर दर्ज नहीं की है, लेकिन जांच शुरू कर दी गई है। मामले को लेकर अन्य सबूत जुटाए जा रहे हैं। रणवीर सिंह ने मैसेज मिलते ही तुरंत मुंबई पुलिस को सूचना दी थी। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए उनके घर के बाहर सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाते हुए उनके आवास पर अतिरिक्त पुलिसकर्मी तैनात कर दिए हैं।

नीट छात्रा मौत मामले में सीबीआई ने की मां-नानी से तीन घंटे पूछताछ

-जांच का फोकस हॉस्टल संचालिका के साथ हुई बातचीत के पहलुओं पर रहा

पटना(एजेंसी)। पटना के एक निजी हॉस्टल में नीट की तैयारी कर रही छात्रा की संदिग्ध मौत के मामले में सीबीआई ने जांच तेज कर दी है। गुरुवार को सीबीआई तीसरी बार जहानाबाद पहुंची, जहां मखदुमपुर थाना क्षेत्र स्थित मृतका के पैतृक गांव में परिजनों से लंबी पूछताछ की। जांच एजेंसी का मुख्य फोकस छात्रा के इलाज के दौरान की परिस्थितियों और हॉस्टल संचालिका के साथ हुई बातचीत के पहलुओं पर रहा। सीबीआई के अधिकारियों ने मृतका की मां और नानी से करीब तीन घंटे तक गहन पूछताछ की।

मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि सीबीआई टीम यह समझने की कोशिश कर रही है कि हॉस्टल में रहने के दौरान छात्रा की स्थिति कैसी थी और संचालिका की भूमिका इसमें क्या रही। जहानाबाद में पूछताछ के बाद टीम गया स्थित छात्रा के ननिहाल गई। जहां मृतका के मामा और अन्य रिश्तेदारों से भी जानकारी जुटाई गई। बताया जाता है कि मतक छात्रा के मामा चार भाई हैं। दो मामा बाहर नौकरी

करते हैं। उनके परिवार के लोग गया में रहते हैं। दो मामा और नाना- नानी गांव में ही रहते हैं। सीबीआई ने सभी कड़ियों को जोड़ने के लिए परिवार के सदस्यों से सामूहिक रूप से बयान दर्ज किए हैं।

सीबीआई ने गुरुवार को कदमकुआं थाना के निलंबित दारोगा हेमंत झा से करीब चार घंटे पूछताछ की। एफएसएल रिपोर्ट आने के बाद सबूत इकट्ठा करने में लापरवाही के आरोप में एसआई हेमंत झा और चित्रगुप्तनगर थानेदार रोशनी कुमार को निलंबित किया गया था।

सीबीआई ने सवाल किए कि छात्रा के प्रभात हॉस्पिटल पहुंचने के बाद उसके कपड़े क्यों बरामद नहीं किए गए। परिजनों को कपड़े कैसे मिले और पुलिस को किस आधार पर दिए गए। पोस्टमार्टम और एफएसएल रिपोर्ट में रेप की बात आने के बावजूद पुलिस ने इसे सुसाइड कैसे मान लिया। हालांकि, पूर्णिया सांसद पप्पू यादव ने गुरुवार रात फेसबुक लाइव आकर इस मामले में पटना एसएसपी और एसपी की कार्यशैली पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि एसएसपी बताएं मनीष को किस केस में गिरफ्तार किया है और हॉस्टल मालिक को अब तक क्यों गिरफ्तार नहीं किया गया है।

मृतक छात्रा के चाचा ने कहा कि परिवार आज भी अपने दावे पर कायम है। हम शुरुआत से ही पटना के शम्भू गर्ल्स हॉस्टल पर शक कर रहे है और यहीं उसके साथ गलत हुआ है। घटना की सारे रहस्य हॉस्टल के अंदर ही हैं। सीबीआई ने परिवार से पहले दिन बात की थी, तभी उन्हें बताया गया कि हॉस्टल संचालिका, उसके बेटे और वहां की वार्डेन को सामने बैठाकर पूछताछ कीजिए। इसके बाद पूरी असलियत सामने आ जाएगी।

अपराध नियंत्रण को लेकर एसपी की रणनीतिक बैठक : कानून-व्यवस्था, तकनीक व जवाबदेही पर विशेष फोकस

अपराध पर प्रभावी नियंत्रण के लिए प्रत्येक अधिकारी की जवाबदेही तय हो' – एसपी सिद्धांत जैन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन, आईपीएस के निर्देशन में पुलिस लाइन स्थित एनजीओ मैस के मीटिंग हॉल में जिले की कानून-व्यवस्था, अपराध नियंत्रण एवं पुलिस कार्यप्रणाली की समीक्षा को लेकर मासिक अपराध गोष्ठी का आयोजन किया गया। बैठक में जिले के समस्त राजपत्रित अधिकारी, थाना प्रभारी एवं चौकी प्रभारी उपस्थित रहें। बैठक के दौरान जिले में घटित गंभीर अपराधों, लंबित विवेचनाओं, काबू किए जाने वाले आरोपियों, न्यायालयीन प्रकरणों एवं लंबित वारंटों की विस्तार से समीक्षा की गई। पुलिस अधीक्षक ने निर्देश दिए कि प्रत्येक मामले में गुणवत्तापूर्ण विवेचना सुनिश्चित की जाए तथा तय समयसीमा में निष्पादन किया जाए। उन्होंने कहा कि अपराध नियंत्रण के साथ-साथ आमजन का विश्वास बनाए रखना पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

नशा तस्करी पर सख्त रुख - एसपी सिद्धांत जैन ने स्पष्ट किया कि नशा तस्करी के मामलों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। यदि किसी थाना क्षेत्र में अवैध नशा गतिविधि पाई जाती है तो संबंधित अधिकारी की जवाबदेही तय की जाएगी।

सट्टेबाज़ी, सूदखोरी एवं संगठित अपराध पर प्रभावी कार्रवाई - अवैध सट्टेबाज़ी, सूदखोरी तथा अन्य संगठित

अपराधों में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध निरंतर अभियान चलाकर कड़ी कानूनी कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए।

तकनीक आधारित पुलिसिंग और साइबर अपराध पर फोकस - बैठक में CCTNS, ICJS, ई-साक्ष्य एवं ई-सम्मन प्रणाली के प्रभावी उपयोग पर जोर दिया गया। साथ ही साइबर अपराधों की रोकथाम, महिला एवं बाल अपराधों में संवेदनशील एवं त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। बैठक के अंत में एसपी सिद्धांत जैन ने कहा कि अपराधियों के लिए जिले में कोई स्थान नहीं है, जबकि आम नागरिकों की सुरक्षा, सम्मान और शांति व्यवस्था के लिए फतेहाबाद पुलिस पूर्णतः प्रतिबद्ध है। इस अवसर पर एएसपी रतिया दिव्यांशी सिंगला, आईपीएस, डीएसपी टोहाना उमेद सिंह, डीएसपी मुख्यालय कुलवंत सिंह, डीएसपी नरसिंह, डीएसपी भट्टूकलां संजय,डीएसपी जगदीश कुमार सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहें।

ठगों के निशाने पर केंद्र सरकार के कर्मचारी और पेंशनर्स, सैलरी संबंधी भेज रहे मैसेज

-ऑफिशियल अलर्ट जारी, एपीके फाइल को नहीं करें डाउनलोड यह मालवेयर है

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार के कर्मचारियों और पेंशनर्स को 8वें वेतन आयोग से जुड़ी एक नई व्हाट्सऐप ठगी का खुलासा हुआ है। ठग ऐसे मैसेज भेज रहे हैं जिनमें रिवाइज्ड सैलरी का प्रीव्यू दिखाने का दावा किया जा रहा है। अधिकारियों का कहना है कि इन मैसेज में दिए गए लिंक पर क्लिक करने से लोगों को भारी वित्तीय नुकसान हो सकता है। साइबर अपराधी लोगों की इस उत्सुकता का फायदा उठाकर उन्हें मालवेयर डाउनलोड करने के लिए फंसा रहे हैं।

मीडिया रिपोर्ट में ऑफिशियल अलर्ट में कहा गया है कि ठग व्हाट्सऐप पर ऐसे मैसेज भेज रहे हैं जिनमें ÷8वें वेतन आयोग सैलरी कैलकुलेटर÷ देने का दावा किया जा रहा है। मैसेज पाने वाले लोगों से एक लिंक पर क्लिक करने और एक एपीके फाइल डाउनलोड करने को कहा जाता है। एपीके फाइल एंड्रॉइड एप्लिकेशन पैकेज होती है। यह दिखने में एक साधारण कैलकुलेटर ऐप जैसी लग सकती है, लेकिन वास्तव में यह मालवेयर है। एक बार इंस्टॉल होने के बाद यह ठगों को यूजर्स के मोबाइल फोन पर रिमोट एक्सेस दे सकता है। इसमें एसएमएस संदेश पढ़ सकते हैं, जिनमें बैंक अलर्ट और वन-टाइम पासवर्ड (ओटीपी) शामिल होते हैं। फोन में सेव प्राइवेट और फाइनैंशियल जानकारी तक पहुंच सकते हैं। वहीं जुड़े हुए बैंक खाते से बिना अनुमति के लेन-देन कर सकते हैं।

अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि पीड़ितों को तुरंत यह पता नहीं चलता कि उनका डिवाइस हैक हो चुका है। जब तक संदिग्ध लेन-देन का पता चलता है, तब तक खाते से पैसे निकाले जा चुके होते हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक अधिकारियों ने साफ कहा है कि कोई भी सरकारी विभाग व्हाट्सऐप या अन्य मैसेजिंग प्लेटफॉर्म के जरिए एपीके फाइल नहीं भेजता। ऐसे किसी भी मैसेज को संदिग्ध माना जाना चाहिए। साइबर ठगी के तरीके अब पहले से ज्यादा लक्षित और चालाक हो गए हैं। आर्थिक लाभ या जरूरी अपडेट का वादा करने वाले मैसेज लोगों को जल्दबाजी में प्रतिक्रिया देने के लिए तैयार किए जाते हैं। वेतन संशोधन जैसे मामलों में भावनात्मक आकर्षण और भी ज्यादा होता है। किसी भी लिंक पर क्लिक करने से पहले कुछ पल रुककर सोच लेना बड़े वित्तीय नुकसान से बचा सकता है। ऐसी ठगी से बचने का सबसे प्रभावी तरीका है कि जानकारी केवल आधिकारिक स्रोतों से ही वेरिफाई की जाए।

दक्षिण अफ्रीका के ये खिलाड़ी करेंगे अभिषेक के खिलाफ गेंदबाजी की शुरूआत

अहमदाबाद (एजेंसी)। टी20 विश्व कप में सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा लगातार तीन बार शून्य के स्कोर पर आउट हुए लेकिन भारत का अभियान बिना रूके पटरी पर चल रहा है लेकिन इस खिलाड़ी का बल्ले का नहीं चलना चर्चा का विषय बना हुआ है। इसका कारण या तो पेट के संक्रमण से उनका कमजोर होना है या फिर धीमे विकेट पर स्पिनरों के खिलाफ तकनीकी कमजोरी का उभरना है। लेकिन जिन्होंने इस प्रारूप और इस खिलाड़ी को करीब से देखा है उनका कहना है कि 'फॉर्म अस्थायी है, उसका आत्मविश्वास स्थायी' है।

अभिषेक का स्ट्राइक रेट 192 से ज्यादा का है लेकिन अचानक उनकी फॉर्म खराब हो गई जिसका मुख्य कारण पेट के संक्रमण के कारण अस्पताल में भर्ती होने के एक हफ्ते से भी कम समय बाद प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में उनकी वापसी हो सकती है। फिर धीमी पिचों ने भी उनकी मदद नहीं की है। अब तक टीम के एकजुट प्रयास ने पक्का किया है कि नतीजों पर कोई असर नहीं पड़े। लेकिन शनिवार से सुपर आठ चरण शुरु होने वाला है इसलिए यह जरूरी होगा कि उनका बल्ला चले।

भारत सुपर 8 चरण के पहले मैच में 22 फरवरी को दक्षिण अफ्रीका से भिड़ेगा। और उनके पिछले आउट होने के तरीके को ध्यान से देखने के बाद दक्षिण अफ्रीका के कप्तान एडेन मारक्रम पावरप्ले के अंदर दोनों छोर से कागिसो रबाडा या लुंगी एनगिडी को गेंदबाजी कराने के बजाय खुद ऑफ-ब्रेक गेंदबाजी करने के बारे में सोच सकते हैं या फिर जॉर्ज लिंडे से गेंदबाजी करने को कह सकते हैं। सबसे छोटे प्रारूप में गलती की गुंजाइश बहुत कम होती है।

अभिषेक का टी20 विश्व कप में अपना खाता नहीं खोल पाना चिंता की बात नहीं है। हो सकता है वह दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ या फिर इसके बाद चेन्नई में जिम्बाब्वे के खिलाफ और कोलकाता में वेस्टइंडीज के खिलाफ मैच में लय हासिल कर लें। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की फ्रेंचाइजी के एक मशहूर बल्लेबाजी कोच ने लीग के दौरान अभिषेक के खिलाफ योजना बनाई और उनकी बल्लेबाजी का विश्लेषण किया। उनसे जब पूछा गया कि क्या टीमों ने आखिरकार अभिषेक की बल्लेबाजी को समझ लिया है तो उनका जवाब 'नहीं' था।

उन्होंने नाम नहीं बताने की शर्त पर कहा, 'बिलकुल नहीं। पहले मैच में डीप एक्स्ट्रा कवर पर वह खराब गेंद पर कैच हुए थे जो 6 रन के लिए जा सकती थी। या फील्डर के बाएं या दाएं एक पैर से बाहर जाकर चौके के लिए जा सकती थी।' अभिषेक के तीनों मैच में आउट होने के तरीके पर उन्होंने आगे कहा, 'ऑफ-स्पिनर की अंदर आती गेंद पर बोल्ड होना, ना कि बाहर जाती हुई गेंद पर, इससे ज्यादा कुछ पता नहीं चलता। और मिड-ऑन पर कैच होना।'

उन्होंने कहा कि इस तरह आउट होने से पहले ऐसा कोई डेटा नहीं है जो यह बताए कि ऑफ-स्पिनर उन्हें हमेशा परेशान करते हैं। कोच ने कहा, 'वह आम तौर पर ऑफ-स्पिन काफी अच्छा खेलते हैं। मैंने कुछ भी गलत नहीं देखा है।' हालांकि विकेटों का धीमा होना उनकी आउट होने का कारण बन सकता है क्योंकि उनके बल्ले की स्विंग बहुत तेज है, जिससे उन्हें तेज गेंदबाजों के मुफीद ट्रैक पर बहुत सफलता मिलती है।

अभिषेक के लिए अपने अंतरराष्ट्रीय करियर की शुरुआत से यह पहला चरण हैं जहां उन्हें लगातार चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। यहीं पर बल्लेबाजी कोच सीतांशु कोटक का भूमिका अहम हो जाती है। अभिषेक के आत्मविश्वास से भरे व्यक्तित्व को देखते हुए साफ लगता है कि वह कुछ निराशाओं से हिलने वाले नहीं हैं लेकिन उन्हें पता होगा कि भारत के टी20 विश्व कप अभियान का एक बड़ा हिस्सा उनकी शुरुआत पर निर्भर करता है।

टी20 क्रिकेट में ये उपलब्धि हासिल करने वाले पहले भारतीय बने पांड्या

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या ने नीदरलैंड के खिलाफ मैच में अपनी 30 रनों की पारी और एक विकेट लेने के साथ ही एक बड़ी उपलब्धि अपने नाम कर ली है। इस पारी के साथ ही पांड्या टी-20 क्रिकेट में 6000 रन और 200 विकेट लेने वाले पहले भारतीय क्रिकेटर बन गये हैं। डच टीम के खिलाफ मैच में उन्होंने 3 ओवर में 40 रन देकर एक विकेट लिया।

पांड्या ने साल 2013 में घरेलू टी-20 क्रिकेट में बड़ौदा की ओर से टी-20 डेब्यू किया था। उन्होंने इस टूर्नामेंट में बेहतर प्रदर्शन के बल पर साल साल 2015 में मुंबई इंडियंस की आईपीएल टीम में जगह बनायी। जनवरी 2016 में आईपीएल खेलने के बाद उन्हें भारतीय टी-20 टीम में शामिल किया गया। पांड्या ने साल 2016 टी-20 विश्व कप में भी अच्छा प्रदर्शन किया। साल 2018 में मुम्बई इंडियंस ने उन्हें रिटेन किया। वहीं 2022 में वे गुजरात जायंट्स आईपीएल टीम के कप्तान बने और उसे पहले ही सत्र में टीम को विजेता बनाने में सफल रहे। आईपीएल 2024 में उन्होंने एक बार फिर मुंबई इंडियंस में वापसी करते हुए कप्तानी हासिल की। पांड्या ने 2024 टी20 विश्वकप फाइनल में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मुकाबले में शानदार गेंदबाजी कर भारतीय टीम को जीत दिलायी।

श्रीजेश एक बार फिर बन सकते है भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम के मुख्य कोच

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व गोलकीपर पीआर श्रीजेश एक बार फिर भारत की जूनियर पुरुष हॉकी टीम के मुख्य कोच बन सकते हैं। उन्होंने कोच के लिए आवेदन किया है। श्रीजेश को अगस्त 2024 में जूनियर पुरुष टीम का मुख्य कोच बनाया गया था और उसके बाद भारतीय टीम ने चेन्नई में आयोजित एफआईएच पुरुष हॉकी जूनियर विश्व कप जीता था। ऐसे में उन्हें एक बार फिर जिम्मेदारी दिये जोन की अधिक संभावना है। श्रीजेश का कोच पद से करार विश्व कप के बाद गत दिसंबर में समाप्त हो गया था और उसके बाद से ही वह नये काम की तलाश में हैं। अब उन्होंने कोच पद के लिए दोबारा आवेदन भेजा है। इसमें उनके अलावा सात अन्य उम्मीदवार भी दावेदार हैं। उन्होंने अपने कोचिंग के अनुभव को लेकर कहा कि इसमें सीखने का शानदार अनुभव रहा। मैंने खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपने अनुभव साझा किए। संन्यास के बाद मेरा लक्ष्य खेल को कुछ लौटाना था और जूनियर खिलाड़ियों के साथ अपने अनुभव का साझा करने से बेहतर क्या हो सकता था।

वहीं हॉकी इंडिया के महासचिव भोला नाथ सिंह ने कहा कि कम से कम छह अन्य उम्मीदवार भी दौड़ में हैं। उन्होंने हालांकि नामों को सार्वजनिक नहीं किय है। उन्होंने कहा, नियमित प्रक्रिया के तहत जूनियर पुरुष टीम के कोच पद के लिए विज्ञापन जारी किया गया है क्योंकि श्रीजेश का अनुबंध विश्व कप के बाद समाप्त हो गया था। छह-सात उम्मीदवारों ने रुचि दिखाई है, जिनमें श्रीजेश भी शामिल हैं। स्क्रीनिंग और साक्षात्कार के बाद अगले एक-दो सप्ताह में नियुक्ति कर दी जाएगी। वहीं भोला नाथ ने एफआईएच प्रो लीग के राउरकेला चरण में सीनियर भारतीय पुरुष टीम के निराशाजनक प्रदर्शन पर कहा कि चिंता की कोई बात नहीं है। उनके अनुसार मुख्य कोच क्रेग फुल्टोन सर्वश्रेष्ठ संयोजन तलाशने के लिए टीम में प्रयोग कर रहे हैं। उन्होंने कहा, चिंता की कोई बात नहीं है। महत्वपूर्ण टूर्नामेंट से पहले हम प्रो लीग में कुछ युवा और नए खिलाड़ियों को आजमा रहे थे। हमें जरूरी फीडबैक मिल गया है और भविष्य में परिणाम दिखाई देंगे। भारत अपना अगला दौरा 20 से 25 फरवरी तक होने वाले एफआईएच प्रो लीग के होबार्ट चरण के लिए करेगा।

टी20 विश्व कप: सुपर-8 में आज होगा पाकिस्तान और न्यूजीलैंड का मुकाबला

कोलंबो (एजेंसी)। आईसीसी टी20 विश्वकप क्रिकेट के सुपर 8 में शनिवार को यहां पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच मुकाबला होगा। इस मैच में दोनो ही टीमें जीत के लिए पूरी ताकत लगा देंगी। पाक टीम बड़ी मुश्किल से सुपर-8 में पहुंची है और उसका लक्ष्य किसी प्रकार जीत दर्ज कर आगे की संभावनएं बनाये रखना रहेगा। वहीं कीवी टीम का प्रदर्शन उससे कहीं अच्छा रहा है और ऐसे में वह जीत की प्रबल दावेदार है। आंकड़ों पर नजर डालें तो

पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच अब तक कुल 49 मैच खेले गए हैं। पाकिस्तान ने 24 मैचों में जीत हासिल की है, जबकि न्यूजीलैंड ने 23 मैचों में जीत दर्ज की है।

पाक और न्यूजीलैंड ग्रुप स्तर में खेले 4 मैचों में तीन जीत और एक हार के साथ सुपर-8 में पहुंची हैं। पाकिस्तान की ओर से साहिबजादा फरहान की अब तक अच्छी बल्लेबाजी कर पाये हैं। नामीबिया के खिलाफ खेले गए मुकाबले में फरहान ने शतकीय पारी खेली थी, ऐसे में पाक उनसे इस मैच में भी बड़ी पारी की उम्मीद करेगा। पाक के लिए समस्या यह रही है कि फरहान के अलावा टीम के अन्य बल्लेबाज अब तक असफल रहे हैं। ऐसे में कीवी टीम के खिलाफ टीम को सैम अयूब, बाबर आजम और कप्तान सलमान आगा से बड़ी पारी खेलनी होगी। उसके बल्लेबाजों को न्यूजीलैंड के मजबूत गेंदबाजी आक्रमण का मुकाबला करना होगा जो आसान नहीं है। शादाब खान ने पहले दौर में बल्ले और गेंद दोनों से अच्छी भूमिका निभाई। वहीं, उस्मान तारिक विकेट लेने के साथ-साथ काफी कसी गेंदबाजी करते रहे हैं। पाक टीम अधिक स्पिनरों के साथ उतरेगी।

दूसरी ओर, न्यूजीलैंड का प्रदर्शन ग्रुप स्तर पर अच्छा रहा है। टिम साइफर्ट सहित उसके बल्लेबाजों ने काफी रन बनाये हैं। सीफर्ट ने 4 मैचों में 173 रन बनाये हैं। कनाडा के खिलाफ 36 गेंदों में 76 रनों की आक्रामक पारी खेलकर ग्लेन फिलिप्स भी फॉर्म में लौट चुके हैं।

मैट हेनरी और जैकब डफी की जोड़ी ने शुरुआती ओवर में बेहतरीन गेंदबाजी की है।

कोलंबो की पिच आमतौर पर धीमी रहती है। यहां पर स्पिनर्स को काफी सहायता मिलती है और गेंद थोड़ा फंसकर बल्ले पर आती है। यही कारण है कि कोलंबो के इस मैदान पर ज्यादा बड़े स्कोर नहीं लगते हैं। इस मैदान पर पहली पारी में औसतन स्कोर 144 रन रहा है, जबकि दूसरी इनिंग का औसत स्कोर 129 रन है। इस मैच में बारिश की भी संभावना है।

दोनो ही टीमों की संभावित अंतिम 11

पाकिस्तान: सलमान अली आगा (कप्तान), साहिबजादा फरहान, सईम अयूब, बाबर आजम, ख्वाजा नफे, शादाब खान, उस्मान खान (विकेटकीपर) मोहम्मद नवाज/फहीम अशरफ, सलमान मिर्जा, उस्मान तारिक, अबरार अहमद

न्यूजीलैंड: मिशेल सैंटनर (कप्तान), टिम सीफर्ट (विकेटकीपर), फिन एलन, रचिन रविंद्र, ग्लेन फिलिप्स, मार्क चैपमैन, डैरिल मिशेल, जिमी नीशम, मैट हेनरी, ईश सोढ़ी, जैकब डफी

आईपीएल की तैयारियां करते नजर आये शुभमन

नई दिल्ली ।भारतीय क्रिकेट टीम आजकल जहां टी20 विश्वकप में व्यस्त है। वहीं इससे बाहर चल रहे एकदिवसीय और टेस्ट टीम के कप्तान शुभमन गिल आजकल आईपीएल की तैयारियों में लगे हैं।शुभमन आईपीएल फ्रैंचाइजी गुजरात टाइटंस के भी कप्तान हैं।शुभमन को टी20 विश्वक कप के लिए टीम में शामिल नहीं किया गया है।ऐसे में अब वह अगले माह मार्च में शुरु हो रहे आईपीएल की तैयारियों में लगे हैं। इसी सिलसिल में शुभमन को नेट्स पर बल्लेबाजी करते देखा गया। इस दौरान उन्होंने टीम की नई ट्रेनिंग किट पहनी हुई थी। वह बल्लेबाजी के दौरान काफी अच्छे फार्म में दिखे। टाइटंस टीम के कोच आशीष नेहरा भी उनपर नजर रखे हुए थे। वह बल्लेबाजी सत्र के दौरान बड़ी आसानी से बड़े शॉट खेलते हुए दिखे। इस दौरान वह आत्मविश्वास से भरे दिखाई दिये।

वहीं इससे पहले उन्हें खराब फॉर्म के कारण न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज से पहले ही टी20 टीम से बाहर कर उनकी जगह पर संजू सैमसन को सलामी बल्लेबाज के तौर पर शामिल किया गया था। शुभमन को अंतिम बार रणजी ट्रॉफी में पंजाब की ओर से सौराष्ट्र के खिलाफ खेलते देखा गया था। जिसमे उन्होंने वह दोनो पारी में असफल रहे थे और कुल 14 रन ही बना पाये थे। अब वह आईपीएल 2026 में काफी रन बनाने चाहेंगे। शुभमन को आईपीएल 2026 की नीलामी से पहले ही बरकरार रखा गया था। पिछले सत्र में भी उनका प्रदर्शन काफी अच्छा रहा था। गुजरात टाइटंस ने 2022 में अपना पहला खिताब जीता था और इस बार कप्तान का लक्ष्य टीम को एक बार फिर खिताब जिताना रहेगा। शुभमन के नाम अब तक 118 आईपीएल मैचों में 3866 रन हैं।

जिम्बाब्वे के बेनेट ने टी20 विश्वकप में एक भी मैच में आउट नहीं होने का रिकार्ड बनाया

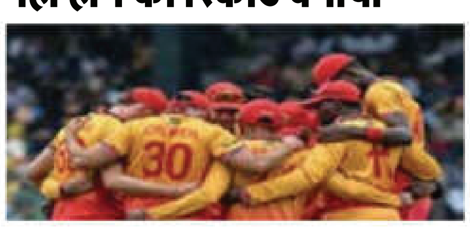

कोलंबो ।जिम्बाब्वे के ब्रायन बेनेट ने इस इस टी20 विश्व कप में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए एक बड़ी उपलब्धि अपने नाम की है।बेनेट एकमात्र ऐसे बल्लेबाज हैं जो इस विश्वकप में एक बार भी आउट नहीं हुए हैं। जिम्बाब्वे के सुपर-8 में पहुंचने में बेनेट की अहम भूमिका रही है।अब तक इस विश्व कप में प्रतिद्वंद्वी टीम का कोई भी गेंदबाज उन्हें एक बार भी आउट नहीं कर पाया है।जिम्बाब्वे की अंतित ग्रुप मैच में श्रीलंका के खिलाफ जीत में बेनेट की 63 रनों की नाबाद पारी की भी महत्वपूर्ण भूमिका रही। बेनेट ने इस विश्व कप में तीन मैचों में दो अर्धशतक लगाये हैं। तीनों ही मैच में वह नाबाद रहे। जिम्बाब्वे ने ऑस्ट्रेलिया को 23 रन से हराया था। उस मैच में भी उन्होंने 64 रनों की नाबाद पारी खेली थी। ओमान के खिलाफ मैच में भी वह 48 रन बनाकर नाबाद रहे थे। बेनेट अब तक विश्वकप में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले छठे खिलाड़ी हैं। बेनेट ने इस विश्व कप में अब तक 3 मैच में 2 अर्धशतकों के साथ 175 रन बनाए हैं। तीनों ही मैच में वह नॉट आउट रहे हैं और उनका स्ट्राइक रेट 125 का है हालांकि वह इस विश्व कप में वह एक भी छक्का नहीं लगा पाये हैं। उनके नाम केवल 22 चौके जड़े हैं। उनसे ज्यादा चौके सिर्फ दक्षिण अफ्रीका के एडेन मारक्रम के नाम हैं जिन्होंने इस विश्व कप में अब तक 24 चौके लगाए हैं।बेनेट के अंतरराष्ट्रीय करियर की बात करें तो उन्होंने अब तक 55 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में मैच खेले हैं, जिनमें उनके नाम 1771 रन हैं। इसमें 11 अर्धशतक और एक शतक शामिल है। उनका सर्वोच्च स्कोर 111 रन है और स्ट्राइक रेट 143.16 का है।

भारतीय बल्लेबाजों को अंगुली के स्पिनरों से रहना होगा सावधान : डोएशे

अहमदाबाद (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के सहायक कोच रयान टेन डोएशे ने कहा है कि उसे सुपर-8 में उतरने से पहले कुछ सुधार करने होंगे। डोएशे के अनुसार टीम जीत के साथ अगले दौर में पहुंच गयी है पर अभी तक एक भी मैच ऐसा नहीं रहा हे जिसमें पूरी तरह से वह हावी रही हो। उन्होंने कहा कि अब भी शीर्ष क्रम के बाएं हाथ के बल्लेबाज अंगुली के स्पिनरों के खिलाह सहज होकर नहीं खेल पा रहे और ये कमजोरी उन्हें दूर करनी होगी। कोच के अनुसार

सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा और ईशान किशन के अलावा तिलक वर्मा बाएं हाथ के बल्लेबाज हैं और ये तीनो ही अंगुली के स्पिनरों के निशाने पर रहेंगे। अब तक हुए मैचों से साफ अंदाजा हो गया है कि विरोधी टीमें समझ गयी हैं कि अंगुली के स्पिनरों का सामना करते समय ये गलती कर रहेहैं। ये टीमें इन बल्लेबाजों को रनों से रोकने के लिए अब पावरप्ले में इन स्पिनरों का इस्तेमाल कर रही हैं। नीदरलैंड के स्पिनर आर्यन दत्त ने पावरप्ले में इसी रणनीति से अभिषेक और किशन को शिकार बनाया। डोएशे का मानना है कि ऐसे में भारतीय बल्लेबाजों को स्पिनरों के खिलाफ अपने खेल में बड़े सुधार करना होगा। उसे दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और वेस्टइंडीज के खिलाफ सुपर आठ मैचों में उंगलियों से गेंदबाजी करने वाले स्पिनरों से निपटने का तरीका ढूंढना होगा। वहीं नामीबिया के कप्तान गेरहार्ड इरास्मस ने भी अपनी इसी गेंदबाजी से भारतीय बल्लेबाजों को परेशान किया था, जिसके बाद पाकिस्तान के उस्मान कादिर, सलमान आगा और साइम अयूब भी कोलंबो में भारतीय बल्लेबाजों पर दबाव बनाने में सफल रहे। अगर आप आंकड़ों की बात करें तो मुझे लगता है कि पाकिस्तान ने पिछले मैच में 14 ओवर अंगुली के स्पिनरों से करवाए। डोएशे ने कहा, अगले तीन मैच में भी हमें अंगुली के स्पिन गेंदबाजी का सामना करना पड़ेगा और उसे देखते हुए मुझे लगता है कि हमें इस पर ध्यान देना होगा। भारतीय टीम रविवार को यहां सुपर 8 के अपने पहले मैच में दक्षिण अफ्रीका से खेलेगी। इसके बाद उसे जिम्बाब्वे और वेस्टइंडीज से खेलना है।

आईसीसी टी20 विश्वकप 2026 में भारत ने लगाये हैं सबसे अधिक छक्के , एसोसिएट टीमों इटली और अमेरिका ने पाक को पीछे छोड़ा

मुम्बई ।आईसीसी टी20 विश्वकप में इस बार सबसे अधिक चौके, छक्के मारने वाली टीमें में भारतीय टीम पहले नंबर पर है।यहां अभी तक 20 टीमों में हुए 39 मुकाबलों में 1000 से अधिक चौके और 500 से ज्यादा छ्क्के लगे हैं।अभी तक सबसे अधिक छक्के लगाने वाली टीमों में भारत 40, इंग्लैंड- 36, वेस्टइंडीज- 36, अफगानिस्तान- 34 हैं। वहीं मजेदार बात ये है कि इटली और अमेरिका की टीमें छक्के मारने में पाकिस्तान से आगे हैं। भारत की ओर से 11 छक्के तो अकेले ईशान किशन ने ही लगाए हैं।बता दें, ईशान किशन टी20 विश्व कप 2026 में संयुक्त रूप से सबसे ज्यादा सिक्स लगाने वाले बल्लेबाज हैं। उनके अलावा पाकिस्तान के ओपनर साहिबजादा फरहान ने भी इतने ही छक्के लगाए हैं।इटली ने अफगानिस्तान के बराबर 34 छक्के लगाए।उनके आगे दो ही टीमें इंग्लैंड और वेस्टइंडीज ने 36-36 सिक्स लगाए है।पाक टीम इस सूची में नौवें नंबर पर है पाक ने टी20 विश्व कप 2026 में कुल 28 सिक्स लगाए हैं।उनसे ज्यादा अमेरिका ने 33 छक्के लगाये हैं।

हाईकोर्ट ने सुशील कुमार की याचिका पर दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी किया

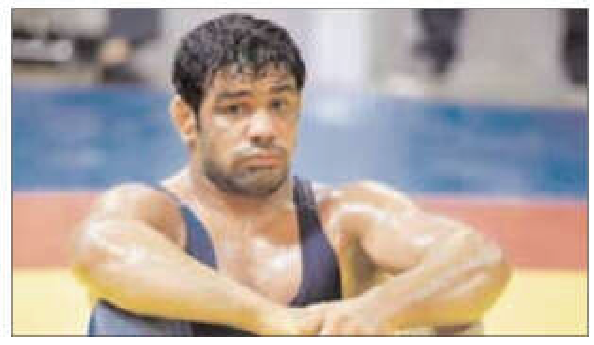

नई दिल्ली ।दिल्ली हाईकोर्ट ने जूनियर पहलवान सागर धनखड़ की हत्या के मामले में आरोपी ओलंपियन पहलवान सुशील कुमार की जमानत अर्जी पर दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी करते हुए जवाब मांगा है।हाईकोर्ट ने इस मामले में दिल्ली पुलिस से स्टेटस रिपोर्ट भी मांगी है।इस मामले पर अगली सुनवाई 4 मई को होगी।इससे छह फरवरी को रोहिणी कोर्ट ने सुशील की जमानत याचिका खारिज कर दी थी ।उसी फैसले को अब हाईकोर्ट में चुनौती दी गयी है।सुशील कुमार मई 2021 में हुए सागर हत्याकांड में आरोपी हैं और फिलहाल न्यायिक हिरासत में हैं।सागर हत्या के मामले में 13 अगस्त 2025 को सुप्रीम कोर्ट में एक सुनवाई हुई थी।तब शीर्ष अदालत ने सुशील कुमार की जमानत रद्द कर दी थी और एक सप्ताह के अंदर सरेंडर करने को कहा था।इस मामले की सुनवाई करते हुए जस्टिस संजय करोल और प्रशांत कुमार मिश्रा की पीठ ने सागर धनखड़ के पिता द्वारा दायर विशेष अनुमति याचिका (एसएलपी) को स्वीकार किया था।याचिका में सुशील को जमानत देने वाले दिल्ली उच्च न्यायालय के आदेश को चुनौती दी गई थी।गौरतलब है कि सुशील और अन्य लोगों पर 4 मई, 2021 को कथित संपत्ति विवाद को लेकर शहर के छत्रसाल स्टेडियम के पार्किंग स्थल में पूर्व जूनियर राष्ट्रीय कुश्ती चैंपियन सागर धनखड़ और उनके दो दोस्तों सोनू और अमित कुमार पर जानलेवा हमला करने के आरोप है।अक्टूबर 2022 में, दिल्ली की एक निचली अदालत ने सुशील कुमार और 17 अन्य लोगों के खिलाफ आरोप तय किए थे, जिससे उनके मुकदमे की शुरुआत हुई थी।

उस्मान का गेंदबाजी एक्शन अनोखा लेकिन पाकिस्तान से मिलनी वाली चुनौती का अंदाजा :चैपमैन

कोलंबो (एजेंसी)। न्यूजीलैंड के मध्यक्रम बल्लेबाज मार्क चैपमैन ने शनिवार को यहां खेले जाने वाले टी20 विश्व कप सुपर-आठ मुकाबले से पहले कहा कि पाकिस्तान के रहस्यमयी (अनोखे तरीके से गेंदबाजी करने वाले) स्पिनर उस्मान तारिक की अगुवाई वाले गेंदबाजी आक्रमण से निपटने में उनकी टीम के लिए आपसी मुकाबलों का अनुभव अहम भूमिका निभाएगा।

सुपर-आठ चरण के ग्रुप-दो मैच में शनिवार को यहां न्यूजीलैंड का मुकाबला पाकिस्तान से होगा। अगस्त 2024 से अब तक न्यूजीलैंड और पाकिस्तान के बीच वनडे और टी20 प्रारूपों में कुल 20 द्विपक्षीय मुकाबले खेले जा चुके हैं। चैपमैन का मानना है कि इन मैचों ने उनकी टीम को पाकिस्तान के गेंदबाजी आक्रमण को बेहतर ढंग से समझने में मदद की है।

चैपमैन ने कहा, 'उस्मान तारिक का एक अलग तरह का एक्शन है, खासकर क्रीज पर रुककर गेंदबाजी करने का अंदाज अनोखा है और इसे ध्यान में रखना होगा। पाकिस्तान के पास उनके अलाव भी कई बेहतरीन स्पिनर है हर स्पिनर अपनी अलग चुनौती पेश करता है।' उन्होंने आगे कहा, 'पिछले कुछ वर्षों में पाकिस्तान उन टीमों में से एक है जिसके खिलाफ हमने सबसे ज्यादा मैच खेले हैं। हमें अच्छी तरह अंदाजा है कि वे किसी तरह की चुनौती पेश करेंगे। हमारे लिए अहम यह है कि हम एक टीम के रूप में अपनी रणनीति को लेकर पूरी तरह स्पष्ट रहें।'

चैपमैन ने यह भी स्वीकार किया कि श्रीलंका की पिचें भारत की तुलना में धीमी हैं, ऐसे में न्यूजीलैंड के गेंदबाजों को अपनी रणनीति में बदलाव करना होगा। भारत में खासकर लाल मिट्टी वाली पिचों पर बल्लेबाजों को काफी मदद मिली है और यह गेंदबाजों के लिए मुश्किल रहा है। आपने कई मुकाबलों में नियमित रूप से 200 के आसपास के स्कोर बनते देखे हैं। गेंदबाजों के सामने निश्चित रूप से चुनौती रही है। लेकिन यहां की पिचें थोड़ी धीमी हैं, जिससे गेंदबाजो को अपने कौशल दिखाने का बेहतर मौका मिल सकता है।'

उन्होंने संकेत दिया कि यहां स्पिन की भूमिका अधिक अहम हो सकती है। उन्होंने कहा कि संभावना है कि यहां स्पिन ज्यादा असर डाले। फिलहाल हमें पिच को देखकर ही अंतिम आकलन करना होगा। इस 31 वर्षीय बल्लेबाज ने उम्मीद जताई कि सुपर-8 के सभी मुकाबले कोलंबो में खेले जाने से न्यूजीलैंड को फायदा मिलेगा। उन्होंने कहा, 'ऐसे टूर्नामेंटों में लगातार अलग-अलग मैदानों पर खेलना और परिस्थितियों के मुताबिक ढलना चुनौतीपूर्ण होता है। लेकिन यहां तीनों मैच एक ही स्थल पर खेलने से हम हर मुकाबले के साथ बेहतर सीख हासिल कर पाएंगे। एक ही मैदान और लगभग समान पिचों पर खेलना हमारे लिए सकारात्मक है। यह ऐसी चीज है जिसकी हम शिकायत नहीं करना चाहेंगे।'

चैपमैन ने न्यूजीलैंड के कप्तान मिचेल सेंटनर की फिटनेस को लेकर चिताओं को दूर किया। सेंटनर अस्वस्थता के कारण कनाडा के खिलाफ पिछला मैच नहीं खेल पाए थे। उन्होंने कहा, 'मिच सेंटनर पूरी तरह स्वस्थ नजर आ रहे हैं और मैदान पर वापसी को लेकर उत्साहित हैं। अंतिम समय में अगर कोई दिक्कत नहीं हुई तो वे उपलब्ध रहेंगे। लॉकी फर्ग्यूसन पितृत्व अवकाश पर टीम से अलग हुए थे। वह वापसी की राह पर है और जल्द ही कोलंबो पहुंच सकते हैं। यह देखना होगा कि लंबी उड़ान के बाद उनकी स्थिति कैसी रहती है।'

नॉटिंघम फॉरेस्ट ने यूरोपा लीग प्लेऑफ में फेनरबाचे पर जीत हासिल की, सेल्टिक हारा

लंदन ।नॉटिंघम फॉरेस्ट फुटबॉल क्लब ने यूरोपा लीग प्लेऑफ के पहले चरण में फेनरबाचे पर 3-0 से जीत हासिल की।फॉरेस्ट के लिए डिफेंडर मुरिलो, फॉरवर्ड इगोर जीसस और कप्तान मोर्गन गिब्स वाइट ने एक-एक गोल अपनी टीम को जीत दिलाई जिसमें विटोर परेरा ने अपने पहले ही मैच में प्रभावित किया।वहीं सेल्टिक के मैनेजर मार्टिन ओनील को अपने करियर के 1,000वें मैच में स्टुटगार्ट से 1-4 से हार मिली।विक्टोरिया प्लजन ने एथेंस में पैनाथिनाइकोस के खिलाफ 2-2 से ड्रॉ खेला। चैंपियंस लीग की तरह लीग चरण में शीर्ष आठ टीम स्वतः ही अंतिम 16 में पहुंच गई जबकि नौ से 24 नंबर की टीम दो चरण के प्लेऑफ में खेलेंगी।दूसरा चरण अगले बृहस्पतिवार को होना है।

'फैबुलस लाइव्स ऑफ बॉलीवुड वाइव्स' ने महीप कपूर को दी नई पहचान

नेटफ्लिक्स की मशहूर सीरीज 'फैबुलस लाइव्स ऑफ बॉलीवुड वाइव्स' ने अभिनेता संजय कपूर की पत्नी महीप कपूर को ऐसी पहचान दी, जो केवल संजय कपूर की पत्नी या सोनम कपूर की चाची तक सीमित नहीं है। दिल्ली में 1982 में जन्मी और ऑस्ट्रेलिया में पली-बढ़ी महीप ने बॉलीवुड में कदम एक अभिनेत्री के तौर पर रखा था। महिप कपूर का बेबाक, नो-फिल्टर अंदाज और परिवार के प्रति समर्पण ने उन्हें दर्शकों के बीच खासा लोकप्रिय बनाया है। उन्होंने 1994 में फिल्म 'निगम' में काम किया था, लेकिन यह फिल्म रिलीज नहीं हो सकी। अभिनय से दूरी बनाने के बाद उन्होंने अपने करियर को नया मोड़ देते हुए ज्वेलरी डिजाइनिंग में कदम रखा और 'सत्यानी फाइन ज्वेल्स' के लिए ऐसे डिजाइन तैयार किए, जिन्हें बॉलीवुड की कई बड़ी हस्तियों ने अपनाया। महीप और संजय कपूर की शादी 1997 में हुई थी। बाहर से उनका रिश्ता एक खुशहाल फैमिली की तस्वीर जैसा दिखता था, लेकिन असलियत इससे अलग थी। 'बॉलीवुड वाइव्स' के दूसरे सीजन में महीप ने अपनी निजी जिंदगी का वह दर्दनाक सच साझा किया, जिससे दर्शक अनजान थे। उन्होंने बताया कि शादी के शुरुआती सालों में संजय कपूर ने उन्हें धोखा दिया था। जब उनकी बेटी शनाया कपूर छोटी थीं, तब संजय का किसी और महिला से संबंध था। इस खुलासे ने फैंस को हैरान कर दिया। महीप ने यह भी बताया कि अफेयर की जानकारी मिलते ही वह बेटी को लेकर घर से निकल गई थीं, हालांकि बाद में उन्होंने संजय को माफ कर दिया। उन्होंने कहा कि उन्होंने यह फैसला अपने बच्चों शनाया और जहान के लिए लिया और अपनी शादी को एक और मौका देने का निर्णय सही साबित हुआ, क्योंकि आज दोनों एक मजबूत रिश्ता साझा कर रहे हैं। महीप कपूर को लोग अक्सर 'मामा बियर' कहकर पुकारते हैं। वह अपनी बेटी शनाया कपूर के बॉलीवुड डेब्यू को लेकर हमेशा प्रोटेक्टिव रही हैं। सोशल मीडिया पर भी वह अपने बच्चों के साथ बिताए गए पलों को साझा करती रहती हैं, जिससे साफ पता चलता है कि परिवार उनकी प्राथमिकता है। शनाया अब फिल्मों में कदम रख चुकी हैं, और महीप का समर्थन हर कदम पर उनके साथ दिखता है। ज्वेलरी डिजाइनर के रूप में सफलता हासिल करने के बाद महीप आज एक डिजिटल इन्फ्लुएंसर और रियलिटी शो स्टार के रूप में भी लोकप्रिय हैं।

एआई ऐसी टेक्नोलॉजी है जो उन्हें डराती है: अभिषेक बच्चन

बॉलीवुड अभिनेता अभिषेक बच्चन का कहना है कि एआई ऐसी टेक्नोलॉजी है जो उन्हें डराती है और एक्टर्स के भविष्य के लिए नुकसानदायक हो सकती है। अभिषेक बच्चन ने एआई को लेकर अपनी राय साझा करते हुए कहा कि वह इस तकनीक के साथ बहुत कम्फर्टेबल नहीं हैं। उनके मुताबिक, एआई भविष्य में क्रिएटिव फील्ड में बड़े बदलाव ला सकता है और अगर इसे सही तरीके से उपयोग नहीं किया गया तो इससे एक्टर्स के अवसरों पर खतरा उत्पन्न हो सकता है। उन्होंने कहा कि एआई के सहारे एनिमेशन, स्पेशल इफेक्ट्स और तकनीकी प्रक्रियाएँ आसान हो जाएंगी, जिससे फिल्म निर्माण का समय और बजट दोनों कम होंगे। लेकिन इसके साथ ही उन्होंने यह भी जोड़ा कि एक्टिंग जैसे मानवीय कला के क्षेत्र में एआई कभी भी उस 'जान' को नहीं ला सकता, जो किसी कलाकार की आत्मा से निकलकर पर्दे पर दिखाई देती है। अभिषेक ने बताया कि उन्होंने कई एआई से तैयार चीज़ें देखी हैं जो देखने में बेहद आकर्षक और परफेक्ट लगती हैं, लेकिन उनमें मानवीय भावनाओं की गर्माहट और असलियत नहीं होती। उनका मानना है कि कलाकार की आत्मा, उसकी कमियाँ और उसकी अनूठी अभिव्यक्ति ही उसे खास बनाती हैं, और यही बात एआई कभी हासिल नहीं कर सकता।

वेब सीरीज हसरतें सीजन 3 को लेकर सुर्खियों में शिवांगी वर्मा

बॉलीवुड अभिनेत्री शिवांगी वर्मा इन दिनों वेब सीरीज हसरतें सीजन 3 को लेकर सुर्खियों में हैं। इसमें अभिनेत्री के एपिसोड का टाइटल 'मिडनाइट ब्राइड' है, जिसमें उन्होंने एक विधवा का किरदार निभाया है। बातचीत में शिवांगी ने बताया कि 'हसरतें' पहले से ही बेहद लोकप्रिय सीरीज है और वे इसकी फैन रही हैं। ऐसे में जब उन्हें 'सीजन 3' का हिस्सा बनने का मौका मिला, तो उनके लिए यह किसी सपने के सच होने जैसा था। उन्होंने कहा, 'मैं मेकर्स की बेहद आभारी हूं कि उन्होंने मुझे इस सीरीज के लिए चुना और मुझ पर भरोसा दिखाया। यह प्रोजेक्ट मेरे दिल के बहुत करीब है।' अभिनेत्री ने अपने किरदार के बारे में बताया कि यह उनके असली व्यक्तित्व से बिल्कुल उलट है।
असल जीवन में वे काफी मॉडर्न, फैशनेबल और स्टाइलिश हैं, जबकि शो में वे एक ऐसी विधवा बनी हैं जिन्हें समाज की रूढ़िवादी अपेक्षाओं के साथ दिखाया गया है। उन्होंने कहा, 'समाज में अक्सर विधवा महिलाओं पर मेकअप न करने, रंगीन कपड़े न पहनने और साधारण रहने जैसे कई दबाव डाल दिए जाते हैं। इस किरदार को निभाते हुए मुझे एहसास हुआ कि सादगी में भी अलग तरह की खूबसूरती होती है।' शिवांगी बताती हैं कि शूटिंग के दौरान उन्होंने पूरा प्रयास किया कि किरदार की भावनाओं और उसकी परिस्थितियों को सही तरह से दर्शाया जा सके। उन्होंने कहा कि चुनौतीपूर्ण होने के बावजूद इस रोल ने उन्हें काफी कुछ सिखाया। शो के प्रसारण के बाद उन्हें हर तरफ से बेहद सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली, जिसे वे अपने करियर का बड़ा सम्मान मानती हैं।
अपने काम के प्रति गंभीर रहने वाली शिवांगी कहती हैं कि उनके लिए कहानी सबसे अधिक मायने रखती है। यदि स्क्रिप्ट भावनाओं से जुड़ी हो और उन्हें बतौर अभिनेत्री चमकने का मौका दे, तो वे पूरी समर्पण के साथ प्रोजेक्ट का हिस्सा बनती हैं। उन्होंने कहा, 'अच्छी कहानी हो तो मैं बाकी चीजों को भूल जाती हूं। मैं खासकर महिला-केंद्रित किरदारों की ओर आकर्षित होती हूं, क्योंकि ऐसे रोल में भावनाओं और अभिव्यक्ति के कई आयाम होते हैं।' भविष्य की योजनाओं पर बात करते हुए शिवांगी ने बताया कि उन्हें रोमांटिक थ्रिलर करने की काफी इच्छा है। इसके अलावा यदि कोई दमदार बायोपिक का प्रस्ताव मिलता है, तो वह भी वे जरूर करना चाहेंगी।

कला सिर्फ मनोरंजन का माध्यम नहीं : श्वेता त्रिपाठी

कला सिर्फ मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का सशक्त जरिया भी है। यह कहना है अभिनेत्री श्वेता त्रिपाठी का। इसी सोच के साथ उन्होंने हाल ही में अपनी पहली क्वीर फिल्म मुझे जान ना कहो मेरी जान को प्रोड्यूस करने की घोषणा की है। इस फिल्म में मुख्य भूमिका में दिखाई देंगी अभिनेत्री तिलोत्तमा शोम और यह एक संवेदनशील क्वीर प्रेम कहानी है, जिसके इस साल फ्लोर पर आने की उम्मीद है। फिल्म में श्वेता स्वयं भी अभिनय कर रही हैं। प्रोडक्शन की दुनिया में यह श्वेता का पहला प्रयास नहीं है। इससे पहले वे क्वीर विषय पर आधारित थिएटर प्ले कॉक को भी प्रोड्यूस कर चुकी हैं, जो ब्रिटिश लेखक माइक बार्टलेट के ओलिवर अवॉर्ड जीत चुके ड्रामा पर आधारित है। यह नाटक देश के कई शहरों में प्रदर्शित हुआ था और दर्शकों से शानदार प्रतिक्रिया मिली थी। श्वेता कहती हैं कि यह उनके लिए सिर्फ एक पेशेवर निर्णय नहीं, बल्कि निजी स्तर पर भी जुड़ा हुआ कदम है। उन्होंने कहा, 'अगर समाज में बदलाव चाहिए, तो पहल खुद से करनी होती है। महिलाओं और क्वीर समुदाय की कहानियां हमेशा रही हैं, लेकिन उन्हें वह स्थान और सम्मान नहीं मिला, जिसके वे हकदार हैं। अब जब मुझे चुनने और बनाने का मौका मिला है, तो मैं इसे सही दिशा में इस्तेमाल करना चाहती हूं।' श्वेता का मानना है कि क्वीर कहानियों को असरदार बनाने के लिए उन्हें सनसनीखेज होने की जरूरत नहीं होती। कई बार ये कहानियां बेहद सरल, कोमल और दैनिक जीवन से जुड़ी होती हैं, जो दर्शकों के मन में लंबे समय तक जगह बनाए रखती हैं। श्वेता आगे कहती हैं कि उन्हें वह रास्ता अब साफ दिखाई देता है, जिस पर वे आगे बढ़ना चाहती हैं महिलाओं की कहानियों को मंच देना, क्वीर आवाज़ों को बढ़ावा देना और अपने फैसलों में ईमानदारी बनाए रखना। उनके अनुसार यही उनके लिए एक कलाकार के रूप में अपनापन और उद्देश्य दोनों का भाव पैदा करता है। अभिनेत्री जल्द ही दर्शकों के सामने एक बड़े प्रोजेक्ट के साथ होने वाली हैं। वे मिर्जापुर-द मूवी में नजर आएंगी, जो 4 सितंबर को थिएटर्स में रिलीज होगी। इस फिल्म में उनके साथ पंकज त्रिपाठी, अली फज़ल, दिव्येंदु और रसिका दुग्गल सहित कई पुराने और नए कलाकार दिखाई देंगे। बता दें कि अभिनेत्री श्वेता त्रिपाठी अब सिर्फ अभिनय तक सीमित नहीं रहना चाहतीं, बल्कि महिलाओं और क्वीर समुदाय की कहानियों को मुख्यधारा में मजबूत जगह दिलाने के लिए प्रोड्यूसर की भूमिका भी निभा रही हैं।

इमेज को लेकर सजग थी, इसीलिए ठुकराए कई ऑफर: रवीना टंडन

90 के दशक की टॉप एक्ट्रेसेस में शुमार बॉलीवुड अभिनेत्री रवीना टंडन अपने ग्लैमरस अंदाज़ से लेकर निजी जीवन तक सुर्खियों में रही हैं। एक्ट्रेस ने एक इंटरव्यू में अपने करियर के ऐसे फैसलों पर बात की है, जो आज भी चर्चा का विषय बन जाते हैं। रवीना ने खुलासा किया कि उन्होंने निर्माता-निर्देशक करण जौहर की ब्लॉकबस्टर फिल्म कुछ कुछ होता है और सुपरस्टार शाहरुख खान के आइकॉनिक गाने छैंया छैंया को करने से इनकार कर दिया था और इसके पीछे की वजहें दिलचस्प हैं। रवीना ने बताया कि 90 के दशक में उन्हें कई बड़े प्रोजेक्ट ऑफर होते थे, लेकिन वह अपनी इमेज को लेकर बेहद सजग थीं। फिल्म कुछ कुछ होता है में टीना का रोल, जिसे बाद में अभिनेत्री रानी मुखर्जी ने निभाया, पहले रवीना को ऑफर हुआ था। लेकिन रवीना ने यह रोल ठुकरा दिया क्योंकि वह अपने दौर की दूसरी बड़ी स्टार काजोल के अपोजिट सेकंड लीड निभाना नहीं चाहती थीं।

उन्होंने बताया कि उन्होंने करण जौहर से साफ कहा 'काजोल मेरी ही जनरेशन की हैं, मैं उनके पीछे खड़ी नहीं हो सकती।' रवीना ने हंसते हुए कहा कि करण जौहर आज भी मजाक में इस बात की शिकायत करते हैं कि उन्होंने उनकी पहली फिल्म ठुकरा दी थी। हालांकि यह रोल रानी मुखर्जी के करियर का टर्निंग प्वाइंट बन गया और फिल्म आज भी बॉलीवुड की सबसे यादगार फिल्मों में गिनी जाती है। इसके अलावा, रवीना ने फिल्म दिल से के मशहूर गाने छैंया छैंया, जिसमें बाद में अभिनेत्री मलाइका अरोड़ा दिखीं, को भी करने से मना कर दिया था। उन्हें डर था कि 'शहर की लड़की' जैसे सुपरहिट गाने के बाद उन्हें इंडस्ट्री में 'आइटम सॉन्ग गर्ल' का टैग न दे दिया जाए। उस दौर में एक्ट्रेसेस के लिए स्टीरियोटाइप होना आसान था, इसलिए उन्होंने गाना छोड़ दिया। रवीना का कहना है कि उन्हें अपने निर्णयों पर कोई पछतावा नहीं है क्योंकि हर अभिनेता अपने करियर को अपनी समझ से दिशा देता है। दिलचस्प बात यह है कि जिन अवसरों को उन्होंने छोड़ा, वे रानी मुखर्जी और मलाइका अरोड़ा के लिए माइलस्टोन साबित हुए।

फिल्म 'मैं हूं ना' को लेकर फराह ने किया बड़ा खुलासा

अपनी सुपरहिट फिल्म 'मैं हूं ना' को लेकर बॉलीवुड फिल्ममेकर और कोरियोग्राफर फराह खान ने एक बड़ा खुलासा किया है। उनके मुताबिक फिल्म में शाहरुख खान के अपोजिट निभाया गया चांदनी का आइकॉनिक रोल शुरुआत में सुष्मिता सेन को नहीं, बल्कि अभिनेत्री समीरा रेडडी को ऑफर किया जाना था।
फराह ने यह राज अपने यूट्यूब व्लॉग में समीरा रेड्डी के साथ हुई हालिया बातचीत के दौरान खोला। फराह ने बताया कि उन्होंने समीरा को पहली बार 'आहिस्ता कीजिए बातें' म्यूजिक वीडियो में देखा था, जहां इंडियन ट्रेडिशनल लुक में उनकी खूबसूरती ने उन्हें बेहद प्रभावित किया। उस समय फराह को लगा कि 'मैं हूं ना' में चांदनी का रोल समीरा के लिए बिल्कुल परफेक्ट है। यह सुनकर समीरा भी हैरान रह गईं और मजाकिया अंदाज में पूछा कि फिर उन्हें कास्ट क्यों नहीं किया गया। इसके जवाब में फराह ने बताया कि समीरा के करियर की दिशा उस समय बदल चुकी थी, क्योंकि वह सोहेल खान के साथ अपनी डेब्यू फिल्म 'मैने दिल तुझको दिया' कर चुकी थीं। इस फिल्म के कारण उनकी स्क्रीन इमेज और प्रोजेक्ट्स अलग दिशा में जा रहे थे, जिसके चलते 'मैं हूं ना' के लिए सुष्मिता सेन को चुनना पड़ा। फराह ने साफ कहा कि समीरा उनकी पहली पसंद थीं, लेकिन उस समय परिस्थितियां उनके अनुकूल नहीं रहीं। समीरा रेड्डी ने इस खुलासे पर खुशी तो जताई, लेकिन थोड़ी निराश भी दिखीं। उन्होंने कहा कि उन्हें अफसोस है क्योंकि 'मैं हूं ना' उस दौर की सबसे बड़ी हिट फिल्मों में से एक थी और इस फिल्म ने सुष्मिता सेन की लोकप्रियता को एक नई ऊंचाई दी। फिल्म में सुष्मिता द्वारा निभाया गया चांदनी का ग्लैमरस साड़ी लुक आज भी दर्शकों के बीच बेहद मशहूर है। फिल्म रिलीज़ के बाद यह फराह खान के निर्देशन करियर की धमाकेदार शुरुआत साबित हुई। दूसरी ओर, समीरा रेड्डी 'डरना मना है', 'मुसाफिर', 'नो एंट्री' और 'रेस' जैसी फिल्मों में नजर आईं, लेकिन बाद में उन्होंने मेनस्ट्रीम सिनेमा से दूरी बना ली।

बदले हुए लुक को लेकर सुर्खियों में राजकुमार राव

हाल ही में अभिनेता राजकुमार राव एक शॉर्ट फिल्म के इवेंट में नजर आए, जहां रेड कार्पेट पर उनका अंदाज देखकर पैपराज़ी भी दंग रह गए। सोशल मीडिया पर वायरल हो रही राजकुमार राव की ताजा तस्वीरों और वीडियो में बदले हुए लुक में नजर आ रहे है। राजकुमार राव का वजन बढ़ा हुआ दिखता है, हेयरलाइन बदली हुई नजर आ रही है और उनकी पूरी पर्सनैलिटी में स्पष्ट परिवर्तन दिखाई देता है। उनके इस नए लुक ने फैंस के बीच चिंता पैदा कर दी कि कहीं उनकी तबीयत तो खराब नहीं, लेकिन धीरे-धीरे असली वजह सामने आ गई है। एक्टर के करीबी सूत्र ने बताया कि राजकुमार राव पूरी तरह स्वस्थ हैं और उनके लुक में आया यह बदलाव जानबूझकर किया गया है। सूत्र के अनुसार, वे अपनी अगली बायोपिक 'निकम' के लिए यह भारी-भरकम रूप लेकर आए हैं। उन्होंने बताया कि फिल्म के किरदार के लिए उन्होंने काफी वजन बढ़ाया है क्योंकि वे अपनी उम्र से काफी बड़े एक जाने-माने व्यक्ति की भूमिका निभा रहे हैं। सूत्र ने यह भी बताया कि फिल्म की शूटिंग पूरी हो चुकी है और राजकुमार राव इस समय दोबारा वजन कम करने की प्रक्रिया में हैं। जानकारी के अनुसार, यह बायोपिक भारतीय क्रिकेट के पूर्व कप्तान और दिग्गज खिलाड़ी सौरव गांगुली की जिंदगी पर आधारित है। फिल्म में गांगुली की क्रिकेट यात्रा, शुरुआती संघर्ष, कप्तान के रूप में उनके फैसले और भारतीय क्रिकेट के बदलाव में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को दर्शाया जाएगा।

'बैटल ऑफ गलवान' ने असली सैनिकों की सीरीज की जारी

'बैटल ऑफ गलवान' फिल्म के मेकर्स ने असली आर्मी वेटरन्स और उनके परिवारों की कहानियों से जुड़ी एक विशेष वीडियो सीरीज जारी की है, जो उन खामोश ताकतों को सम्मान देती है, जो हर सैनिक के पीछे चुपचाप खड़ी रहती हैं। इन वीडियो को साझा करते हुए मेकर्स ने लिखा कि 'बैटल ऑफगलवान' उन परिवारों को सलाम करता है जिन्होंने हर पोस्टिंग, हर विदाई और हर वापसी को अपने दिल से जिया है। पहले वीडियो में तीसरी गोरखा राइफल्स के कर्नल महीप सिंह चड्ढा की बेटी मिसेज गानवी चड्ढा नज़र आती हैं। कर्नल चड्ढा 1965 और 1971 की जंग में शामिल रहे थे। मिसेज चड्ढा याद करती हैं कि कैसे उनके पति फील्ड एरिया में तैनात रहते थे और उनसे बात करने के लिए लोकल एक्सचेंज के जरिए कॉल बुक करनी पड़ती थी, जिसमें पूरा प्रोटोकॉल निभाना होता था।
वह बताती हैं कि परिवार उन्हें कितना याद करता था, खासकर उनका पसंदीदा खाना बनाते समय। जब वह छुट्टी लेकर घर लौटते थे, तो वही खाना साथ बैठकर खाने में एक अलग ही खुशी होती थी। दूसरे वीडियो में 16 बिहार रेजिमेंट के लेफ्टिनेंट कर्नल जगदीप मनचंदा (रिटायर्ड) की पत्नी मिसेज सविंदर मनचंदा उन तनाव भरी यादों को साझा करती हैं, जब उनके पति की यूनिट को अरुणाचल प्रदेश के वांगचुक जनजाति वाले क्षेत्र में भेजा गया था। वह बताती हैं कि उस इलाके में लगातार खतरा बना रहता था। टेलीफोन लाइनें बहुत दूर थीं और आवाज भी साफ नहीं आती थी, लेकिन किसी भी तरह पति की आवाज सुन लेना उनके लिए बड़ा सुकून था। तीसरे वीडियो में खुद रिटायर्ड लेफ्टिनेंट कर्नल जगदीप मनचंदा दिखाई देते हैं, जिन्होंने 1972 से 2003 तक देश की सेवा की। वह अपने 32 साल के आर्मी सफर को जिंदगी का सबसे अनमोल हिस्सा बताते हैं। गलवान घाटी के संघर्ष समेत कई कठिन ऑपरेशन्स को याद करते हुए उन्होंने भारतीय सेना और अपने साथियों के प्रति आभार व्यक्त किया। इन भावुक और प्रेरणादायक कहानियों के माध्यम से सलमान खान फिल्म्स न सिर्फसैनिकों की बहादुरी को सम्मान दे रहा है, बल्कि उन परिवारों की कुर्बानियों को भी सलाम कर रहा है, जो हर वर्दी के पीछे की असल ताकत होते हैं। सलमा खान के प्रोडक्शन और अपूर्व लाखिया के निर्देशन में बनी 'बैटल ऑफ गलवान' बहादुरी, बलिदान और मानवीय रिश्तों की गहराई को दर्शाने की कोशिश करती है। चित्रांगदा सिंह भी फिल्म में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं, जो कहानी को और प्रभावशाली बनाती है। बता दें कि 'बैटल ऑफगलवान' के टीज़र को मिली दर्शकों की शानदार प्रतिक्रिया के बाद सलमान खान फिल्म्स लगातार देशभक्ति की भावना को और मजबूत कर रहा है। हाल ही में रिलीज़ हुए इसके गाने 'मातृभूमि' और 'मैं हूँ' ने लोगों के दिलों में जोश और भावनाओं का एक नया उभार पैदा किया है।

संक्षिप्त समाचार

गार्सिया द्वीप पर ब्रिटेन का कब्जा खत्म होने से घबराया यूएस

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर से अपील की है कि वे हिंद महासागर क्षेत्र में स्थित द्वीप डिएगो गार्सिया को मॉरीशस को न सौंपें। ट्रंप ने कहा कि अगर अमेरिका और ईरान के बीच जिनेवा में चल रही बातचीत असफल रहती है तो ईरान पर हमले के लिए अमेरिका को डिएगो गार्सिया द्वीप की जरूरत पड़ेगी। गौरतलब है कि बीते साल ब्रिटेन ने हिंद महासागर में रणनीतिक रूप से बेहद अहम द्वीप डिएगो गार्सिया को मॉरीशस को सौंपने का एलान किया था। हालांकि 99 साल की लीज पर अमेरिका-ब्रिटेन का सैन्य अड्डा द्वीप पर बरकरार रहेगा। ट्रंप ने चागोस द्वीप को मॉरीशस को सौंपने के ब्रिटेन सरकार के फैसले को एक बड़ी गलती बताया। सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में ट्रंप ने लिखा, मैं ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर से कहता रहा हूं कि देशों के मामलों में पट्टे (लीज) का कोई महत्व नहीं होता। हिंद महासागर में रणनीतिक रूप से स्थित डिएगो गार्सिया पर 100 साल का पट्टा समझौता करके वे बड़ी गलती कर रहे हैं। ब्रिटेन के साथ हमारे मजबूत संबंध हैं और ये संबंध कई वर्षों से हैं, लेकिन प्रधानमंत्री स्टार्मर इस द्वीप पर अपना नियंत्रण खो रहे हैं। ट्रंप ने आगे लिखा, अगर ईरान समझौता करने से इनकार कर देता है तो अमेरिका को डिएगो गार्सिया द्वीप की जरूरत पड़ सकती है। प्रधानमंत्री स्टार्मर को किसी भी वजह से डिएगो गार्सिया पर अपना नियंत्रण नहीं खोना चाहिए। ट्रंप ने ये भी कहा कि जरूरत पड़ने पर वे ब्रिटेन के लिए लड़ने के लिए तैयार हैं। ट्रंप ने लिखा, अगर ब्रिटेन से जमीन छीनी जाती है तो ऐसा नहीं होने दिया जाएगा। हम ब्रिटेन के लिए लड़ने के लिए हमेशा तैयार रहेंगे। लेकिन ब्रिटेन को मजबूत रहना होगा। मॉरीशस को साल 1968 में ब्रिटेन के शासन से आजादी मिली, लेकिन डिएगो गार्सिया द्वीप ब्रिटेन का उपनिवेश बना रहा। हालांकि अंतरराष्ट्रीय न्यायालय के 2019 के फैसले और बढ़ते अंतरराष्ट्रीय दबाव के चलते ब्रिटेन की सरकार ने साल 2025 में मॉरीशस के साथ हुए एक समझौते में चागोस द्वीप समूह को मॉरीशस को वापस लौटाने का फैसला किया। वहीं डिएगो गार्सिया द्वीप को 99 साल के पट्टे पर बरकरार रखने का फैसला किया, जहां ब्रिटेन का सैन्य अड्डा रहेगा। डिएगो गार्सिया द्वीप हिंद महासागर में रणनीतिक लिहाज से बेहद अहम जगह पर है। यही वजह है कि ट्रंप इस द्वीप को छोड़ने के ब्रिटेन के फैसले के खिलाफ हैं।

ईरान पर सैन्य कार्रवाई से पहले कूटनीति ही विकल्प, समझौता करना समझदारी होगी

वॉशिंगटन, एजेंसी। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलाइन लेविट ने बुधवार को कहा कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पास ईरान के साथ परमाणु समझौते को लेकर सैन्य कार्रवाई करने से पहले कूटनीति ही पहला विकल्प है। लेविट ने मीडिया से बातचीत में ईरान को चेताया और कहा कि ईरान के लिए ट्रंप के साथ समझौता करना समझदारी होगी। जब उनसे ईरान पर संभावित सैन्य कार्रवाई के बारे में पूछा गया, तो लिविट ने कहा, ईरान पर हमला करने के लिए कुछ तर्क दिए सकते हैं। राष्ट्रपति ने ऑपरेशन मिडनाइट हैमर के तहत एक सफल अभियान चलाया था, जिसमें ईरान की परमाणु सुविधाओं को पूरी तरह नष्ट किया गया। राष्ट्रपति हमेशा स्पष्ट रहे हैं कि ईरान या किसी अन्य देश के साथ कूटनीति पहला विकल्प है और ईरान के लिए राष्ट्रपति ट्रंप के साथ समझौता करना समझदारी होगी। लिविट ने कहा, राष्ट्रपति ने कई लोगों, खासतौर से अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा टीम से बातचीत कर रहे हैं। यह निर्णय अमेरिका और उसके लोगों के सर्वोत्तम हित को ध्यान में रखते हुए लिया जाएगा। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि अमेरिकी सेना इस्राइल के साथ बातचीत में हैं, लेकिन किसी भी सैन्य कार्रवाई की पुष्टि नहीं की गई है। प्रेस सचिव ने कहा कि जिनेवा में ईरानी अधिकारियों के साथ बातचीत में प्रगति हुई है, लेकिन दोनों देशों के बीच कुछ मुद्दों पर अभी भी काफी दूरियां हैं। उन्होंने कहा, थोड़ी प्रगति हुई है, लेकिन कुछ मुद्दों पर हम अभी भी दूर हैं। हम उम्मीद करते हैं कि ईरान अगले दो हफ्तों में विस्तृत प्रस्ताव लेकर आएगा। राष्ट्रपति इस प्रक्रिया को लगातार देखेंगे। मंगलवार को अमेरिकी दूत स्टीव विटकॉफ और जेरेड कुश्नर ने जिनेवा में ईरानी अधिकारियों के साथ बातचीत की। एक अमेरिकी अधिकारी ने कहा कि ईरान अगले दो हफ्तों में अपनी विस्तृत योजना के साथ आएगा, ताकि मुद्दों को सुलझाया जा सके। इस बीच, ट्रंप ने जिनेवा में होने वाली महत्वपूर्ण कूटनीतिक बातचीत से पहले ईरान को चेतावनी दी कि अगर समझौता नहीं हुआ तो गंभीर परिणाम होंगे। उन्होंने ईरान से कहा कि अगली बातचीत में समझदारी दिखाएं और जून 2025 में कई गई बी-2 बमबारी की याद दिलाई। ईरानी सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह अली खामेई ने भी ट्रंप को चेतावनी दी और कहा कि दुनिया की सबसे ताकतवर सेना को भी विनाशकारी नुकसान का सामना करना पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति बार-बार कहते हैं कि उनके पास दुनिया की सबसे मजबूत सेना है। सबसे मजबूत सेना भी कभी-कभी इतनी भारी चोट खा सकती है कि फिर उठ नहीं सकती।

कंसर्ट की भीड़ से लेकर तेल के कुओं तक...

क्या इंसान भी ला सकते हैं भूकंप

वॉशिंगटन, एजेंसी। भूकंप आमतौर पर धरती के अंदर मौजूद फॉल्ट लाइनों (दरारों) में होने वाली प्राकृतिक हलचल से आते हैं। लेकिन कुछ खास परिस्थितियों में इंसानी गतिविधियां भी जमीन में कंपन पैदा कर सकती हैं। वैज्ञानिक प्राकृतिक टेक्टोनिक भूकंप और इंसानों द्वारा उत्पन्न कंपन (इंड्यूस्ड भूकंप) के बीच फर्क करते हैं।

खनन, बड़े जलाशयों को भरना या जमीन के अंदर तरल पदार्थ इंजेक्ट करना जैसी गतिविधियां छोटे भूकंपीय झटके पैदा कर सकती हैं। ज्यादातर ऐसे झटके बहुत हल्के होते हैं और किसी तरह का नुकसान नहीं करते। हालांकि कुछ इलाकों में औद्योगिक गतिविधियों से अपेक्षाकृत तेज झटके भी दर्ज किए गए हैं। पिछले कुछ वर्षों में वैज्ञानिक यह समझने की कोशिश कर रहे हैं कि ऐसे भूकंप क्यों और कैसे आते हैं, और क्या इन्हें नियंत्रित किया जा सकता है। सवाल यह नहीं है कि इंसान जमीन को हिला सकते हैं या नहीं, बल्कि यह है कि यह कितना बड़ा असर डाल सकता है और इसे कितना नियंत्रित किया जा सकता है।

भीड़ भी पैदा कर सकती है हल्का कंपन : अमेरिका के सिएटल शहर में एक कंसर्ट के दौरान पॉप स्टार टेलर स्विफ्ट के शो में हजारों प्रशंसकों के एक साथ कूदने-नाचने से जमीन में कंपन दर्ज हुआ। यह कंपन करीब 2.3 तीव्रता के भूकंप जैसा माना गया।

ऐसी जानकारी द वाशिंगटन पोस्ट में प्रकाशित एक रिपोर्ट में दी गई थी। वैज्ञानिकों के अनुसार जब बड़ी संख्या में लोग एक साथ उछलते हैं तो उनकी ऊर्जा जमीन में तरंगों के रूप में फैलती है।

हालांकि 2.3 तीव्रता का झटका बहुत छोटा माना जाता है। इसे केवल आसपास ही महसूस किया जा सकता है और इससे किसी तरह का नुकसान नहीं होता। यह कंपन अस्थायी होता है और इसमें धरती की गहरी फॉल्ट लाइनें शामिल नहीं होतीं।

जमीन के नीचे तरल इंजेक्शन से असली भूकंप : ज्यादा गंभीर मामले तेल और गैस उद्योग से जुड़े पाए गए हैं। मैसाचुसेट्स की तकनीकी संस्था के वैज्ञानिकों ने इटली के एक तेल क्षेत्र का अध्ययन किया। तेल कंपनियां जब अपशिष्ट पानी को जमीन के बहुत नीचे इंजेक्ट करती हैं, तो वहां दबाव बढ़ता है।

अगर यह दबाव पहले से मौजूद फॉल्ट लाइन पर असर डालता है, तो चट्टानें खिसक सकती हैं और ऊर्जा निकलने से भूकंप आ सकता है। ऐसे मामले अमेरिका के कुछ हिस्सों और दक्षिणी इटली में देखे गए हैं, जहां ज्यादा मात्रा में इंजेक्शन के बाद भूकंपों की संख्या बढ़ी।

इंजेक्शन की गति घटाने से कम हुए झटके : अध्ययन में पाया गया कि जब रोजाना इंजेक्शन की मात्रा कम की गई, तो भूकंपों की संख्या भी घट गई। पहले जहां सैकड़ों छोटे झटके दर्ज हो रहे थे, वहीं दर घटाने के बाद बहुत कम और हल्के झटके आए।

कंप्यूटर मॉडल और भूगर्भीय आंकड़ों की मदद से वैज्ञानिकों ने यह समझा कि दबाव को धीरे-धीरे और नियंत्रित तरीके से बढ़ाना जोखिम कम कर सकता है। इससे संकेत मिलता है कि मानव-जनित भूकंपों को कुछ हद तक नियंत्रित किया जा सकता है, बशर्ते निगरानी और योजना सावधानी से की जाए।

रोकथाम भूगोल और योजना पर निर्भर : प्राकृतिक भूकंपों को रोका नहीं जा सकता, क्योंकि वे धरती की परतों में वर्षों से जमा हो रहे दबाव के कारण आते हैं। लेकिन मानव-जनित झटकों को कम किया जा सकता है, अगर औद्योगिक परियोजनाएं स्थानीय भूगोल को ध्यान में रखकर चलाई जाएं और जमीन के नीचे दबाव में बदलाव को सावधानी से नियंत्रित किया जाए।

विशेषज्ञों का मानना है कि पूरी तरह काम बंद करना ही एकमात्र उपाय नहीं है। सही डेटा, सावधानीपूर्वक योजना और लगातार निगरानी से जोखिम कम किया जा सकता है। जमीन हिल सकती है, लेकिन शायद कम बार।

नासा का अलर्ट: 25 हजार एस्टेरॉयड धरती के पास, आधों का अब तक नहीं लगा सुराग

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने चेताया है कि पृथ्वी के पास लगभग 25,000 ऐसे एस्टेरॉयड (क्षुद्रग्रह) मंडरा रहे हैं। लेकिन इनका अभी तक पता नहीं चल पाया है।

चिंता की बात ये है कि ये किसी भी क्षेत्र को पूरी तरह खत्म कर समतल करने की ताकत रखते हैं। नासा में प्लैनेटरी डिफेंस (ग्रह रक्षा) की प्रमुख केली फास्ट ने अमेरिकी एसोसिएशन फॉर द एडवांसमेंट ऑफ साइंस में बोलते हुए कहा कि जो चीज मुझे रात में सोने नहीं देती, वह हैं वे एस्टेरॉयड जिनके बारे में हम जानते ही नहीं हैं। केली के मुताबिक, वैज्ञानिक बहुत छोटे और बहुत बड़े पत्थरों को तो ट्रैक कर लेते हैं, लेकिन मध्यम आकार (लगभग 140 मीटर) वाले पत्थर अभी भी नजरों से ओझल हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि ये सिटी-किलर्स वैश्विक विनाश भले न करें, लेकिन क्षेत्रीय स्तर पर भारी तबाही मचा सकते हैं। अनुमान है कि ऐसे 25,000 पत्थरों में से हम केवल 40 फीसदी को ही ढूंढ पाए हैं।

50 फीसदी से अधिक एस्टेरॉयड का स्थान अज्ञात : जॉन हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी की डॉ. नैन्सी चाबोट, जिन्होंने 2022 में नासा के डार्ट मिशन का नेतृत्व किया था, उन्होंने भी इस खतरे पर मुहर लगाई है। उनके अनुसार यह खोज अभी अधूरी है, हमें अभी भी 50 फीसदी से ज्यादा 140 मीटर वाले एस्टेरॉयड्स के ठिकाने का पता नहीं है।

एस्टेरॉयड को नष्ट करने की सक्रिय तकनीक तैयार नहीं : नासा ने कहा कि वर्तमान में हमारे पास किसी अचानक आने वाले एस्टेरॉयड को मोड़ने या नष्ट करने की सक्रिय तकनीक तैयार नहीं है। इस रक्षा प्रणाली को तैयार रखने के लिए निवेश की भारी कमी है।नैन्सी ने स्पष्ट किया कि हमारे पास जैसा कोई दूसरा स्पेसक्राफ्ट स्टैंडबाय पर नहीं रखा है, जिसे तुरंत लॉन्च किया जा सके।

न्यूयॉर्क में फिर शुरू होगी बेघर लोगों के कैंप हटाने की कार्रवाई

ममदानी बोले- इस बार तरीका मानवीय होगा

न्यूयॉर्क, एजेंसी। न्यूयॉर्क सिटी के मेयर जोहरान ममदानी ने एलान किया है कि शहर में सड़क किनारे और पार्कों में बने अस्थायी बेघर कैंप (टेंट बस्ती) फिर से हटाए जाएंगे। लेकिन इस बार उनका कहना है कि तरीका पहले से अलग और ज्यादा मानवीय (इंसानियत भरा) होगा। बता दें कि, मेयर बनने के कुछ ही दिनों बाद जोहरान ममदानी ने पुराने मेयर एरिक एडम्स की कैंप हटाने वाली नीति रोक दी थी। उनका मानना था कि सिर्फ कैंप हटाने से समस्या हल नहीं होगी, लोगों को घर और सही मदद मिलनी चाहिए।

हाल ही में न्यूयॉर्क में कड़ाके की ठंड पड़ी, जिसमें कम से कम 19 लोगों की बाहर ठंड से मौत हो गई। हालांकि यह साफ नहीं है कि ये लोग कैंप में रह रहे थे या नहीं, लेकिन इस घटना के बाद शहर की नीतियों पर सवाल उठने लगे।

फैसले के खिलाफ और समर्थन में कौन?

जोहरान ममदानी के इस फैसले को सिटी काउंसिल की स्पीकर जूल मेनिन ने सही कदम बताया। उनका कहना है कि इतनी ठंड में लोगों को सड़क पर छोड़ना अमानवीय है। वहीं इसके विरोध में बेघर लोगों के लिए काम करने वाली संस्था बेघरों के लिए गठबंधन के निदेशक डेविड गिफेन ने कहा कि यह राजनीतिक फैसला है। उनका कहना है कि जब लोगों का सामान फेंक दिया जाता है, तो वे सरकार पर भरोसा नहीं कर पाते।

30 मीटर तक हवा में उड़कर घर के बाथरूम में घुसा तेज रफ्तार ट्रक, बाल-बाल बचा परिवार

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में एक चौंकाने वाला हादसा सामने आया है। तेज रफ्तार से आ रहा एक ट्रक मिट्टी के टीले से उछलकर हवा में करीब 30 मीटर तक उड़ता हुआ एक घर में जा घुसा। इस घटना का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें ट्रक को हवा में उड़ते हुए साफ देखा जा सकता है।

यह हादसा पिछले शुक्रवार तड़के करीब 3 बजे टाइगार्ड में हुआ। स्थानीय पुलिस के अनुसार, ट्रक पश्चिम दिशा में साउथवेस्ट स्कोल्स फेरी रोड पर जा रहा था और चालक तेज रफ्तार व लापरवाही से गाड़ी चला रहा था। दरवाजे पर लगे कैमरे की फुटेज में दिखता है कि ट्रक पहले एक मिट्टी के टीले से उछला, फिर एक रिटेनिंग वॉल को पार करता हुआ सीधे घर की दीवार से टकरा गया।

घर के बाथरूम में जा घुसा ट्रक : ट्रक डेविड ब्रुडनोक के घर के ग्राउंड फ्लोर के बाथरूम में जा घुसा। ब्रुडनोक ने स्थानीय चैनल से बातचीत में कहा, ÷मैंने कभी सोचा भी नहीं था कि कोई ट्रक उड़कर आएगा। अचानक जोरदार धमाका हुआ और घर हिल गया। नीचे जाकर देखा तो घर का पूरा सामने का हिस्सा टूट चुका था। हादसे के समय ब्रुडनोक, उनकी पत्नी और उनके तीन छोटे बच्चे ऊपर की मंजिल पर थे। अच्छी बात यह रही कि परिवार का कोई सदस्य घायल नहीं हुआ। ब्रुडनोक ने कहा कि वह भगवान का शुक्रगुजार हैं कि हादसे के वक्त पूरा परिवार ऊपर था, नहीं तो बड़ा नुकसान हो सकता था।

ड्राइवर पर मामला दर्ज : हादसे के बाद ड्राइवर खुद गाड़ी से बाहर निकल आया, जबकि फायर ब्रिगेड की टीम ने मलबे में फंसे यात्री को बाहर निकाला। पुलिस के मुताबिक ड्राइवर और यात्री दोनों को मामूली चोटें आई हैं। पुलिस ने 33 साल के ड्राइवर जैकब हैंकिंस पर लापरवाही से गाड़ी चलाने और दूसरों की जान खतरे में डालने का मामला दर्ज किया है। जांच अधिकारी अभी इस हादसे की पूरी परिस्थितियों की समीक्षा कर रहे हैं, जिसमें ट्रक की रफ्तार और टक्कर से पहले की ड्राइविंग का तरीका शामिल है।

जमीन के नीचे दौलत और सहत पर संकट

दुनिया का सबसे बड़ा तेल रिजर्व होने के बावजूद वेनेजुएला में क्यों बिगड़े हालात?

कराकास एजेंसी। दक्षिण अमेरिकी देश वेनेजुएला के पास दुनिया का सबसे बड़ा प्रमाणित तेल रिजर्व है, जो आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक करीब 303 बिलियन बैरल है। यह दुनियाभर के क्रूड ऑयल का लगभग 17 प्रतिशत हिस्सा है। यह तेल का भंडार मुख्य रूप से ओरिनोको बेल्ट में फैला हुआ है, जहां तेल बेहद घना और भारी किस्म का है।

कैसे बना इतन विशाल तेल भंडार? : वेनेजुएला की भूवैज्ञानिक संरचना ने ही इस बड़े तेल रिजर्व को संभव बनाया है। वेनेजुएला के दक्षिणी और पूर्वी हिस्सों में फैला ओरिनोको बेल्ट सेडिमेंट्री चट्टानों का एक बड़ा इलाका है, जहां पुराने जैविक पदार्थ दबाव और समय के साथ हाइड्रोकार्बन में बदल गए।

कैसे चट्टानों से निकला तेल? : एक केस स्टडी के अध्ययन के अनुसार, लाखों सालों में, कैरिबियन और साउथ अमेरिकन टेक्टोनिक प्लेटों के बीच हलचल की वजह से पूर्वी वेनेजुएला के कुछ हिस्से डूब गए। जब जमीन लंबे समय तक धीरे-धीरे पानी में डूबती है, तो इससे एक गहरा बेसिन बनता है। इसे एक बड़े नेचुरल कटोरे की तरह समझा जा सकता है। इस कटोरे ने समय के साथ सेडिमेंट रॉक्स की मोटी परतें बनने दीं। सेडिमेंट बाद में चट्टानें बन गईं जिनमें तेल होता है।

बढ़ते हुए एंडीज पर्वत से बहने वाली नदियां इस बेसिन में बहुत ज्यादा रेत, मिट्टी और दबे हुए ऑर्गेनिक मटीरियल ले गईं, जिससे बहुत मोटी, तेल से भरपूर परतें बनीं जो आखिर में रिजर्वॉयर बन गईं।

इस इलाके में समुद्र के लेवल में बार-बार बढ़ोतरी और गिरावट ने भी इस दबे हुए ऑर्गेनिक मैटर को बचाने में मदद की, क्योंकि उथले समुद्रों ने कम ऑक्सीजन वाली कंडीशन बनाई जिससे यह पूरी तरह से सड़ नहीं पाया, इसलिए ज्यादा गहराई में दबे होने पर तेल बनाने के लिए ज्यादा मटीरियल मौजूद था।

इसके अलावा, टेक्टोनिक ताकतों की वजह से होने वाले फॉल्ट और स्ट्रक्चरल ट्रैप ने तेल बनने के बाद उसे बाहर निकलने से रोकने में मदद की, जिससे असल में बड़ी मात्रा में हाइड्रोकार्बन वहीं सील हो गए।

वेनेजुएला में उत्पादन क्यों घटा? : वेनेजुएला में भले ही तेल रिजर्व का आकार दुनिया में सबसे बड़ा है, लेकिन इसका असर उत्पादन या आर्थिक स्थिरता पर नहीं पड़ा।

कनाडा में घटी विदेशी छात्रों की संख्या

61 प्रतिशत की आई कमी, इन नियमों का भारतीय छात्रों पर दिखा असर

टोरंटो एजेंसी। कनाडा में अंतरराष्ट्रीय छात्रों की संख्या में बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। सरकार द्वारा अस्थायी निवासियों (जिनमें छात्र भी शामिल हैं) की संख्या कम करने और आवास, बुनियादी ढांचे व सार्वजनिक सेवाओं पर दबाव घटाने के लिए उठाए गए कदमों का असर अब साफ दिखने लगा है।

हालिया आंकड़ों में यह सामने आया है कि नए स्टडी परमिट जारी हाने की संख्या में करीब 61 प्रतिशत की कमी आई है। इमिग्रेशन, रिफ्यूजिस एंड सिटिजनशिप कनाडा के ताजा आंकड़ों के अनुसार, 2024 में जहां 2 लाख 93 हजार 60 नए अंतरराष्ट्रीय छात्र आए थे, वहीं 2025 में यह संख्या घटकर 1 लाख 15 हजार 470 रह गई है।

कितनी हो गई संख्या? : दिसंबर 2024 में 29,835 नए छात्र पहुंचे थे जबकि दिसंबर 2025 में यह संख्या घटकर सिर्फ 9665 रह गई। अगस्त और दिसंबर में आमतौर पर ज्यादा स्टडी परमिट जारी होते हैं, क्योंकि इन्हीं महीनों में फॉल और विंटर सेमेस्टर शुरू होते हैं।

मासिक आंकड़ों में भी गिरावट देखी गई है। उदाहरण के लिए अप्रैल 2024 में 45 हजार 790 नए परमिट जारी हुए थे, जो अप्रैल 2025 में घटकर 8525 रह गए। अगस्त 2024 में 79 हजार 740 परमिट जारी हुए, जबकि अगस्त 2025 में 45 हजार 35 रह गए।

कनाडा सरकार ने कैप की तय : कनाडा सरकार ने 2024 में अंतरराष्ट्रीय छात्रों के लिए सालाना सीमा (कैप) तय की थी। इसके बाद 2025 और 2026 के लिए भी लक्ष्य कम कर दिए गए। पिछले साल घोषित 2025-2027 की योजना में 2026 के लिए 3.05 लाख छात्रों का लक्ष्य रखा गया था। अब नई 2026-2028 आव्रजन योजना में इसे घटाकर 1.55 लाख कर दिया गया है और अगले दो साल में इसमें हल्की और कमी होगी।

रेगुलेटेड कनाडियन इमिग्रेशन कंसल्टेंट मैथ्यू मैकडोनाल्ड ने कहा था कि 2026 के लिए लक्ष्य में 50 प्रतिशत की कटौती बड़ी बात है। इससे कॉलेज और यूनिवर्सिटी कम एडमिशन ऑफर दे पाएंगे, जिससे कनाडा के शिक्षा क्षेत्र पर दबाव बढ़ेगा। सरकार का कहना है कि वह आव्रजन को सस्टेनेबल स्तर पर लाना चाहती है और अस्थायी निवासियों की संख्या को कुल आबादी के 5 प्रतिशत से नीचे रखना चाहती है।

चीन का कार बाजार फिर सिकुड़ने जा रहा है? दुनिया भर के कार निर्माताओं पर पड़ेगा असर?

बीजिंग, एजेंसी। साल 2018 में, जब वैश्विक व्यापार व्यवस्था पर पहली बार डोनाल्ड ट्रंप के सख्त रुख का असर दिखने लगा था, तब दुनिया का सबसे बड़ा कार बाजार, चीन अचानक सुस्त पड़ गया था। दशकों तक लगातार बढ़त के बाद चीन में कार बिक्री गिरने लगी, क्योंकि अर्थव्यवस्था की रफ्तार धीमी हो गई। उस समय विदेशी कार कंपनियां, जिनकी बाजार हिस्सेदारी करीब 60 प्रतिशत थी, सबसे ज्यादा प्रभावित हुईं।

अब एक बार फिर आशंका जताई जा रही है कि चीन का कार बाजार पीछे जा सकता है। फर्क बस इतना है कि इस बार चोट ज्यादा स्थानीय कार निर्माताओं को लग सकती है, जो इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) के दम पर आज बाजार पर हावी हैं। हालांकि, विदेशी कंपनियां भी पूरी तरह सुरक्षित नहीं रहेंगी, क्योंकि चीनी ब्रांड आक्रामक तरीके से विदेशों में विस्तार कर रहे हैं।

गिरावट के संकेत कितने गंभीर हैं? : चीन में मौजूदा गिरावट का पैमाना अभी पूरी तरह साफ नहीं है, लेकिन चेतावनी के संकेत साफ दिख रहे हैं। 2021 में दोबारा ग्रोथ की राह पर लौटने के बाद, पिछले साल चीन में कारों की सालाना बिक्री 2.38 करोड़ यूनिट्स तक पहुंची, जो 2024 के मुकाबले करीब 4 प्रतिशत ज्यादा थी। यह आंकड़े चाइना पैसेंजर कार एसोसिएशन के हैं।

लेकिन साल की आखिरी तिमाही में हर महीने बिक्री पिछले साल से कम रही। उम्मीद है कि इस साल बिक्री स्थिर रहेगी, मगर सभी इतने आशावादी नहीं हैं। ब्रोकरेज फर्म बर्नस्टीन का अनुमान है कि बिक्री में 5 से 9 प्रतिशत तक गिरावट हो सकती है।

और कौन-से संकेत चिंता बढ़ा रहे हैं? : पिछले महीने चीन ऑटोमोबाइल निर्माता संघ ने अपना साप्ताहिक बिक्री डेटा जारी करने में देरी की, जिसे जानकार कमजोर आंकड़ों को लेकर बढ़ती बेचैनी का संकेत मान रहे हैं।

इसके अलावा, रिसर्च फर्म गावेकल का मानना है कि कई साल की तेज बढ़त के बाद इस साल ईवी की बिक्री में भी गिरावट देखी जा सकती है।

चीन के कार बाजार में सुस्ती क्यों आ रही है? : इस गिरावट के पीछे कई वजहें हैं। गावेकल के मुताबिक, 2024 के आखिर में पुराने वाहनों को स्क्रैप करने पर दी गई सब्सिडी के चलते ईवी की खरीद में तेज उछाल आया था। खासकर कंपनियों और सरकारी संस्थानों की तरफ से। लेकिन इस साल सब्सिडी कम होने से मांग पर दबाव पड़ेगा।

इसके अलावा, ईवी पर 5-10 प्रतिशत का नया खरीद टैक्स लगाया गया है। वहीं, डीलरों पर यह पाबंदी भी सख्त की गई है कि वे सिर्फ बिक्री आंकड़े बढ़ाने के लिए खुद गाड़ियों का रजिस्ट्रेशन कर उन्हें ÷जीरो-माइल÷ सेकेंड-हैंड कार बताकर निर्यात न करें। इन सभी वजहों से बिक्री के आंकड़े प्रभावित हो रहे हैं।

क्या कीमतों की जंग और तेज होगी? : जैसे-जैसे चीन का घरेलू बाजार सिकुड़ता है, वहां लंबे समय से चल रही प्राइस वॉर (कीमत की जंग) और तेज होने की आशंका है। अतिरिक्त उत्पादन क्षमता के चलते कंपनियां पहले से ही भारी छूट दे रही हैं।

इसी को देखते हुए सरकार ने हाल ही में डिस्काउंट पर लगाम लगाने की कोशिश की है। 12 फरवरी को चीन की एंटीट्रस्ट अथॉरिटी ने नियम जारी कर कहा कि कंपनियां अब गाड़ियां निर्माण लागत से कम कीमत पर नहीं बेच सकेंगी। हालांकि, यह साफ नहीं है कि इन नियमों को कितनी सख्ती से लागू किया जाएगा। विदेशी कार कंपनियों को उम्मीद है कि यह पहल सफल होगी, क्योंकि वे चीनी ब्रांड्स से कीमत के मोर्चे पर मुकाबला नहीं कर पा रही हैं।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक स्वामी मुद्रक एवं संपादक हरेश पंवार द्वारा शीतल प्रिंटिंग ऑफसेट, प्लॉट नंबर 245 , बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 से मुद्रित एवं प्रकाशित, मुद्रक मीना, संपादक हरेश पंवार, भीम प्रज्ञा मीडिया हाउस, बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 मो. 9983040937, —mail bheempragya@gmail.com